खबरों के 69 साल, खबरें लगातार, ई पेपर - www.deshbandhump.com

पत्र नहीं मित्र

संपर्क करें jabdesh1@yahoo.com

देशबन्धु

जबलपुर, शनिवार 30 नवम्बर 2024 | वर्ष –69 | अंक –18 | पृष्ठ –12 | मूल्य – 3.00 रु.

■ प्रकृति से जुड़ा है कमारों...
■ भारत-नाईजीरिया संबंधों... 04

■ हमास युद्धविराम पर सहयोग के लिए तैयार...
■ चीन ने नए युग में ग्रामीण सड़कों के विकास... 09

■ क्रेडिट कार्ड को लेकर एलपीजी सिलेंडर...
■ बाजार में शानदार तेजी, सेंसेक्स 759 अंक... 11

■ भारतीय जूनियर टीम ने...
■ शुभमन गिल बल्लेबाजी... 10

सार संक्षेप

पाकिस्तान नहीं जाएगी भारतीय क्रिकेट टीम...

नई दिल्ली। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की मीटिंग में फैसला हुआ है कि टीम इंडिया को पाकिस्तान ना भेजा जाए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार बीसीसीआई ने एक बयान जारी किया है कि उन्हें सुरक्षा संबंधी चिंताएं हैं। जिसका मतलब है कि उनके पाकिस्तान जाने की संभावना नहीं है। चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन अगले साल पाकिस्तान में होना है। मीटिंग में आज फैसला नहीं हो पाया है। भारत सरकार ने कहा है कि अगर पाकिस्तान हाइब्रिड मॉडल के लिए तैयार नहीं होता है तो भारत इसकी मेजबानी की जिम्मेदारी लेगा। भारत आने के लिए विदेशी खिलाड़ियों को कोई दिक्कत नहीं आएगी। बीसीसीआई ने इसी बात को मीटिंग में रखी है। इसकी उम्मीद अब काफी कम है कि भारतीय टीम पाकिस्तान जाएगी। भारत सरकार ने साफ कह दिया है कि वह टीम नहीं भेजेगा।

टूर्नामेंट से हट सकता है पाकिस्तान–वहीं, पीसीबी हाइब्रिड मॉडल के लिए तैयार नहीं है। पीसीबी के एक सूत्र ने कहा है कि अगर पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी के अधिकार खो देता है तो वह इस आयोजन से पीछे हट जाएगा। एक सूत्र ने बताया कि ऐसे मामले में, सरकार जिन विकल्पों पर विचार कर रही है, उनमें से एक विकल्प यह है कि पीसीबी से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा जाए कि पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी में भाग न ले।

बिरादरी की बात

चूहा-सुनती हो-संभल मस्जिद के सर्वेक्षण का मामला भी सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया।
चुहिया- हां प्रिये- अदालतों का बहुत सारा समय तो ऐसे ही झगड़ों में चला जाता है और जरूरी मामलों में लोग न्याय की राह देखते रह जाते हैं।

अनुमान से नीचे लुढ़की भारतीय अर्थव्यवस्था

विकास दर मात्र 5.4 प्रतिशत

18 महीनों में सबसे धीमी रफ्तार

नई दिल्ली, देशबन्धु। भारत की अर्थव्यवस्था को एक बड़ा झटका लगा है, दूसरी तिमाही के आंकड़े जारी कर दिए गए हैं। आंकड़ों के मुताबिक दूसरी तिमाही में भारत की विकास दर मात्र 5.4 फीसदी दर्ज की गई है, बड़ी बात यह है कि अनुमान तो 6.5 फीसदी का लगाया जा रहा था, लेकिन यहां तक आंकड़ा उम्मीद से भी काफी नीचे चला गया है। ऐसे में सरकार के लिए आने वाले दिनों में कई चुनौतियां खड़ी होने वाली हैं।

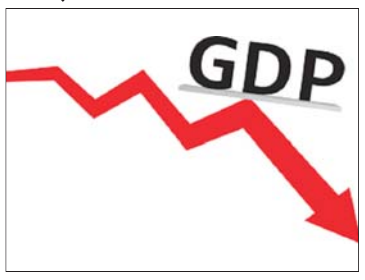

क्यों धीमी हुई भारत की विकास दर–असल में दूसरी तिमाही को लेकर कहा जा रहा था कि जीडीपी ग्रोथ 6.5 फीसदी रह सकती है जो पिछले 18 महीनों में सबसे कम मानी जाती। लेकिन यहां तो आंकड़ा उससे भी ज्यादा नीचे गया है। जानकारों का कहना है कि खाद्य वस्तुओं की कीमतों में जो लगातार उछाल आ रहा है, उस वजह से शहरी इलाकों में खपत घटती जा रही है। उसका सीधा असर विकास दर पर देखने को मिल रहा है। अगर पहली तिमाही के आंकड़े की बात करें तो वो 6.7 फीसदी दर्ज किया गया था।

खाद्य पदार्थों में महंगाई का जीडीपी पर गहरा असर

आरबीआई के मुताबिक भारत की विकास दर 7 फीसदी से कम रह सकती थी। लेकिन असल आंकड़े बता रहे हैं कि हालत और ज्यादा खराब हैं। वैसे अगर वित्त वर्ष के आंकड़ों की बात करें तो भारत की विकास दर 7.2 फीसदी से आगे बढ़ सकती है। 2023–24 में यह अनुमान 8.2 फीसदी था।

शेयर मार्केट पर पड़ सकता है बड़ा असर– जानकारों का कहना है कि 5.4 से भी कम विकास दर 2022–23 के अक्टूबर–दिसंबर में दर्ज किया गया था, तब आंकड़ा 4.3 फीसदी रह गया था। वैसे इस धीमी रफ्तार के बाद भी दुनिया के लिहाज से भारत विकास दर के मामले में सबसे तेज देश है। इस साल चीन की तो जुलाई–सितंबर तिमाही में जीपीडी ग्रोथ 4.6 फीसदी दर्ज की गई है। इस लिहाज से जरूर भारत अभी मजबूत स्थिति में है, लेकिन कम होती विकास दर स्टॉक मार्केट पर भी असर डालने वाली है। माना जा रहा है कि इस विकास दर की वजह से निवेशकों को नुकसान हो सकता है।

अडानी, संभल व मणिपुर पर संसद में हंगामा

लोकसभा-राज्यसभा की कार्यवाही सोमवार तक स्थगित

नई दिल्ली,(एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र के चौथे दिन लोकसभा और राज्यसभा में विपक्षी दलों का जोरदार हंगामा देखने को मिला। विपक्षी सदस्यों ने अडानी रिश्वतखोरी मामला और संभल हिंसा समेत अन्य मुद्दों पर अपना विरोध जारी रखा। हंगामा बढ़ते देख लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई।

विपक्ष इन मुद्दों पर चर्चा की मांग पर अड़ा रहा। सुबह के सत्र में सूचीबद्ध पत्रों को रखे जाने के तुरंत बाद, राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि उन्हें सदन के नियम 267 के तहत कार्यसूची को स्थगित करने के लिए 17 नोटिस मिले हैं। विपक्षी सांसदों ने अडानी समूह के खिलाफ भ्रष्टाचार और गड़बड़ी के आरोपों, उत्तर प्रदेश के संभल में सांप्रदायिक हिंसा और मणिपुर में जातीय संघर्ष पर चर्चा के लिए नोटिस दिए थे। सभापति ने कहा कि वह सभी नोटिसों को अस्वीकार कर रहे हैं। इससे कई विपक्षी सांसदों ने विरोध किया और

नियम 267 का इस्तेमाल व्यवधान के हथियार के रूप में किया जा रहा : धनखड़

नारेबाजी शुरू कर दी। धनखड़ ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा, मैं आपसे (सांसदों से) गहन चिंतन का आह्वान करता हूं। नियम 267 का इस्तेमाल व्यवधान के हथियार के रूप में किया जा रहा है। कांग्रेस सहित विपक्षी सांसदों ने इस टिप्पणी का विरोध किया।

इस बीच, लोकसभा की कार्यवाही शुरू में दोपहर तक और बाद में पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्षी सदस्यों ने अडानी विवाद और उत्तर प्रदेश के संभल में हाल की हिंसा को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। जैसे ही सदन की बैठक शुरू हुई, कांग्रेस सहित विपक्षी दलों के सदस्यों ने कई मुद्दे उठाने की कोशिश की। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के कुछ सदस्य सदन के वेल में भी थे और नारे लगा रहे थे। प्रश्नकाल के दौरान लगभग 10 मिनट तक दो प्रश्न उठाए गए। हंगामा जारी रहने पर कार्यवाही दोपहर तक के लिए स्थगित कर दी गई।

बांग्लादेश को दो टूक

'हिंदुओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी निभानी पड़ेगी'

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे जुल्मो सितम को लेकर भारत ने एक बार से कड़ी नाराजगी जताई है। साथ ही यूनुस सरकार से हिंदुओं की रक्षा के लिए उचित कदम उठाने के लिए कहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को कहा कि इन घटनाक्रमों को केवल मीडिया द्वारा बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए जाने के रूप में खारिज नहीं किया जा सकता। बांग्लादेश की यूनिस सरकार को हिन्दुओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी हलहाल में निभाना पड़ेगी।

मध्यप्रदेश में जर्मन निवेश का नया अध्याय प्रारंभ

कंपनी से बात हुई और मुख्यमंत्री ने तुरंत भोपाल में भूमि आवंटित कर दी

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की जर्मनी यात्रा ने प्रदेश के औद्योगिक विकास को एक नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। गुरूवार को डॉ. यादव ने निवेशकों से मिलने के बाद एसीईडीएस को भोपाल में भूमि आवंटित की। यह निर्णय मध्यप्रदेश को वैश्विक औद्योगिक मानचित्र पर एक नए केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

भोपाल को मिलेगा वैश्विक औद्योगिक केंद्र का दर्जा–भोपाल के अचारपुरा में जर्मन कंपनी एसीईडीएस लिमिटेड को 27,200 वर्गमीटर (6.72 एकड़) जमीन आवंटित की गई है। इस समझौते के तहत कंपनी ने भोपाल में अपनी औद्योगिक इकाई स्थापित करने के लिए 100 करोड़ रूपये से ज्यादा का प्रस्ताव दिया है। इस कम्पनी की स्थापना से सैकड़ों लोगों को रोजगार मिलेगा। इस उद्योग की स्थापना से एक्स–रे मशीन निर्माण एवं अन्य उपकरण, सौर ऊर्जा पॉवर प्लांट सहित नैनो इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में कार्य किया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की इस यात्रा ने प्रमाणित कर दिया है कि मध्यप्रदेश में निवेशकों के लिए अब ऐसा माहौल तैयार हो चुका है, जहां व्यापार को बढ़ावा देने के साथ–साथ उन्हें हरसंभव सहयोग दिया जा रहा है। उनकी दूरदर्शी सोच और निवेशकों के प्रति सकारात्मक रवैया ने ही जर्मन कंपनी को प्रदेश में अपने विस्तार की प्रेरणा दी है।

मोदी की पत्नी जशोदाबेन ने उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में किए दर्शन

उज्जैन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की धर्मपत्नी जशोदाबेन इन दिनों धार्मिक यात्रा पर उज्जैन में हैं। आज उन्होंने श्री महाकालेश्वर मंदिर में बाबा महाकाल के दर्शन किए और भोग आरती में शामिल हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की धर्मपत्नी जशोदाबेन इन दिनों धार्मिक यात्रा पर उज्जैन में हैं। शुक्रवार को उन्होंने श्री महाकालेश्वर मंदिर में बाबा महाकाल के दर्शन किए और भोग आरती में शामिल हुईं। महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित अर्पित गुरु ने बताया कि जशोदाबेन ने पहले बाबा महाकाल के चांदी द्वार पर माथा टेका और पूजन–अर्चन के बाद जलाभिषेक किया।

महाराष्ट्र में तेज हुई सियासी हलचल

महायुति की बैठक रद्द, शिंदे अपने गांव निकले

मुंबई. महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री पद का रहस्य बना हुआ है। उपर से तो कहा जा रहा है कि- महायुति में सब ठीक–ठाक है और फडणवीस के चेहरे पर सहमति बन गई है लेकिन घोषणा में अभी हिचक है। जिसके चलते विपक्ष भी सवाल उठा रहा है। खबरों के मुताबिक मुख्यमंत्री पद का शुक्रवार 29 नवम्बर को ऐलान होने वाला था. मगर इसी बीच महायुति खेमें से एक बड़ी खबर सामने आ रही है. सीएम पद की घोषणा से पहले होने वाली महायुति की बैठक रद्द हो गई है. इस बैठक को अचानक रद्द कर दिया गया. वहीं खबर है कि एकनाथ शिंदे अपने मूलगांव सतारा रवाना हो गए हैं।

महायुति की मुंबई में होने वाली बैठक आज रद्द कर दी हुई है. वहीं अगले 2 दिनों तक यह बैठक नहीं होगी. बैठक रद्द करने की वजह अभी तक सामने नहीं आई है. सूत्रों के अनुसार महाराष्ट्र में भाजपा के ग्रुप लीडर का चुनाव होगा, जिसके बाद महायुति की बैठक का आगाज हो सकता है.

बीते दिन महायुति के तीनों बड़े चेहरे देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने दिल्ली में बैठक की. यह बैठक गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर हुई. खबरें सामने आ रही थीं कि इस बैठक में महायुति ने मुख्यमंत्री का चुनाव कर लिया है. वहीं मुंबई में महायुति की बैठक के बाद सीएम के चेहरे का ऐलान किया जाएगा. हालांकि अब इस बैठक को ही रद्द कर दिया गया है. जाहिर है महाराष्ट्र को मुख्यमंत्री के लिए थोड़ा और इंतजार करना पड़ सकता है.

महाराष्ट्र : गोंदिया में भीषण सड़क हादसा, 10 की मौत

गोंदिया। महाराष्ट्र के गोंदिया में भीषण बस दुर्घटना हुई है। इस हादसे में 10 लोगों की मौत हो चुकी है। घायलों में कुछ की हालत बेहद गंभीर है। मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावना है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की तरफ से हादसे के पीड़ितों को 10 लाख रुपये की तत्काल सहायता देने का ऐलान किया गया है।

घटना के पीछे की वजह बाइक को बचाने के चक्कर में बस का अनियंत्रित होना बताया गया है। दरअसल, गोंदिया–कोहमारा स्टेट हाई–वे पर खजरी गांव के करीब बाइक को बचाने के चक्कर में शिवशाही बस अनियंत्रित हो गई और पलट गई। बस के पलटने से कुछ लोग उसके नीचे दब गए, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। शुक्रवार की दोपहर 12 बजे से 12.30 बजे के बीच हुए इस हादसे के बाद मौके पर चीख–पुकार मच गई। हादसे में पलटने वाली बस महाराष्ट्र सड़क परिवहन निगम की थी। ये बस भंडारा से साकोली लखानी होते हुए गोंदिया की ओर जा रही थी। इस बस का नंबर एमएच– 09 ईएम–1273 बताया गया है। हादसे के वक्त बस में 35 से अधिक यात्री सवार थे, जिनमें से 10 की मौत हो गई है। मौत का आंकड़ा बढ़ भी सकता है। चश्मदीदों के मुताबिक, बस ड्राइवर हादसे के बाद घटनास्थल से फरार हो गया। राहगीरों के सूचना पर एंबुलेंस और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने घायलों को इलाज के लिए गोंदिया के जिला शासकीय अस्पताल (केटीएस) में भर्ती कराया। हादसे का शिकार हो चुकी बस को उठाने के लिए क्रेन की मदद ली गई और उसे वहां से हटाया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने संभल मस्जिद सर्वेक्षण पर रोक लगाई

राज्य सरकार को हिंसा-प्रभावित क्षेत्र में शांति बनाने का दिया निर्देश

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने. यूपी के संभल की ट्रायल कोर्ट को कहा है कि वह मुगलकालीन मस्जिद के सर्वेक्षण से संबंधित मामले में कोई आदेश पारित न करें और उत्तर प्रदेश सरकार को हिंसा–प्रभावित क्षेत्र में शांति और सौहार्द बनाए रखने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अगुवाई वाली बेंच ने कहा है कि इलाहाबाद हाई कोर्ट मुस्लिम पक्ष की याचिका दायर होने के तीन दिनों के भीतर सुनवाई करें। हमें उम्मीद और भरोसा है कि निचली अदालत इस मामले में तब तक आगे की कार्रवाई के लिए न बढ़ें जब तक कि हाई कोर्ट मामले में सुनवाई कर आदेश पारित नहीं लेता। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को संभल में शांति और सद्भाव बनाए रखने तथा दोनों समुदायों के सदस्यों को शामिल कर एक शांति समिति गठित करने का >>शेष पृष्ठ 2 पर

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी की गिरफ्तारियों पर सवाल उठाया

सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को एक बार फिर जमकर खरी-खरी सुनाई है। सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने ईडी की दोषसिद्धि दर कम होने पर चिंता जताते हुए कहा कि अगर आरोपी को दोषी नहीं ठहराया जाता है तो क्या होगा? मुकदमे के लिए किसी को कब तक इंतजार करना पड़ सकता है पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी की जमानत अर्जी पर यह सुनवाई करते हुए जस्टिस उज्ज्वल भुइयां और जस्टिस सूर्यकांत की पीठ ने ईडी की गिरफ्तारियों पर सवाल उठाया। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 2 साल से जेल में बंद चटर्जी की अर्जी पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने अरसे तक बिना मुकदमा चलाए हिरासत में रखने पर यह अहम टिप्पणियां कीं।

अब फेमटो सेकेण्ड लेजर - विक्टस से
मोतियाबिंद ऑपरेशन
मध्य भारत का सबसे आधुनिक
नया युग
आधुनिक नेत्र चिकित्सा ब्लेड फ्री, दर्द रहित, बिना इंजेक्शन, बिना पट्टी, बिना भर्ती, कुछ ही मिनटों में उपचार वापस अपने काम पर
डॉ। पवन स्थापक-सीधा संपर्क/ जांच एवं ऑपरेशन मोबाईल-9754601010, 9516244894
जनज्योति सुपर स्पेशिलिटी आई हॉस्पिटल, गोलबाजार, जबलपुर

Excellence in Education, Excellence in Life
A.P.N. C.B.S.E.
SENIOR SECONDARY SCHOOL
(C.B.S.E. Affiliated Reg. No. 1031302)
ADMISSION OPEN FOR SESSION 2024-25
Class Nursery to XII Science I Commerce I Humanities
Special Discount in Admission fee & School fee for the State and National Players for all the Games
राष्ट्र स्तरीय एवं प्रदेश स्तरीय सभी खेलों के खिलाड़ियों के लिये प्रवेश शुल्क एवं मासिक शुल्क में विशेष छूट
Ph.: 0761-2676360, 8349593500, 9826587200

शोध ... तो अदृश्य हो जाएंगे सैनिक और फाइटर जेट

आईआईटी कानपुर ने बनाया गायब होने वाला कपड़ा

कानपुर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर ने ऐसा कपड़ा बनाया है, जिसके पीछे जाते ही न तो सैनिक दिखता है। न ही कोई अन्य मटेरियल। यानी इस महा–मैटेरियल के इस्तेमाल से भारतीय सेना में अदृश्य होने की शक्ति भी आ जायेगी। साथ ही जरूरी हथियार भी छिपे रहेंगे।

ये एक मेटामैटेरियल सरफेस क्लोकिंग सिस्टम है। जो हमारे सैनिकों, विमानों और ड्रोन्स को दुश्मनों से बचा सकता है। इस कपड़े का फायदा ये है कि ये न तो दुश्मन की राडार की पकड़ में आता है,न सैटेलाइट की। इसे इंफ्रारेड कैमरा, वूंड सेंसर्स और थर्मल इमेजर से भी नहीं देख सकते। यानी इस मैटेरियल से के पीछे क्या है किसी को पता ही नहीं चलेगा। अगर आप इस तस्वीर में दाहिनी ओर लगे थर्मल इमेजर में देखें तो कपड़े के पीछे इंसान नहीं दिख रहा है। सिर्फ उसका सिर और हाथ दिख रहा है। यानी कपड़े के पीछे जो हिस्सा है वो एकदम नहीं दिखेगा। इस कपड़े से सैन्य गाड़ियों के कवर, सैनिकों के यूनिफॉर्म, या एयरक्राफ्ट कवर बनाया जा सकता है। यह कपड़ा पूरी तरह से स्वदेशी है। साथ ही विदेशों से मंगाए जाने वाले सरफेस क्लोकिंग सिस्टम से 6-7 गुना ज्यादा सस्ता भी है। आईआईटी कानपुर के डायरेक्टर प्रो. मनिंद्र अग्रवाल ने इस मेटामैटेरियल का उद्घाटन किया।

दुश्मन किसी भी तकनीक से देख ही नहीं पाएगा हमारे सैनिकों को–इस कपड़े का प्रदर्शन आईआईटी कानपुर में हुए डिफेंस स्टार्टअप एग्जीबिशन में भी किया गया था। जहां पर इसकी काफी प्रशंसा हुई। अगर इस कपड़े को आर्मी की गाड़ियों के चारों तरफ लगा दिया जाए। सैनिकों को इसका यूनिफॉर्म दिया जाए तो वो दुश्मन के किसी भी प्रकार के कैमरे में ट्रैक नहीं होंगे। न ही किसी इमेजिंग सिस्टम में, न ही सेंसर में। इससे दुश्मन >>शेष पृष्ठ 2 पर

देश-विदेश

शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा के घर पर ईडी का छापा

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी के पति प्रोड्यूसर राज कुंद्रा के घर प्रवर्तन निदेशालय ने छापा मारा है। ये छापा एक्ट्रेस के सांताक्रूज में स्थित घर पर मारा गया है। ईडी के ऑफिसर 29 नवंबर की सुबह 6 बजे ही शिल्पा शेट्टी के घर पहुंच गए। ये छापेमारी पोर्नोग्राफी मामले से जुड़े मामले में की गई है। हालांकि, केवल राज कुंद्रा ही नहीं बल्कि पोर्नोग्राफी मामले से जुड़े लोगों पर ईडी की छापेमारी हुई है। इससे पहले भी शिल्पा शेट्टी के पति की पोर्नोग्राफी मामले में गिरफ्तारी हो चुकी है। साल 2021 में राज कुंद्रा पर कथित तौर पर पोर्नोग्राफी मामले से जुड़े होने का आरोप लगाया गया था, जिसके चलते उन्हें गिरफ्तार किया गया था। राज कुंद्रा 2 महीने तक जेल के सलाखों के पीछे रहे और आखिर में सितंबर साल 2021 से बेल पर बाहर हैं। श्रष्ठ के ऑफिसर ने बताया कि राज कुंद्रा के घर के साथ ही साथ उनके ऑफिस और उनके सहयोगियों के यहां भी तलाशी ली जा रही है।

कनाडा के टोरंटो कोर्ट ने दिया सख्त आदेश, मंदिर के 100 मीटर दायरे में ना घुसे खालिस्तानी

नई दिल्ली. कनाडा में टोरंटो के स्कारब्रों में स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर की याचिका पर ओंटारियो के कोर्ट ने सुनवाई की है. कोर्ट ने सख्त शब्दों में कहा है कि मंदिर में कॉन्सुलर कैंप के दौरान 100 मीटर के दायरे में निषेधाज्ञा लागू रहेगी. बिना इजाजत कोई भी मंदिर में प्रवेश नहीं कर पाएगा.सुपीरियर कोर्ट ऑफ जस्टिस के जज ने कहा कि मंदिर मांग कर रहा है कि परिसर के 100 मीटर के दायरे में उपद्रवी पहुंच ना पाएं और इसके लिए निषेधाज्ञा की जरूरत है. पिछले मामलों को देखते हुए मंदिर को इजाजत दी जाती है. कोर्ट ने कहा कि इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि मंदिर पर हमला हो सकता है. वहीं कॉन्सुलर कैंप में बुजुर्ग लोग पहुंचते हैं. ऐसे में अगर हमला होता है तो जान को भी नुकसान हो सकता है.

लखनऊ में किसान पाठशाला का आयोजन

लखनऊ। कृषि विभाग जनपद लखनऊ द्वारा 'द मिलियन फार्मर्स' किसान पाठशाला संस्करण 8.0 का आज दो दिवसीय प्रशिक्षण प्रथम तल सभागार में अपर कृषि निदेशक प्रसार आरके सिंह की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम में जनपद लखनऊ के कृषि विभाग के समस्त प्राविधिक सहायक, बीटीएम, एटीएम द्वारा प्रतिभाग किया गया। जिनके द्वारा अपनी-अपनी न्याय पंचायत में 04 दिसंबर से 20 दिसंबर 2024 के मध्य किसान पाठशाला का आयोजन किया जाना है। किसान पाठशाला के अंतर्गत जिन विषयों पर चर्चा की जानी है उसके बारे में आर के सिंह अपर कृषि निदेशक प्रसार द्वारा बताया गया कि कृषकों को अच्छे उन्नतशील नवीन प्रजाति के बीजों को सही समय पर बुवाई हेतु प्रेरित करेंगे रासायनिक उर्वरकों के विकल्प के रूप में जैविक खाद एवं कृषि रक्षा आदि पर चर्चा कर कृषकों को जागरूक करेंगे। जनपद में कराए जाने वाले सभी प्रदर्शनों को लाइन से बुवाई करने हेतु प्रेरित करेंगे।

सहायक निदेशक प्रसार संजेश श्रीवास्तव द्वारा बताया गया कि आपके द्वारा प्रशिक्षण देने का एक अच्छी गुणवत्ता का वीडियो क्लिप तैयार कर विभागीय वेबसाइट पर कैसे अपलोड किया जाएगा जिसमें आपके द्वारा कृषकों को दी जाने वाली जानकारी एवं कृषकों की संख्या का सही आंकलन होगा एवं आपके द्वारा दी गई जानकारी का लाभ अन्य सोशल मीडिया के माध्यम से अधिक से अधिक कृषकों तक पहुंचेगा। दूसरे दिन वीडियो क्लिप एवं फोटोग्राफ कार्यक्रम के समापन के उपरांत अपलोड किए जाएंगे। बलराम वर्मा विषय वस्तु विशेषज्ञ प्रसार के द्वारा बताया गया कि किसान मुख्य निम्न बिंदुओं को ध्यान में रखकर खेती करें। जिसमें नवीन प्रजाति के बीज रिप्लेसमेंट रेट अधिक हो. समय से बुवाई करें, सदैव पंक्ति में बुवाई करें, खेतों में ऑर्गेनिक मैटर को बढ़ाने हेतु काम करें तथा बुवाई के तुरंत बाद हरबीसाइड का इस्तेमाल करने से फसल की उत्पादन एवं उत्पादकता को बढ़ाया जा सकता है। उप कृषि निदेशक अनिल कुमार यादव द्वारा बताया गया कि समस्त प्राविधिक सहायकए बी टी एम/एटीएम जो किसान पाठशाला चलाएंगे वह वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए निर्देशों एवं प्रशिक्षण के दौरान जिन बिंदुओं पर चर्चा की गई है यथा बीज, उर्वरक, जैविक खेत.

कृषि सुरक्षा, रबी मक्का की खेती, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनाएं किसान क्रेडिट कार्ड फार्म रजिस्ट्री. पशुपालन, बागवानी, मत्स्य पालन, मशरूम की खेती, रेशम कीट पालन आदि बिंदुओं पर चर्चा हुई है उससे कृषकों को लाभान्वित करेंगे एवं प्रदर्शनों का कृषकों को भ्रमण कराया जाए। दूसरे दिन समापन के उपरांत फोटोग्राफी एवं वीडियो क्लब अपलोड किया जाएगा। लखनऊ के लीड बैंक प्रबंधक मनीष पाठक द्वारा ए0आई0एफ0 लोन के बारे में जानाकारी देते हुए बताया गया कि इसके अंतर्गत लिये यगे ऋण के ब्याज पर 3 प्रतिशत छूट केन्द्र सरकार द्वारा तथा 3 प्रतिशत राज्य सरकार द्वारा दी जाती है तथा किसान पाठशालाओं में नजदीकी बैंक शाखा के प्रबंधक को भी ले जाएं ताकि किसानों को बैंक संबंधी योजनाओं की जानकारी मिल सके। कृषि सलाहकार सुरेश कुमार राजपूत द्वारा गेहूं, सरसों की वैज्ञानिक खेती एवं दलहन की उन्नत तरीके से खेती करने हेतु प्रभावी बिंदुओं पर जानकारी दी गई। कार्यक्रम में भूमि संरक्षण अधिकारी संगीता कटियार, अरुण कुमार सचान वरिष्ठ प्राविधिक सहायक प्रथम, शेष प्रताप सिंह, प्रतिभा वर्मा, सिल्की खरे सहित कुल 70 अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

निविदा / नियुक्ति / जाहिरात

न्यायालय तहसीलदार तहसील अधारताल, जबलपुर

रा.प्र.क्र./1155/अ-6/2024-2025

जबलपुर, दिनांक 18/11/2024

आम इश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री अनिल राजभाऊ गनोरकर पिता श्री आर.एन. गनोरकर, श्रीमती अर्चना गनोरकर संजीवनी नगर गढ़ा जबलपुर के द्वारा मौजा कछपुरा ब्लॉक नं. .... प्लॉट नंबर .... स्थित भूमि खसरा नं. 460 नया 460/1, 457/1, 459/1, 460/2 में से रकवा 1200 व.फु. भूमि पर जो राजस्व रिकार्ड में सीओडी कर्मचारी गृह निर्माण सहकारी समिति के नाम से दर्ज है। आवेदक के द्वारा अपना नाम राजस्व अभिलेख में नाम दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त सम्पत्ति की आवेदक द्वारा संजय राजभाऊ गनोरकर पिता आर.एन. गनोरकर से 5/12/2005 को क्रय किया था संजय राजभाऊ गनोरकर ने उक्त सम्पत्ति को दिनांक 20/8/1982 को सीओडी एम्पलाईज से क्रय किया था। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक 6/12/24 तक इस न्यायालय में स्वंय या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात प्रस्तुत दावा / आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक-18/11/2024

पेशी दिनांक-06/12/2024

र.नं. 2197

तहसीलदार
अधारताल जबलपुर

न्यायालय तहसीलदार तहसील अधारताल, जबलपुर

रा.प्र.क्र./1153/अ-6/2024-2025

जबलपुर, दिनांक 18/11/2024

आम इश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री सुनील राजभाऊ गनोरकर पिता स्व. श्री आर.एन. गनोरकर, श्रीमती संजना गनोरकर पति सुनील राजभाऊ गनोरकर निवासी 2182 वीर सावरकर वार्ड जबलपुर हाल मुकाम 64 रानी दुर्गावती वार्ड संजीवनी नगर जबलपुर के द्वारा मौजा कछपुरा ब्लॉक नं. 501 प्लॉट नंबर 30 भाग स्थित भूमि खसरा नं. पु. 460 नया 460/1, 457/1, 459/1, 460/1 में से रकवा 1200 व.फु. भूमि पर जो राजस्व रिकार्ड में सीओडी कर्मचारी गृह निर्माण सहकारी समिति के नाम से दर्ज है। आवेदक के द्वारा अपना नाम राजस्व अभिलेख में नाम दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त सम्पत्ति की आवेदक द्वारा संजय राजभाऊ गनोरकर पिता आर.एन. गनोरकर से 5/12/2005 को क्रय किया था संजय राजभाऊ गनोरकर ने उक्त सम्पत्ति को दिनांक 20/8/1982 को सीओडी एम्पलाईज से क्रय किया था। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक 6/12/24 तक इस न्यायालय में स्वंय या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात प्रस्तुत दावा / आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक-18/11/2024

पेशी दिनांक-06/12/2024

र.नं. 2197

तहसीलदार
अधारताल जबलपुर

फौती न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर

रा.प्र.क्रं/1351/अ-6/2023-2024

आम इश्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक संतोष कुमार मुखर्जी/स्व. बिरेश्वर मुखर्जी नि. 2302 नरसिंहनगर राधा कृष्ण मंदिर के पास ने नजूल ब्लाक नं. ... प्लाट नं. ... निर्मित रकवा/रकवा 900 व.फु./अवि. हिस्सा ..... ग्राम रांझी प.ह.नं. .... खसरा नं. 94/21/1/46/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1 रकवा 900 वर्गफुट/हे. विक्रय पत्र / हकत्याग/ वसीयतनामा/ दानपत्र/ वारसान हक/ दिनांक 25/6/1960 मृत्यु दिनांक 18/05/1986, 19/09/1966 को हो जाने के कारण वारसान हक/ क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र, ... खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है। प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/पटवारी/डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल ब्लाक नं. ... प्लाट नं. ... निर्मित रकवा/रकवा 900 व.फु./अवि. हिस्सा ..... ग्राम रांझी प.ह.नं. .... खसरा नं. 94/21/1/46/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/ 1/1/1/1 रकवा 900 व.फु./हे. सेठ नरसिंगदास पिता कन्हैया लाल के नाम दर्ज है। अत: किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 16/12/2024 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी। इश्तहार आज दिनांक 27/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक 27/11/2024

पेशी दिनांक 16/12/2024

र.नं. 2195

तहसीलदार,
रांझी, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक -1, गढ़ा नगर निगम, जबलपुर

पत्रांक/स.अधि./01/गढ़ा 2024/एम/327 (2024-25), दिनांक 20/11/2024

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि 1. श्री संजय कुमार लोधी पिता श्री सुकरत सिंह लोधी 2. श्रीमती विनीता लोधी पति श्री संजय कुमार लोधी ने भवन क्र. 991/80-ए पिन क्र. 1000557552 वार्ड क्र. 03 वार्ड त्रिपुरी के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री सुभाष गोडबोले पिता श्री पी.वी. गोडबोले के स्थान पर क्षेत्रफल 2400 व.फु. भूतल 830 व.फु. आरसीसी विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-01 गढ़ा में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जावेगा। नामांतरण के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

र.नं.-2189

संभागीय अधिकारी
संभाग क्र. -01 गढ़ा नगर निगम, जबलपुर

न्यायालय तहसीलदार गोरखपुर जिला-जबलपुर

रा.प्र.क्र./935/अ-6/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता ग्राम गढा प.ह.नं. 33 तहसील गोरखपुर-1 जिला जबलपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक/श्रीकांत मोदी पिता स्व. कन्हैयालाल निवासी मण्डला के द्वारा ग्राम गढा बंदोबस्त नंबर प. ह. नं. 33 में स्थित भूमि खसरा नंबर 541/20/3, 543/75 में से रकवा 437-6 वर्गफुट/ पर राजस्व अभिलेख में नामांतरण हेतु इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किये जाने से प्रकरण विचारधीन है। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति लिखित में आपत्ति मय दस्तावेज सहित स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेष कर सकता है। पेशी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। यह इश्तहार न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक 28/11/2024

पेशी दिनांक 16/12/2024

तहसील गोरखपुर
कार्यपालिका अधिकारी जबलपुर

पश्चिम मध्य रेल

निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष में वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (फ्रंट), मंडल रेल प्रबंधक यांत्रिक कार्यालय, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर के द्वारा आमंत्रित की जाती है। **निविदा सूचना क्रमांक दिनांक:** JBP-M-Tender-15-2024, Dated: 25.11.2024, **कार्य का नाम लोकेशन सहित:** सतना डिपो में वैगनों का आरओएच, **कार्य का विज्ञापित मूल्य ₹:** ₹ 10,22,06,736.50, **बयाना राशि ₹:** ₹ 6,61,000.00, **समापन की अवधि:** 13 माह, **निविदा क्लोजिंग तिथि एवं समय:** 18.12.2024, 15.00 hrs., **नोट:** उपरोक्त ई-निविदा की संपूर्ण जानकारी वेबसाइट https://ireps.gov.in. उपलब्ध है एवं इसकी पूरी जानकारी मंडल रेल प्रबन्धक (यांत्रिक) कार्यालय, पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गई है। ई-निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिए कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।

मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक)
पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

प्रथम पृष्ठ का शेष

सुप्रीम कोर्ट ने....

निर्देश दिया है। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अगुवाई वाली बेंच ने संभल की निचली अदालत से कहा कि वह उसके सामने पेश जाने वाली किसी भी सीलबंद रिपोर्ट को तब तक न खोले जब तक कि हाई कोर्ट मामले की सुनवाई न कर ले और याचिका पर आदेश पारित न कर दे। सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को चुनौती देने के लिए मुस्लिम पक्ष से कहा है कि वह इलाहाबाद हाई कोर्ट जा सकते हैं और मामले को पेंडिंग रखा है और कहा है कि अब मामले की सुनवाई के लिए इसे छह जननरी से शुरू होने वाले सप्ताह में लिस्ट किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को संभल में शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए शांति समिति गठित करने को कहा गया, जिसमें दोनों समुदायों के सदस्य शामिल होंगे।

ट्रायल कोर्ट को निर्देश दिया गया कि कोई भी रिपोर्ट, जो उसके सामने दायर की जा सकती है, उसे तब तक न खोला जाए जब तक हाई कोर्ट इस मामले में कोई आदेश न पारित करे। सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष को जिला अदालत के आदेश के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील की सलाह दी है।

आईआईटी कानपुर ने बनाया....

की कई तकनीक को विफल किया जा सकता है। **आईआईटी के तीन वैज्ञानिकों ने मिलकर बनाया कमाल का कपड़ा-** आईआईटी के तीन साइंटिस्ट प्रो. कुमार वैभव श्रीवास्तव, प्रो. एस अनंत रामकृष्णन और प्रो. जे. रामकुमार ने मिलकर इस मेटामैटेरियल को तैयार किया है। इसके पेटेंट के लिए 2018 में एप्लीकेशन दिया गया था। जो अब इन्हें मिल चुका है। इस तकनीक का ट्रायल भारतीय सेना के साथ छह साल से हो रहा है। प्रो. कुमार वैभव ने 2010 से इस पर काम करना शुरू किया था। इसके बाद दोनों प्रोफेसर इनके साथ जुड़ गए। फिर यह प्रोडक्ट तैयार हुआ। 2019 में भारतीय सेना ऐसी तकनीक खोज रही थी, जिससे दुश्मन के राडार को चकमा दिया जा सके। फिर इसे तैयार किया गया। यह मैटेरियल दुश्मन के राडार, सैटेलाइट, इंफ्रारेड कैमरा, ग्राउंड सेंसर और थर्मल इमेजर को धोखा दे सकता है। अप्रूवल मिले तो एक साल में सेना को मिल जाएगा यह मैटेरियल- मेटातत्व कंपनी के एमडी और पूर्व एयर वाइस मार्शल प्रवीण भट्ट ने कहा कि अगर अप्रूवल मिले तो यह मैटेरियल हम भारतीय सेना को एक साल में दे सकते हैं। यह किसी भी तरह के इमेजिंग प्रोसेस को रोकने में सक्षम है।

कार्यालय संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

भूखण्ड लीज नामांतरण/ हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सुभाष नगर नगर महाराजपुर कालोनी जबलपुर में स्थित भवन क्रमांक सीनियर एम.आई.जी. -28 श्री राम रंजन सिंह पिता श्री आनंदी प्रसाद सिंह के नाम आवंटित है जिसका विक्रय विलेख दिनांक 11.03.2017 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। भवन क्रमांक सीनियर एम.आई.जी. -28 श्री राम रंजन सिंह पिता श्री आनंदी प्रसाद सिंह ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 10.10.2024 के माध्यम से श्री दिनेश चंद सेन पिता श्री लालजी सेन को विक्रय किया है। श्री दिनेश चंद सेन पिता श्री लालजी सेन द्वारा उक्त भवन क्रमांक सीनियर एम.आई.जी. -28 उनके नाम लीज हस्तांतरण / नामांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं। यदि किसी व्यक्ति / संस्था को उपरोक्त लीज हस्तांतरण / नामांतरण बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि उपरांत हस्तांतरण / नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी एवं भविष्य में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति/दावा मान्य नहीं होगा।

र.नं. 2198

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

कार्यालय संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

भवन लीज हस्तांतरण / नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि गोविन्द भवन, जबलपुर स्थित भवन क्रमांक सीनियर एम.आई.जी.-65 श्रीमती नीलम जायसवाल पति स्व. श्री हरीनारायण जायसवाल के नाम आवंटित है जिसका विक्रय विलेख दिनांक 01.09.2014 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त स्थित भवन क्रमांक सीनियर एम.आई.जी.-65 श्रीमती नीलम जायसवाल पति स्व. श्री हरीनारायण जायसवाल ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 13.06.2022 के माध्यम से श्री श्याम सुंदर आहूजा पिता स्व. श्री साजन दास आहूजा एवं श्री रामचन्द्र आहूजा पिता श्री श्याम सुंदर आहूजा को विक्रय किया है। श्री श्याम सुंदर आहूजा पिता स्व. श्री साजन दास आहूजा एवं श्री रामचन्द्र आहूजा पिता श्री श्याम सुंदर आहूजा द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

र.नं. 2198

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

कार्यालय संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

भवन लीज हस्तांतरण / नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि गोविन्द भवन, जबलपुर स्थित भवन क्रमांक सीनियर एम.आई.जी.-10 श्रीमती संगीता गुप्ता पति श्री आर के गुप्ता के नाम आवंटित है जिसका विक्रय विलेख दिनांक 16.09.2003 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त स्थित भवन क्रमांक सीनियर एम. आई.जी.-10 श्रीमती संगीता गुप्ता पति श्री आर के गुप्ता ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 08.03.2022 के माध्यम से श्री श्याम सुंदर आहूजा पिता स्व. श्री साजन दास आहूजा एवं श्रीमती कविता आहूजा पति श्री श्याम सुंदर आहूजा को विक्रय किया है। श्री श्याम सुंदर आहूजा पिता स्व. श्री साजन दास आहूजा एवं श्रीमती कविता आहूजा पति श्री श्याम सुंदर आहूजा द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

र.नं. 2198

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

न्यायालय तहसीलदार (ग्रामीण) जबलपुर जिला जबलपुर

राजस्व प्रकरण क्रमांक- /1596/अ-6 /2024-25

आम इश्तहार

ग्राम खम्हरिया तहसील व जिला जबलपुर की आम जनता को सूचित किया जाता है कि, आवेदक अजय कुमार पिता श्री बिन्देश्वरी यादव निवासी क्वा.नं. 210/1 विद्या नगर जी.सी.एफ इस्टेट जबलपुर ने ग्राम खम्हरिया प.ह.नं. 74 रा.नि.मं. खम्हरिया स्थित भूमि ख.नं. 33/1 रकवा 4.420 हे. में से रकवा 1200 वर्गफुट भूमि पर विक्रेता श्रीमती शशि प्रभा पाठक पति स्व. हरिशंकर पाठक वगैरह से विक्रय पत्र क्रमांक MP182542026A1009745 दिनांक 06/01/2016 के माध्यम से भूमि क्रय किये जाने के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति पेशी दिनांक 29/11/2024 तक इस न्यायालय में स्वंय उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। पेशी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

जारी दिनांक-29/11/2024

पेशी दिनांक-16/12/2024

र.नं.-2184

तहसीलदार
जबलपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर म.प्र.

निविदा सूचना क्रं./उ.वि./2024-25/PRO-343 दिनांक :- 29/11/2024

//प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना //

निम्नलिखित कार्य हेतु केंद्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	2024_UAD _384445_1	संभाग क्रं. 11 अंतर्गत डॉ. जाकिर हुसैन वार्ड स्थित आजाद बाग पार्क एवं महिला उद्यान एवं कुंआ का सौंदर्यीकरण कार्य।	03 माह 15,19,269.00	2,000.00 11,400.00	02/01/2025

नोट-निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

उद्यान अधिकारी, नगर पालिक निगम जबलपुर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड छिन्दवाड़ा

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा जारी करने का दिनांक 28.11.2024

निम्नलिखित कार्य की निविदा प्रक्रिया ई-प्रोक्युरमेंट ई-टेंडरिंग पद्धति से पोर्टल http://www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित है निविदाओं हेतु निविदा प्रपत्र डाउनलोड/क्रय करने की दिनांक 28 नवम्बर 2024 समय 10.30 बजे से प्रारंभ है। निविदा का विवरण निम्नानुसार है:-

कार्य का नाम - विद्यमान (मौजूदा) आई.एस.ओ./आई.ई.सी. (ISO IEC 17025-2017) लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड छिंदवाड़ा जिला छिंदवाड़ा की मान्यता प्राप्त जल परीक्षण प्रयोगशाला के लिए उपकरणों की आपूर्ति और दायरे का आधुनिकीकरण और विस्तार।

ई-टेंडर आई.डी. क्रं.	निविदा क्रमांक दिनांक	अनुमानित लागत (रु. लाख में)	अमानत राशि रुपये	निविदा प्रपत्र का मूल्य रुपये	बिड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि/समय	बिड ओपन करने की तिथि/समय	ठेकेदार की श्रेणी	समय अवधि
2024_ PHED_ 384583_1	09/24-25 dt 28.11.2024	9.86	19720	2000	09.12.2024 5.30 pm	10.12.2024 5.30 pm	लो.नि. वि. में नवीन केन्द्रीयकृत पद्धति पर पंजीकृत	6 माह

निविदा प्रपत्र निर्धारित शुल्क, केश-कार्ड, ए.टी.एम. कम डेबिट कार्ड अथवा इन्टरनेट बैंकिंग एकाउंट के माध्यम से उपरोक्त वेबसाइड पर भुगतान कर केवल ऑनलाईन पर ही क्रय किए जा सकते हैं।

विस्तृत निविदा एवं अन्य जानकारी उपरोक्त उल्लेखित वेबसाईड पर देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, छिंदवाड़ा (म.प्र.)

G-19612/24 दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

कार्यालय नगर परिषद मझौली जिला सीधी (म.प्र.)

क्र./2010/न.प./ स्व.शा./2024 मझौली, दिनांक 29/11/2024

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु पंजीकृत फर्म से आनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण https://www.mptenders.gov.in/ पर देखा जा सकता है।

क्र.	ऑनलाइन निविदा क्र. जारी दिनांक	कार्य का नाम	1. कार्य की समयावधि 2. कार्य की लागत	1. निविदा प्रपत्र का मूल्य 2. अमानत राशि (FDR)	निविदा की अंतिम तिथि
1	2024_UAD _385233_1 Date 29/11/2024	SMALL 4 WHEELAR VEHICLE MAXIMUM POWER 16 HP@3200 RPM, ENGINE-702 CC (Diesel) WATER COOLED, VEHICLE TATA ACE 01 NOS. MINI TIPPER WITH HYDRAULIC GARBAGE CONTAINER OF VOLUME 2.4 CUM, HYDRAULIC PUMP CAPACITY TWO TON, FLOOR SHEET 1.6 MM THICK, SIDE SHEET 1.25 MM, TOP FRONT AND REAR FRAME MADE BY ISMC 100X50WITH 02 NOS WINDOW BOTH SIDE OF BODY AND 01 NOS PARTITION WALL WITH MIC AND LOUD SPEAKER WITH PAINT ETC.WITH INSURANCE. INCLUDING ALL TAXES. (vehicle 3 Unit)	1. 01 माह 2. 18.00 लाख	1. 2000.00 2. 13500.00	30/12/2024

नोट - कार्यालय द्वारा उपरोक्त निविदाओं में किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन केवल बेबसाइट https://www.mptenders.gov.in/ में किया जावेगा इस हेतु पृथक से समाचार पत्रों में विज्ञप्ति जारी नहीं की जावेगी।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी,
नगर परिषद मझौली, जिला-सीधी (म.प्र.)

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

शाखा: आनंद नगर, जबलपुर, 2048 अ/2048 ब, आनंद नगर, आधारताल, जबलपुर (म.प्र.)- 482004

Ph: 0761-2432077, 9109173112, Email: dbajab@bankofbaroda.com

सूचना

(वित्तीय अस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुर्नगठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के अंतर्गत नोटिस (सरफेसी एक्ट)

बैंक ऑफ बड़ौदा, आनंद नगर शाखा, जबलपुर के माध्यम से प्राप्त किये गये ऋण जो कि दिनांक 17/10/2024 को एन.पी.ए. हो चुका है व जिसमें निम्न वर्णित दिनांक को निम्न वर्णित बकाया राशि शेष थी, उसकी विस्तृत मांग सूचना निम्न वर्णित ऋणी को वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुर्नगठन एवं प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के तहत निम्न वर्णित दिनांक 13/11/2024 को पंजीकृत डाक पावती सहित द्वारा आप सभी को भेजी गई थी। जो कि प्राप्तकर्ता उपलब्ध नहीं होने के कारण/अस्वीकृत कर देने के कारण वापस कर दी गई है। निम्न वर्णित मांग सूचना दिनांक में हमने इस आशय को स्पष्ट कर दिया है, कि आपके द्वारा सूचना में दर्शाई राशि 60 दिनों के अंदर जमा नहीं कराई गई तो उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अनुसार बैंक में दृष्टिबंधक प्रतिभूति एवं बंधक संपत्ति जो कि निम्नलिखित ऋणी/जमानतदार के नाम है, उसका आधिपत्य ले लिया जाएगा। बकाया राशि का उल्लेख निम्नानुसार है-

ऋणी/जमानतदार का नाम व पता	(₹) मांग सूचना दिनांक / बकाया राशि	संपत्ति का विवरण
ऋणी- 1. मेसर्स रजा मेटल इंडस्ट्रीज प्रोप. श्री मोहम्मद फहीम खान, पेट्रोल पम्प के पास, 432/ए, रद्दी चौकी, नर्मदा नगर, गोहलपुर, जबलपुर (म.प्र.)- 482004 **2. श्री मोहम्मद फहीम खान (प्रोप. मेसर्स रजा मेटल इंडस्ट्रीज) पिता मो. शमीम खान,** 432/ए, रद्दी चौकी, जबलपुर (म.प्र.)- 482001 **जमानतदार- 1. श्रीमति रजिया बेगम पत्नि मोह. अमीन खान (जमानतदार मेसर्स रजा मेटल इंडस्ट्रीज)** पता- 1995, रद्दी चौकी, जबलपुर (म.प्र.)- 482004 **जमानतदार- 2. श्री मोहम्मद अमीन खान (जमानतदार मेसर्स रजा मेटल इंडस्ट्रीज)** पता- 1995, रद्दी चौकी, जबलपुर (म.प्र.)- 482004 **जमानतदार- 3. मोहम्मद शमीम खान (जमानतदार मेसर्स रजा मेटल इंडस्ट्रीज) पिता मो. बशीर खान,** 432/ए, रद्दी चौकी, जबलपुर (म.प्र.)- 482001	13/11/2024 (₹) 86,98,471.01 + ब्याज + अन्य खर्चे 30/06/2024	बंधक सम्पत्ति आवासीय सम्पत्ति स्थित मौजा बैतला, बंदोबस्त नं. 52, प.ह.नं. 22/01, आर.आई. सर्किल जबलपुर-1, शास्त्री वार्ड, तहसील एवं जिला जबलपुर, भूमि खसरा नं. 106 एवं 107 का भाग एरिया 60 X160= 9600 वर्गफुट । सम्पत्ति स्वामी- श्रीमति रजिया बेगम पत्नि हाजी मोहम्मद अमीन । चतुर्सीमा- उत्तर- एमआईजी- 67 जावेद एवं नसीर का मकान, दक्षिण- साईड रोड, पूर्व- आनंद नगर बस स्टाप से न्यू आनंद नगर साईड रोड, पश्चिम- मोह. जावेद का प्लाट

अतः आप सभी को सुझाव दिया जाता है कि उक्त मांग सूचना पत्र/लिफाफा जो कि आप को डाक द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा बैंक ऑफ बड़ौदा, आनंद नगर शाखा, जिला जबलपुर (म.प्र.) से भेजा गया था। (1) आप नोटिस की कॉपी बैंक से प्राप्त कर लें ताकि आपको सूचना की संपूर्ण जानकारी प्राप्त हो जाये एवं (2) मांग सूचना में दर्शाई गई बकाया राशि ब्याज एवं खर्च आदि सहित मांग सूचना की दिनांक के 60 दिनों के भीतर जमा करें ताकि सरफेसी अधिनियम के तहत कार्यवाही से बच सकें।

स्थान: जबलपुर, दिनांक: 30/11/2024

प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा

कार्यालय नगरपालिक निगम कटनी, मुड़वारा (म.प्र.)

क्रमांक/2614/ /ज.प्र.वि./2024-25 कटनी, दिनांक 20/11/2024

निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पालिक निगम कटनी द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों / निर्माताओं / पंजीकृत मोटर पंप सुधारकों से आइटम रेट पर आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक एवं दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2024_UAD_ 384321_1	सबमर्सिबल मोटर पंप, 4", 6" एवं 8" डाया की रिपेयरिंग कार्य स्पेयर पार्टस सहित- 1. 4" व्यास की 01 से 1.5 एच.पी. के मोटर पंप (सिंगल फेस) 2. 4" व्यास की 03 से 05 एच.पी. के मोटर पंप (थ्री फेस) 3. 6" व्यास की 03 से 20 एच.पी. के मोटर पंप (थ्री फेस) 4. 8" व्यास की 20 से 40 एच.पी. के मोटर पंप (थ्री फेस) 5.8" व्यास की 20 एच. पी.. के ओपन वैल / मोनो ब्लॉक मोटर पंप (थ्री फेस)	1-365 दिवस 1-राशि 25.00 लाख रूपये	1. Rs 18,750 2. Rs 5,000	26/12/2024

नोट - निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://www.mptenders.gov.in की वेबसाईड पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा ।

कार्यपालन यंत्री,
वास्ते- आयुक्त, नगरपालिक निगम, कटनी

देश-प्रदेश

उवाच

मप्र सर्वश्रेष्ठ वित्तीय प्रबंधन में होगा देश का अग्रणी राज्य

भोपाल, देशबन्धु। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने बताया है कि मध्यप्रदेश वित्तीय प्रबंधन के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनने जा रहा है। वित्त विभाग महत्वाकांक्षी एकीकृत वित्तीय प्रबंधन व्यवस्था करने जा रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एवं मशीन लर्निंग आधारित उत्कृष्ट साफ्टवेयर को मध्यप्रदेश अग्रणी राज्य के रूप में क्रियान्वित करेगा। साफ्टवेयर से राज्य के 10.2 लाख कर्मचारी, 5.6 लाख पेंशनभोगी, 5917 संवितरण कार्यालय, सम्पूर्ण प्रदेश का बजट एवं समस्त विभाग लाभान्वित होंगे। इसके माध्यम से प्रदेश के प्रति वर्ष 3.5 करोड़ से अधिक वित्तीय ट्रांजैक्शन किया जावेगा।

मुख्यमंत्री की यूके और जर्मनी यात्रा, म्यूनिख में मीडिया से कहा-

प्रतिभाशाली युवाओं के लिए नए द्वार खुलेंगे

- टेक्नों-फ्रेंड युवाओं को मिलेंगे रोजगार के बेहतर अवसर
- वर्क फोर्स बनकर करेंगे काम

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपनी जर्मनी और यूके यात्रा को लेकर कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य मध्यप्रदेश में राज्य के युवाओं के लिए निवेश के नए अवसरों का निर्माण करना है। उन्होंने कहा यात्रा का उद्देश्य राज्य के युवाओं के रोजगार, औद्योगिकीकरण और मध्यप्रदेश को देश और दुनिया के सामने एक मजबूत आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित करना था। हमने पूरे समय का सदुपयोग किया। जर्मनी और यूके की यात्रा के बाद, मैं कह सकता हूँ कि यह यात्रा हमारे टेक्नों-फ्रेंड ऊर्जावान, प्रतिभाशाली युवाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खोल रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को म्यूनिख में अपनी यात्रा के अंतिम दिन मीडिया से चर्चा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जर्मनी और यूके आर्थिक और तकनीकी रूप से साधन संपन्न देश हैं, उन्हें आवश्यकता है तो मेन पॉवर की। हमारे पास मेन पॉवर उपलब्ध है, तकनीकी रूप से दक्ष युवा है, दोनों को जोड़ने के लिए यदि जरूरत है तो भाषा की। लैंग्वेंज प्रॉब्लम को दूर कर हम एक-दूसरे के पूरक के रूप में वर्क-फोर्स बनकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि जर्मनी से मध्यप्रदेश में निवेश के प्रस्ताव अनेक औद्योगिक सेक्टर्स के लिए प्राप्त हुए हैं। कृषि, एआई, हेल्थ, सेमीकंडक्टर, शिक्षा, नई तकनीक और भारी उद्योग के क्षेत्र में निवेशकों ने निवेश की इच्छा जाहिर की है। साथ ही अनेक क्षेत्रों में निवेश के प्रस्ताव भी प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस यात्रा में किए गए प्रयासों से उन्हें न केवल सफलता मिली बल्कि समझने और सीखने का भी अवसर मिला। उन्होंने यात्रा के दौरान हर पल और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अपनी टीम के सदस्यों और प्रदेशवासियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जब हम एकजुट होकर अच्छी योजना बनाते हैं, तो परिणाम भी अच्छा होता है और हमें जर्मनी से यही मिल रहा है। जर्मनी और आगे बढ़ रहा है। मैं महसूस करता हूँ कि वहां एक आंतरिक उत्साह है जो उन्हें अपनी चुनौतियों से निपटने में मदद कर रहा है। जर्मनी अपनी तकनीक को अन्य देशों के साथ साझा करने और भविष्य की यात्रा में उसका विश्वास बनाने की दिशा में अग्रसर है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि जर्मनी से उन्हें कई ऐसे प्रस्ताव मिले हैं, जिनसे मध्यप्रदेश को इस विश्वास के साथ आगे बढ़ने का मौका मिल रहा है कि राज्य अपनी पारंपरिक क्षमताओं के साथ नवीनतम तकनीकों का उपयोग कर सकता है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए यह बड़ी बात है कि कृषि, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), स्वास्थ्य, शिक्षा, नई तकनीक और भारी उद्योग क्षेत्रों में जर्मनी से हमें सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि जर्मनी में हो रही तकनीकी प्रगति और उद्योगों में हो रहे नवाचारों को मध्यप्रदेश में लागू करने के लिए राज्य सरकार सक्रिय रूप से कदम उठा रही है। उन्होंने आशा जताई कि राज्य के लिए यह यात्रा कई नए उद्योगों, तकनीकी सहयोग और रोजगार के अवसरों के द्वार खोलेगी। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य प्रदेश के युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराते हुए मध्यप्रदेश को देश और दुनिया के सामने सशक्त औद्योगिक ताकत के रूप में स्थापित करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतिपल-प्रति मिनिट हमारा लक्ष्य प्रदेश के युवाओं को बेहतर रोजगार उपलब्ध कराना है। हमारे बौद्धिक संपन्न युवा ही नहीं बल्कि प्रदेश के हर वर्ग के युवा को रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा।

ग्लोबल लीडर हैं प्रधानमंत्री मोदी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कार्यकाल स्वर्णिम है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ग्लोबल लीडर हैं और उनके विजन से देश आगे बढ़ रहा है। उनके नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार में मध्यप्रदेश विकास की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जर्मनी हमारा मित्र देश है। दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों के मध्य बेहतर समन्वय का हमें भी लाभ मिला है। जर्मन बढ़ते भारत और आगे बढ़ते मध्यप्रदेश के साथ भविष्य में व्यापार एवं उद्योग के लिए आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जर्मनी, भारत का सदैव प्रशंसक रहा है। हमारी साझा विरासत गौरवशाली रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि जर्मनी के साथ हिन्दुस्तान के सौहार्द्रपूर्ण संबंधों की बात करें तो नेताजी सुभाषचंद्र बोस के समय को याद कर सकते हैं। जर्मन, मध्यप्रदेश में निवेश की अपार संभावनाओं को समझते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष को घेरा, कहा-

हार से गुस्साए विपक्षी देश के खिलाफ कर रहे साजिश

भुवनेश्वर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ओडिशा के भुवनेश्वर में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आंदोलन हमेशा से होते रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ समय में आप सभी ने एक बहुत बड़ा बदलाव देखा होगा। संविधान की भावना को कुचला जा रहा है। लोकतंत्र की गरिमा को नकारा जा रहा है। सत्ता को अपना जन्मसिद्ध अधिकार मानने वाले लोग पिछले एक दशक से केंद्र की सत्ता खो चुके हैं। वे लोगों से इस बात के लिए भी नाराज हैं कि उनके अलावा किसी और को आशीर्वाद दिया जा रहा है। वे इतने गुस्से में हैं कि वे देश के खिलाफ साजिश कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने देश को गलत दिशा में ले जाने के लिए लोगों को गुमराह करना शुरू कर दिया है। झूठ और अफवाहों की उनकी दुकान पिछले 75 सालों से चल रही है। उन्होंने अब अपने मिशन को और तेज कर दिया है। उनकी गतिविधियां अपने देश से प्यार करने वाले लोगों के लिए बहुत बड़ी चुनौती बन रही है। उन्होंने कहा कि मैं सभी को बताना चाहता हूं कि हमें सतर्क रहना है और लोगों को जागरूक करते रहना है। हमें हर झूठ को उजागर करना है। सत्ता के भूखे इन लोगों ने जनता से सिर्फ झूठ बोला है। वे हर बार एक बड़ा झूठ लेकर आते हैं। 2019 में जो चौकीदार उनके लिए चोर था, 2024 तक आते-आते वो ईमानदार हो गया और एक बार भी चौकीदार को चोर नहीं कह पाए। इनका मकसद सिर्फ यही है कि किसी तरह देश की जनता को गुमराह करके सत्ता पर कब्जा किया जाए। प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्षी दल दिन-रात भाजपा के बारे में गलत सूचना फैलाते रहते हैं। लेकिन जनता खुद भाजपा को आशीर्वाद देने के लिए मैदान में आती है।

कांग्रेस कार्य समिति ने पार्टी के चुनावी प्रदर्शन पर जताई चिंता

आत्मचिंतन और कमियों को दूर करने की खड़गे ने दी सलाह

- ईवीएम व चुनाव आयोग पर सवाल उठाए
- पार्टी में अंदरूनी कलह, एकजुटता की

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र, झारखंड और हरियाणा में हुए चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन पर विचार-विमर्श करने और आगामी दिल्ली चुनावों की तैयारियों की समीक्षा के लिए शुक्रवार को कांग्रेस कार्य समिति की बैठक हुई।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बैठक में महाराष्ट्र और हरियाणा चुनावों में हुई हार पर पार्टी के उम्मीद से कम प्रदर्शन पर चिंता जताई। उन्होंने आंतरिक मतभेद और ईवीएम पर सवाल उठाते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं से स्थानीय मुद्दों पर फोकस करने का आह्वान किया। 2024 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस की वापसी की सराहना करते हुए उन्होंने स्वीकार किया कि बाद के विधानसभा चुनावों में अपेक्षित परिणाम नहीं मिले। खड़गे ने पार्टी से आत्मचिंतन करने और अपनी कमियों को दूर करने का आग्रह किया। इस बैठक में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, के सी वेणुगोपाल और जयराम रमेश समेत कई नेता मौजूद थे। कांग्रेस अध्यक्ष खडगे ने कहा कि लोकसभा के बाद हुए चार राज्यों के चुनावों में इंडिया गठबंधन ने दो राज्यों में सरकार बनाई, लेकिन कांग्रेस का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। इन नतीजों पर चिंतन करते हुए खड़गे ने तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, 'ये नतीजे हमारे लिए एक संदेश हैं। हमें इनसे तुरंत सीख लेने और संगठनात्मक स्तर पर अपनी कमजोरियों को दूर करने की जरूरत है।' कांग्रेस अध्यक्ष ने पार्टी के अंदरूनी कलह और फूट की ओर इशारा किया, जो उनके लिए एक बड़ी बाधा साबित हुई। सबसे जरूरी बात जो मैं कहता रहता हूं, वह यह है कि एकता की कमी और एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी हमें बहुत नुकसान पहुंचाती है। जब तक हम एकजुट होकर चुनाव नहीं लड़ेंगे और एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी बंद नहीं करेंगे, तब तक हम अपने विरोधियों को राजनीतिक रूप से कैसे हरा पाएंगे?'

उन्होंने आगे कहा, 'इसलिए यह जरूरी है कि हम अनुशासन का सख्ती से पालन करें। हमें हर परिस्थिति में एकजुट रहना होगा। पार्टी के पास अनुशासन का हथियार भी है। लेकिन हम अपने साथियों को किसी बंधन में नहीं डालना चाहते। इसलिए सभी को यह सोचने की जरूरत है कि कांग्रेस पार्टी की जीत हमारी जीत है और हार हमारी हार है। हमारी ताकत पार्टी की ताकत में है।' खरगे ने कांग्रेस को अपनी चुनावी रणनीतियों में बदलाव करने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने केवल राष्ट्रीय नेताओं और मुद्दों पर निर्भर रहने से हटकर स्थानीय मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने की बात कही। उन्होंने पूछा, 'कब तक आप राष्ट्रीय मुद्दों और राष्ट्रीय नेताओं के आधार पर राज्य के चुनाव लड़ेंगे?' उन्होंने पार्टी से स्थानीय मुद्दों पर फोकस करने और हर राज्य के अनुरूप विस्तृत रणनीति तैयार करने का आग्रह किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि चुनाव की तैयारी कम से कम एक साल पहले शुरू हो जानी चाहिए, जिसमें वोटर लिस्ट मैनेजमेंट पर खास ध्यान दिया जाना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि पार्टी के समर्थकों का प्रतिनिधित्व हो।

इसके बाद खड़गे ने चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर संदेह जताते हुए ईवीएम और चुनाव आयोग की भूमिका की आलोचना की। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि ईवीएम ने चुनावी प्रक्रिया को संदिग्ध बना दिया है। चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है, इसलिए इसके बारे में जितना कम कहा जाए, उतना ही अच्छा है। लेकिन देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना उनका संवैधानिक दायित्व है।'

नए संकल्प के साथ आगे बढ़ने की जरूरत

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि लोकसभा चुनाव में उत्साह भरे नतीजों को हासिल करने के बाद विधानसभाओं के चुनावों में पार्टी को धक्का लगा है, लेकिन इससे हताश होने की बजाय कांग्रेस को मजबूत बनाने के लिए कठोर निर्णय लेने की जरूरत है। नए संकल्प के साथ जमीनी स्तर से काम करते हुए समय के अनुसार बदलाव लाने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री ने जर्मनी में राउंड टेबल मीटिंग को किया संबोधित, कहा-

जर्मनी के साथ मिलकर प्रदेश के उद्योग और व्यवसाय को देंगे विशिष्ट पहचान

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भौगोलिक स्थिति के कारण मध्यप्रदेश देश के मध्य में स्थित होने से उत्तर- दक्षिण, पूर्व-पश्चिम चारों दिशाओं में आने-जाने का केंद्र बिंदु है। यहाँ से दक्षिण एशिया सहित महाद्वीप के कई स्थानों तक आवागमन सुगम और सरल है। जर्मनी के लैप ग्रुप का मध्यप्रदेश को अपने व्यवसाय का केंद्र बनाना इस बात का प्रमाण है। उल्लेखनीय है कि लैप ग्रुप ने जर्मनी से बाहर अपने व्यवसाय के विस्तार के लिए बेंगलुरु के बाद मध्यप्रदेश का चयन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जर्मनी भ्रमण के दूसरे दिन स्टटगार्ट स्थित लैप ग्रुप की फैक्ट्री के भ्रमण के बाद मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर राउंड टेबल मीटिंग को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में राज्य सरकार औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार और निवेश संवर्धन को प्रोत्साहित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। क्षेत्रीय स्तर पर जारी रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव से प्रदेश में उद्योग स्थापना का बेहतर माहौल बना है। इससे राष्ट्रीय ही नहीं, वैश्विक स्तर से भी बड़े निवेशक बेहतर भविष्य के लिए आश्वस्त होते हुए मध्यप्रदेश में अपनी गतिविधियों का विस्तार कर रहे हैं। प्रदेश की भौगोलिक स्थिति के परिणामस्वरूप उद्योग व्यवसाय को लाभ मिलना सुनिश्चित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जर्मनी के साथ प्रदेश में उद्योग-व्यवसाय को विस्तार देने के लिए कई विकल्प हैं। इनमें निजी निवेश, तकनीकी सहभागिता और साझेदारी से जर्मनी और भारत के औद्योगिक और व्यावसायिक रिश्तों को प्रगाढ़ किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वे उद्योग समूह और निवेशकों को फरवरी- 2025 में प्रदेश की राजधानी भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का निमंत्रण देने जर्मनी आये हैं। हमारे लिए जर्मनी से संबंधों का विशेष महत्व है। जर्मनी की तकनीकी विशेषज्ञता और मध्यप्रदेश में जारी निवेश प्रोत्साहन गतिविधियां, व्यापार-व्यवसाय को परस्पर प्रोत्साहित करेंगी।

नाम एवं जन्मतिथि परिवर्तन सूचना

मैं Army no ARMY NO- JC-584213Y RANK- NB SUB CLK (SD) NAME- ANEESH JOSEPH UNIT- 7 JAK RIF R/O VILLAGE- MANJOOR, POST-MUTTUCHIRA, TEH- VAIKOM, DISTT- KOTTAYAM STATE-(KERALA), शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मेरी माताजी का नाम THRESIAMMA JOSEPH से THEYYAMMA JOSEPH परिवर्तन हुआ है इस आशय का शपथ पत्र साथ में संलग्न है। यह कि मेरे आर्मी रिकार्ड में मेरी माताजी की जन्मतिथि 15/11/1956 दर्ज है जो कि गलत है मेरी माताजी की सही जन्मतिथि 06/09/1959 है। द्वारा शपथ पत्र दिनॉक 29/11/2024 नोटरी जबलपुर मप्र । कृति

आम सूचना

मैं प्रतिभा हांडे उम्र 36 वर्ष पत्नि श्री प्रवीण हांडे निवासी म.नं. 304, सनसिटी कालोनी कंचनपुर अधारताल थाना अधारताल जिला जबलपुर की निवासी हूँ ! मेरा पुत्र आदित्य हांडे केन्द्रीय विघालय सी.ओ.डी. जबलपुर में कक्षा 11वीं में अध्ययनरत है । मेरे पुत्र के स्कूल रिकार्ड में मेरे पुत्र का नाम आदित्य प्रवीण हांडे (ADITYA PRAVIN HANDE) एवं माता का नाम प्रतिभा पी हांडे (PRTIBHA P HANDE) दर्ज है जबकि मेरे पुत्र के अन्य समस्त दस्तावेजों में मेरे पुत्र का नाम आदित्य हांडे (ADITYA HANDE) पिता का नाम प्रवीण हांडे (PRAVIN HANDE) दर्ज है तथा माता के नाम के दस्तावेजों में माता का नाम प्रतिभा हांडे (PRTIBHA HANDE) दर्ज है! अतः मेरे पुत्र को आदित्य हांडे (ADITYA HANDE) आत्मज श्री प्रवीण हांडे (PRAVIN HANDE) एवं माता का नाम प्रतिभा हांडे (PRT-IBHA HANDE) के नाम से जाना पहचाना एवं लिखा पढ़ा जावें !

जबलपुर
दिनांक 28/11/2024
पुत्र का पुराना नाम आदित्य प्रवीण हांडे (ADITYA PRAVIN HANDE)
पुत्र का नया नाम आदित्य हांडे (ADITYA HANDE)
माता का पुराना नाम प्रतिभा पी हांडे (PRATIBHAP HANDE)
माता का नया नाम प्रतिभा हांडे (PRATIBHA HANDE)
कृति

न्यायालय तहसीलदार तहसील अधारताल, जबलपुर

रा.प्र.क्रं/1217/2283/अ-6/2024-2025
जबलपुर, दिनांक- 20/11/2024

आम इश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमति शशि कला परिहार पिता स्व. मुकेश ठाकुर निवासी- 10/5 उज्जैन म.प्र. के द्वारा मौजा .... नजूल ब्लाक नं. 04 प्लाट नं. 48/2 स्थित भूमि खसरा नं. ... में से रकवा 915 वर्गफुट भूमि पर स्व. मुकेश ठाकुर उज्जैन की मृत्यु दिनांक 6/8/2024 को हो जाने के कारण वर्तमान राजस्व अभिलेखों में नाम दर्ज किये जाने हेतु विक्रय पत्र/ फौती/ वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक 12/12/2024 तक इस न्यायालय में स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।
जारी दिनांक- 28/11/2024
पेशी दिनांक- 13/12/2024
तहसीलदार अधारताल जबलपुर
र.नं. 2190

न्यायालय नायब तहसीलदार गोरखपुर, जबलपुर

रा.प्र.क्रं/1465/अ-6/2024-25

आम इश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया है कि चमक सिंह पिता स्व. चरन सिंह जसविन्दर सिंह मजीत सिंह पिता- चरन सिंह निवासी- गोरखपुर द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक .... के माध्यम से मौजा गोरखपुर नं.ब. 605 प.ह.नं. 21 शीट नं. 290 प्लाट नं. 506/2A रकवा 1560 वर्गफुट विक्रेता मनोहर सिंह पिता प्रीतम सिंह व अन्य से क्रय की गई भूमि पर राजस्व अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने पंजीकृत विक्रय पत्र वसीयतनामा/ बटवारानामा/ हस्तांतरण पत्र/ हकत्यागपत्र/ दानपत्र एवं नक्शा बंटाक की छायाप्रति संलग्न कर आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उपरोक्त नामांतरण स्वीकृत किये जाने में यदि किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति पेशी दिनांक 11/12/2024 तक स्वयं अथवा अपने विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

न्यायालय की मुहर एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 27/11/2024 को जारी।
जारी दिनांक- 27/11/2024
पेशी दिनांक- 11/12/2024
नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी गोरखपुर, जबलपुर
र.नं.- 2186

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र.11 नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र./सं. क्र. 11/19-20/.. दि. 29.11.2024

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री मोहन प्रसाद परोहा पिता श्री एन.पी. परोहा ने वार्ड क्रमांक- 65 वार्ड का नाम सुभाष चन्द्र बैनर्जी वार्ड के भवन क्रमांक- 965 साइंस कॉलेज के पास, सिविल लाइन सम्पत्ति के पिन क्रमांक- 1000399435 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल/रकबा ... वर्गफुट जिस पर निर्मित भूतल 2200 व.फु. आरसीसी 680 व.फु. आरसीसी पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र दानपत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, विक्रय पत्र, वसीयतनामा, त्यागपत्र, रिलीज डीड/ बंटवारानामा, शपथपत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री उमाशंकर मिश्रा पिता श्री जगन्नाथ मिश्रा का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.-11 नगर निगम, जबलपुर
र.नं.- 2188

संभागीय कार्यालय संभाग क्र.-15 सुहागी, नगर निगम, जबलपुर

प्रकरण क्र./संभा.अधि./राजस्व/एम 86/2024-25 दिनांक 29/11/2024

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री भीकम प्रसाद नामदेव, पिता- श्री बुधा प्रसाद के द्वारा वार्ड क्रं. 72 दादा ठनठनपाल वार्ड के निगम सम्पत्ति आई.डी. क्र. 1003890176 के पंजीकृत स्वामी श्री पंकज सराफ एवं श्री दीपक सराफ दोनों के पिता- श्री प्रकाशचंद सराफ के नाम से दर्ज खसरा नं. 168/1 श्रीगजानन परिसर का खुली भूमि रकवा 86156 व.फु. में से (मौजा रिमझा) प्राइवेट ले आउट प्लाट नं. 4 का भाग का रकवा 855 व.फु. एवं प्लाट नं. 5 का भाग का प्लाट रकवा 45 व.फु. कुल दोनों प्लाट का कुल रकवा 900 व.फु., विक्रय/क्रय , संपत्ति ई-पंजीयन प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, संपत्ति लेजर, खसरा प्रति एवं राजस्व नामांतरण शुल्क के आधार पर नगर निगम राजस्व कम्प्यूटर रिकार्ड में अपना नाम दर्ज किये जाने नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है जिस किसी को भी आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर संभागीय कार्यालय क्रं- 15 सुहागी में दस्तावेज / प्रमाण सहित आपत्ति आवेदन प्रस्तुत करें।

कृति
संभागीय अधिकारी (राजस्व) संभाग क्रं.-15, सुहागी नगर पालिक निगम, जबलपुर

कार्यालय संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

भूखण्ड लीज नामांतरण/हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सुभाष नगर महाराजपुर कालोनी जबलपुर में स्थित भूखण्ड क्रमांक- 610 श्री राजेश कुमार सोनी पिता श्री राधे लाल सोनी के नाम आवंटित है जिसका विक्रय विलेख दिनांक- 22/01/2015 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भूखण्ड क्रमांक- 610 श्री राजेश कुमार सोनी पिता श्री राधे लाल सोनी ने विक्रय विलेख दिनांक 23/09/2024 के माध्यम से श्री राज कल्लू सोनी पिता श्री कल्लू सोनी को विक्रय किया है। श्री राज कल्लू सोनी पिता श्री कल्लू सोनी द्वारा उक्त भूखण्ड क्रमांक- 610 उनके नाम लीज हस्तांतरण/नामांतरण हेतु दस्तावेज/ आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं। यदि किसी व्यक्ति/संस्था को उपरोक्त लीज हस्तांतरण/ नामांतरण बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि उपरांत हस्तांतरण/ नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी एवं भविष्य में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति/ दावा मान्य नहीं होगा।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर
र.नं.- 2194

न्यायालय तहसीलदार जबलपुर जिला- जबलपुर

रा.प्र.क्रं/1407/अ-6/2024-25

आम इश्तहार

ग्राम की आम जनता को सूचित किया है कि आवेदक श्रीमति सुदामा बाई दाहिया पति श्री रोहणी दाहिया निवासी- 964/15 सी न्यू शास्त्री नगर सोनी कॉलोनी मेडिकल जबलपुर द्वारा ग्राम जोतपुर प.ह.नं. 25 रा.नि.मं. जबलपुर-2 तह. व जिला जबलपुर स्थित भूमि ख.नं. 75 में से कुल रकवा 1600 व.फु. प्लाट नं. ए-48 एवं ए-49 भूमि पर दर्ज विक्रेता श्री नितिन कोरी पिता श्री डी पी कोरी निवासी- 3223 कोरी मोहल्ला गंगानगर त्रिपुरी चौक गढ़ा जबलपुर से विक्रय-पत्र क्रमांक एम पी 182552020 ए 1755819 दिनांक 12/11/2020 के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति पेशी तक इस न्यायालय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। पेशी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जायेगा।

जारी दिनांक- 28/11/2024
पेशी दिनांक- 09/12/2024
तहसीलदार जबलपुर
र.नं.- 2191

न्यायालय तहसीलदार जबलपुर जिला- जबलपुर

रा.प्र.क्रं/1409/अ-6/2024-25

आम इश्तहार

ग्राम की आम जनता को सूचित किया है कि आवेदक श्री शेखर साहू पिता श्री सुरेन्द्र साहू निवासी- 1938 सूपाताल रामायण मंदिर के पास गढ़ा जबलपुर द्वारा ग्राम जोतपुर प.ह.नं. 25 रा.नि.मं. जबलपुर-2 तह. व जिला जबलपुर स्थित भूमि ख.नं. 74, 75 में से प्लॉट नं. ए-50 रकवा 800 व.फु. भूमि पर दर्ज विक्रेता श्री नितिन कोरी पिता श्री डी पी कोरी निवासी- 3223 कोरी मोहल्ला गंगानगर त्रिपुरी चौक गढ़ा जबलपुर से विक्रय-पत्र क्रमांक पु क्रमांक अ-1 ग्रंथ क्र. 1219 के पृष्ठ क्रमांक 79 से 84 पर क्रमांक 213 दिनांक 20/04/2015 के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति पेशी तक इस न्यायालय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। पेशी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जायेगा।

जारी दिनांक- 28/11/2024
पेशी दिनांक- 09/12/2024
तहसीलदार जबलपुर
र.नं.- 2192

फौती

न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर

रा.प्र.क्रं/1271/अ-6/2023-24

आम इश्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक मोहम्मद सादिक/मरहूम अब्दुल रशीद नि.- 1197 नया मोहल्ला पारस मार्बल के पास ने नजूल ब्लाक नं. 86 प्लाट नं. 496/2, 496/4 निर्मित रकवा/ रकवा 2612, 1500 व.फु./ अवि. हिस्सा ..../ग्राम भरतीपुर प.ह.नं.... खसरा नं. ... रकवा 2612, 1500 व.फु./हे. विक्रय पत्र/ हक त्याग/ वसीयतनामा/ दानपत्र/ वारसान हक/ दिनांक 03/12/2020 मृत्यु दिनांक 18/08/2024 को हो जाने के कारण वारसान हक/ क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र ... खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है। प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा /पटवारी/डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल ब्लाक नं. 86 प्लाट नं. 496/2, 496/4 निर्मित रकवा/रकवा 2612, 1500 व.फु./ अवि. हिस्सा ... /ग्राम भरतीपुर प.ह.नं. ... खसरा नं. ... रकवा 2612, 1500 व.फु./हे. बहीदन बी पति अब्दुल रशीद के नाम दर्ज है। अतः किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 04/12/2024 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

इश्तहार आज दिनांक 19/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
जारी दिनांक 19/11/2024
पेशी दिनांक 04/12/2024
तहसीलदार, रांझी, जबलपुर
र.नं.- 2193

रात्रि भोज पर फ्रेंड्स ऑफ एमपी से किया संवाद, बोले-

जर्मनी भारत का करीबी, सत्य, संस्कृति और ज्ञान का सारथी

भोपाल, देशबन्धु। जर्मनी के म्यूनिख शहर में गुरुवार रात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारतवंशियों एवं प्रवासी समुदाय फ्रेंड्स ऑफ एमपी के साथ एक अनूठा संवाद किया। भाषणों और औपचारिकताओं को पीछे छोड़ते हुए, उन्होंने सहज, दोस्ताना और सारगर्भित चर्चा कर उन्होंने सभी को भारत की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं से जोड़ा। भारतीय संस्कृति के अनुरूप प्रारंभ हुए कार्यक्रम में प्रत्येक भारतवंशी को देशभक्ति और देशप्रेम से सराबोर कर दिया।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारतवंशियों के साथ रात्रि भोज के दौरान खुलकर संवाद किया। उन्होंने अपने विचार साझा करते हुए भारतीय समुदाय को प्रोत्साहित किया कि वे जर्मनी में रहते हुए भी अपनी जड़ों से जुड़े रहें। यह आयोजन भारतीयता के गौरव, परंपरा और आधुनिकता के समन्वय का प्रतीक बना।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता उसका समावेशी और सकारात्मक दृष्टिकोण है। उन्होंने इसे इस तरह परिभाषित किया कि भारत में परेशानी में आनंद ढूंढने की कला और सभी को साथ लेकर चलने की परंपरा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जर्मनी को भारत का करीबी बताते हुए कहा कि जर्मनी भी सत्य, संस्कृति और ज्ञान का सारथी है। यही कारण है कि दोनों देशों के विचार और मूल्य एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता की तस्वीर पर माल्यार्पण और राष्ट्रगान के साथ हुई। तिरंगे झंडे के सम्मान और दीप प्रज्ज्वलन से शुरू हुए कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति की झलक हर कोने में दिखाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 2 लाख से अधिक भारतवंशियों और 35 हजार से अधिक भारतीय छात्रों की उपलब्धियों पर गर्व जताया, जो जर्मनी में शिक्षा और कौशल के क्षेत्र में उत्कृष्टता की मिसाल कायम कर रहे हैं।

डॉ. यादव के इस विशेष प्रयास ने फ्रेंड्स ऑफ एमपी के मंच को केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि एक आत्मीय और प्रेरक अनुभव में बदल दिया, जहां भारतीय प्रवासियों को अपनी संस्कृति और मूल्यों से फिर से जुड़ने का अवसर मिला।

मतदाता जागरूकता के सर्वोत्तम अभियान को मिलेगा नेशनल मीडिया अवार्ड

भोपाल, देशबन्धु। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा मतदाता शिक्षा और मतदान जागरूकता के सर्वोत्तम अभियान के लिये नेशनल मीडिया अवार्ड-2024 प्रदान किये जायेंगे। मीडिया संस्थानों को पुरस्कार चार श्रेणियों में प्रदान किये जायेंगे। पुरस्कार मतदाताओं को मतदान के लिये प्रेरित करने और मतदान के प्रति जागरूकता के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिये चलाये जा रहे उत्कृष्ट अभियानों को प्रोत्साहित करने के लिये दिये जायेंगे। आयोग ने 10 दिसम्बर 2024 तक संस्थानों से प्रस्ताव आमंत्रित किये हैं। प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक (टेलीविजन) मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक (रेडियो) मीडिया और ऑनलाइन (इंटरनेट एवं सोशल) मीडिया श्रेणियों में पृथक-पृथक पुरस्कार दिये जायेंगे। वर्ष-2024 में मतदान के प्रति मतदाताओं को जागरूक करने के लिये मीडिया संस्थानों द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्यों और विशिष्ट उपलब्धियों को प्रदर्शित करते हुए चार पृथक-पृथक श्रेणियों में अपने प्रस्ताव भेजने होंगे। सभी नामांकनों पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा गठित मीडिया अवार्ड जूरी विचारोपरान्त निर्णय लेगी।

अभिमत

जंगल की अच्छे से रखवाली की जाए, और उसे विश्राम दिया जाए तो कुछ ही सालों में नया जंगल हरा-भरा हो जाता है। उसमें कुछ भी करने की जरूरत नहीं है, सिर्फ रखवाली करनी जरूरी है। जो जगह खाली है, या वहां के पौधे छोटे हैं, वहां नए पौधे आ जाते हैं और छोटे पौधों को भी बढ़ने का मौका मिलता है। इस लिहाज से जंगल की रखवाली बहुत ही महत्वपूर्ण है। इस कारण जंगल में विविधता तो देखी जाती है, तरह-तरह के पक्षियों का भी बसेरा होता है।

प्रकृति से जुड़ा है कमारों का जीवन

नवाचार

■ बाबा मायाराम

जलवायु बदलाव के दौर में जल संरक्षण व हरियाली का बने रहना, गांव में दो सबसे बड़ी ज़रूरतें हैं, वनों की रक्षा से दोनों काम हो रहे हैं, जंगल होगा तो पानी व मिट्टी का भी संरक्षण होगा। हमें वन खाद्य, चारे, वन, मिट्टी संरक्षण के साथ स्थानीय वृक्षों को महत्व देना चाहिए। इस गांव के लोगों ने यह काम कर दिखाया है, जो सराहनीय होने के साथ अनुकरणीय भी है।

छत्तीसगढ़ में गरियाबंद जिले में कमार आदिवासियों की आबादी है। कमार, विशेष पिछड़ी जनजाति समूह (पीवीटीजी) के अंतर्गत आते हैं। ये आदिम जनजातियों में से एक हैं। इनकी पारंपरिक जीवनशैली प्रकृति के करीब है। कमारों की आजीविका बांस के बर्तन बनाकर बेचने और जंगल से भी जुड़ी से है। हाल के कुछ वर्षों से कमार खेती की ओर भी मुड़े हैं। इस कॉलम में सुदूर जंगल के गांवों में कमार आदिवासियों के जीवन में झांकने की कोशिश है, जिससे उनका प्रकृति से जुड़ाव को समझा जा सके।

मैंने हाल ही में इस इलाके का दौरा किया था। मुझे प्रेरक स्वयंसेवी संस्था के कोमलराम साहू ने गरियाबंद के कुछ गांव के लोगों से मिलवाया था और जंगल दिखाया था। जंगल में हवा की खुशबू थी। गर्म लू के थपेड़ों की बजाय हवा में कुछ नमी थी। एक ओर चिड़ियों की आवाज आ रही थी और दूसरी ओर पैरी नदी कल-कल बह रही थी, उसकी आवाज आ रही थी। हवा की ताजगी, पेड़ों की चमकीली पत्तियां, कीट-पतंगों की भिनभिनाहट और पानी की झिलमिलाहट मुझे खींच रही थी।

यह बहुत ही खूबसूरत इलाका है। यहां राजिम में त्रिवेणी संगम है। जलप्रपात और जतमई माता का मंदिर है। महानदी और पैरी नदी है। इसी प्रकार, यहां सांस्कृतिक विविधता भी देखने को मिलती है।

राजिम स्थित प्रेरक स्वयंसेवी संस्था इस इलाके में लंबे समय से काम कर रही है। देसी बीजों की जैविक खेती, शिक्षा, बुजुर्गों के लिए आश्रम, मानसिक स्वास्थ्य की समस्या से ग्रस्त युवाओं के लिए केन्द्र इत्यादि। पिछले कुछ वर्षों से वन अधिकार कानून के तहत सामुदायिक वनाधिकार के लिए लोगों को जागरूक करने से लेकर वन प्रबंधन, पौधारोपण, जल संरक्षण कई कामों में संस्था सहयोग कर रही है।

यहां के आमझर गांव के ग्रामीण बताते हैं कि वैसे तो हम जंगल की रखवाली व देखभाल लम्बे समय से करते आ रहे हैं, पर इसे व्यवस्थित रूप से दो-तीन सालों से कर रहे हैं। जब से वन अधिकार कानून के तहत् वन संसाधन का अधिकार मिला है, उसके बाद वन प्रबंधन समिति का गठन किया गया है।

गांव की महिलाओं ने बताया कि बांस से खुमरी, मोरा, टुकना, झिंझरी, सूप, चांप, झाड़ू और चटाई बनाते हैं, जिन्हें बेचकर पेट पालते हैं। जंगल से बहुत सारी खान-पान की चीजें मिलती हैं, जैसे फल, फूल, हरी पत्तेदार भाजियां इत्यादि। फुटू (मशरूम) भी कई तरह के मिलते हैं, जैसे भिमोरी फुटू, भदेली फुटू, पैरा फुटू इत्यादि।

इसी प्रकार, कई प्रकार की भाजियां मिलती हैं- जैसे चरौटा भाजी, अमटी भाजी, कोलियारी भाजी इत्यादि। फलों में तेंदू, चार, आम, कुसुम, मोकाई और भिलवां मिलते हैं।

ग्रामीण बताते हैं कि इस गांव के जंगल में पिछले साल आग नहीं लगी, क्योंकि गांव के लोग बारी-बारी से इसकी रखवाली करते हैं। जबकि आसपड़ोस के जंगल में आग लगी है, उनके जंगल में नहीं लगी। जंगल में आग लगना आम बात है। इसका मुख्य कारण महुआ संग्रह के लिए पेड़ के नीचे कचरा व पत्तों में आग लगना है। इसके कारण आग फैल जाती है। चरवाहे व राहगीरों के माध्यम से आग लग जाती है। जंगल में आग की वजह से छोटी-मोटी झाड़ियां, फलदार पेड़ और कंद-मूल इत्यादि जलकर नष्ट हो जाते हैं।

वे आगे बताते हैं कि महुआ बीनने से पहले गांव में बैठक हुई थी, उसमें तय हुआ कि कुछ जगह छोड़कर आग लगाएं। इसके लिए पतझड़ में जो पत्ते झड़ते हैं, उन्हें अलग करके रखते हैं, जिससे आग न लगे। इसके साथ ही, जंगल की सीमा में एक गड्ढा बनाया गया है, ताकि आग से जंगल को बचाया जा सके। आग से जलने वाली चीजों के इस्तेमाल पर रोक लगाई है।

वे बतलाते हैं कि वे सुबह से शाम तक जंगल की रखवाली करते हैं। अगर कोई व्यक्ति जंगल में मिलता है तो उसे हिदायत देते हैं कि जंगल में आग मत लगाना। जंगल में आग लगने से खेतों की नमी खत्म हो जाती है। इतना ही नहीं, तरह-तरह के कीट-पतंगें, सांप, मेढ़क और पक्षी, यह सब भी इस आग से जलकर मर जाते हैं। इनमें से कई खेती में उपयोगी हैं।

गांव की वन प्रबंधन समिति ने जंगल की सुरक्षा के लिए नियमावली बनाई गई है, जिससे जंगल को किसी प्रकार नुकसान न हो, यह सुनिश्चित किया जा रहा है। गीली लकड़ी न काटें। अगर गांव के बाहर से कोई व्यक्ति जंगल आता है तो उसे लकड़ी ले जाने के लिए मना करते हैं। बकरी व मवेशियों को भी जंगल में ले जाने से मना करते हैं, जिससे छोटे पौधों को नुकसान न हो।

इसी वर्ष राजस्थान के भेड़ चराने वालों को गांववालों ने जंगल में भेड़ चराने से रोका था, क्योंकि छोटे पौधों को इससे नुकसान होता है। गांव के मवेशियों के लिए एक ही जगह चराई हो, जिससे छोटे पेड़ पौधों को नुकसान न हो। इसके साथ ही दुर्लभ प्रजाति के पेड़ों को काटने पर रोक है।

वे आगे बताते हैं जलाने के लिए सूखी लकड़ी ही लाएंगे, जहां जंगल में पेड़ कम हैं, वहां पौधारोपण करेंगे, जंगल की कटाई नहीं हो, वनोपज सबको मिले, यह सुनिश्चित करेंगे, मशरूम के लिए किसी के लिए रोक-टोक नहीं है। अगर किसी व्यक्ति को नया मकान बनाना है या मरम्मत करना है तो लकड़ी के लिए ग्रामसभा की अनुमति लेनी होगी।

एक ग्रामीण ने बताया कि यहां घने जंगल होने के कारण जमीन में नमी होती है जो खेती के लिए बहुत अच्छी होती है। पेड़ की शाखाएं जैसे- कर्रा, हर्रा, तेंदू और चार से पानी होकर खेतों में जाता है, वह मिट्टी को बहुत उपजाऊ बनाता है। जंगली चूहा खेतों में बिल बनाकर रहता था, जिससे खेतों की जुताई हो जाती थी, चिड़िया भी कीटनाशक का काम करती हैं, इनके कम होने से फसलों में कीट ज्यादा लगते हैं।

गांव वालों ने बताया कि अगर जंगल की अच्छे से रखवाली की जाए, और उसे विश्राम दिया जाए तो कुछ ही सालों में नया जंगल हरा-भरा हो जाता है। उसमें कुछ भी करने की जरूरत नहीं है, सिर्फ रखवाली करनी जरुरी है। जो जगह खाली है, या वहां के पौधे छोटे हैं, वहां नए पौधे आ जाते हैं और छोटे पौधों को भी बढ़ने का मौका मिलता है। इस लिहाज से जंगल की रखवाली बहुत ही महत्वपूर्ण है। इस कारण जंगल में विविधता तो देखी जाती है, तरह-तरह के पक्षियों का भी बसेरा होता है।

कुल मिलाकर, यहां के ग्रामीण अपने गांव के आसपास का जंगल, चारागाह, वन, जलस्रोत सुधार कर गांव के दीर्घकालीन विकास व गांव के पर्यावरण की रक्षा की संभावनाओं को निरंतर बढ़ा रहे हैं। कमार आदिवासियों का आत्मविश्वास बढ़ रहा है।

जलवायु बदलाव के दौर में जल संरक्षण व हरियाली का बने रहना, गांव में दो सबसे बड़ी ज़रूरतें हैं, वनों की रक्षा से दोनों काम हो रहे हैं, जंगल होगा तो पानी व मिट्टी का भी संरक्षण होगा। हमें वन खाद्य, चारे, वन, मिट्टी संरक्षण के साथ स्थानीय वृक्षों को महत्व देना चाहिए। इस गांव के लोगों ने यह काम कर दिखाया है, जो सराहनीय होने के साथ अनुकरणीय भी है।

बीता सप्ताह

23 नवंबर

- बस्तर छत्तीसगढ़ के सुकमा ग्राम में जवानों और नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में 10 नक्सली मारे गए।
- सेनेगल के चुनाव में सत्तारूढ़ पार्टी 'पास्तेफ' को तीन चौथाई बहुमत प्राप्त हुआ।
- चीन के समानव चंद्रयान मिशन में प्रारंभिक मॉडल अनुसंधान में प्रवेश किया।
- नाइजीरिया, ब्राजील व गुयाना प्रवास के दौरान पीएम मोदी ने 31 नेताओं के साथ मुलाकात की।

24 नवंबर

- महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में एनडीए की महायुति की जीत हुई।
- झारखंड विधानसभा चुनाव में हेमंत सोरेन झारखंड मुक्ति मोर्चा पार्टी ने बहुमत हासिल किया।
- मणिपुर में हिंसात्मक घटनाओं के बाद लगे इंटरनेट प्रतिबंध को हटा लिया गया।
- अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग ने रिश्वत मामले में उद्योगपति गौतम अडानी एवं उनके भतीजे सागर अडानी को तलब किया।

25 नवंबर

- उत्तर प्रदेश के संभल में जामा मस्जिद सर्वेक्षण के दौरान स्थानीय लोगों और पुलिस के बीच हिंसक घटना में 5 लोगों की मौत हो गई।
- विकेट कीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत आईपीएल मैच के सबसे महंगे खिलाड़ी बने।
- राष्ट्रपति चुनाव के लिए रोमानिया में मतदान हुआ।
- आरबीआई के डिप्टी गर्वनर देबव्रत पात्रा ने ने कहा डिजिटल पेमेंट में कार्ड लीडर बन रहा भारत।

26 नवंबर

- सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम सुनवाई में कहा संविधान की प्रस्तावना से समाजवादी व धर्मनिरपेक्ष शब्द नहीं हटाया जाएगा।
- पर्थ टेस्ट में भारत ने आस्ट्रेलिया को 295 रनों से हराया।
- आदित्य ठाकरे शिवसेना यूबीटी के विधायक दल के नेता बनाए गए।
- अफगानिस्तान में एक यात्री वाहन कोकचा नदी में गिर जाने छः लोगों की मौत हो गई।

27 नवंबर

- पूरे देश में 28 नवंबर को संविधान दिवस मनाया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान को पवित्र ग्रंथ है कहा।
- किसान नेता सरदार जगजीत सिंह डल्लेवाल को पंजाब पुलिस ने हिरासत में लिया।
- पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को जेल से बाहर करने को उनकी पार्टी पीटीआई तहरीक ए इंसाफ द्वारा उग्र प्रदर्शन के दौरान 6 जवानों की मौत हो गई।
- जापान के तनेगाशिया अंतरिक्ष केन्द्र में रॉकेट परीक्षण के दौरान आग लग गई।

28 नवम्बर

- अजमेर की विश्वप्रसिछ ख्वाजा मोईनुद्दी चिश्ती की दरगाह के सर्वेक्षण को लेकर अजमेर कोर्ट ने अजमेर शरीफ को शिव मंदिर बताने वाली याचिका मंजूर कर ली है।
- इजराइल लेबनान के साथ 60दिन युद्धविराम पर सहमत हो गया है। यह समझौता 27 नवम्बर की आधीरात से लागू हो गया।
- बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया को भ्रष्टाचार मामले में उच्च न्यायालय ने बरी कर दिया।
- नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (नाडा) ने पहलवान बजरंग पूतिया को सिलेक्श ट्रायल के दौरान डोप टेस्ट के लिए सेंपल देने से इंकार करने पर 4 साल के लिए निलंबित कर दिया।

29 नवम्बर

- झारखंड में हेमंत सोरेन ने चौथी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।
- प्रियंका गांधी वाड्रा ने वायनाड सीट से सांसद बनने पर लोकसभा सदस्यता की शपथ ली।
- बसर्लिोना के फॉरवर्ड लैमिन यामल ने वर्ष 2024 का गोल्डन बॉय तथा महिला वर्ग में मिडफील्डर विकी लोपेज ने गोल्डन गर्ल पुरस्कार जीता।
- आस्ट्रेलिया संसद में बच्चों के सोशल मीडिया के उपयोग पर रोक लगाने वाला विधेयक पारित हुआ।

अब सर्वोच्च न्यायालय पूजा स्थल अधिनियम की रक्षा करे

■ पी सुधीर

उत्तर प्रदेश के संभल में हाल ही में हुई घटनाएं, जिसमें पांच युवा मुस्लिम पुरुषों की मौत हो गयी, संसद द्वारा अधिनियमित पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 के महत्व को रेखांकित करती है। यह कानून देश की आजादी 15 अगस्त 1947 को पूजा स्थलों की स्थिति के अलग 'किसी भी पूजा स्थल के रूपांतरण' (धारा 3) को प्रतिबंधित करता है और उस समय की स्थिति के अनुरूप 'किसी भी पूजा स्थल के धार्मिक चरित्र को बनाये रखने का प्रावधान करता है (धारा 4)। कोई भी व्यक्ति 'किसी भी धार्मिक संप्रदाय या उसके किसी भी वर्ग के पूजा स्थल को उसी धार्मिक संप्रदाय के किसी अन्य वर्ग या किसी अन्य धार्मिक संप्रदाय के पूजा स्थल में परिवर्तित नहीं कर सकता'। ध्यान रहे कि रामजन्मभूमि- बाबरी मस्जिद विवाद को अधिनियम के दायरे से बाहर रखा गया था।

> **संभल में 16वीं सदी की मस्जिद को लेकर विवाद को हवा देने की कोशिशों में न्यायिक मिलीभगत का भी हाथ था। उत्तर प्रदेश के स्थानीय न्यायालयों में हमने जो देखा है- वाराणसी, मथुरा और अब संभल में - वह सदियों पुरानी मस्जिदों को हिंदू वर्चस्व स्थापित करने के लिए युद्ध के मैदान में बदलने की योजनाबद्ध कोशिश है।**

2019 में अयोध्या विवाद पर सर्वोच्च न्यायालय की पांच सदस्यीय पीठ के फैसले ने भी पूजा स्थल अधिनियम की वैधता को दोहराया था और कहा था कि मौजूदा धार्मिक स्थलों के खिलाफ कोई दावा कानून द्वारा स्वीकार नहीं किया जा सकता है। हालांकि, मई 2022 में सुप्रीम कोर्ट ने वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद का सर्वेक्षण करने की अनुमति दी थी। जिला अदालत में दायर एक याचिका में कहा गया है कि मस्जिद को एक ध्वस्त मंदिर के खंडहर पर बनाया गया था। भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने सर्वेक्षण जारी रखने की अनुमति देते हुए कहा कि 1991 के अधिनियम के तहत किसी धार्मिक स्थल की प्रकृति का पता लगाना वर्जित नहीं है। बाद में न्यायालय ने यह भी माना कि याचिकाकर्ता केवल 15 अगस्त, 1947 को स्थान की स्थिति का पता लगाने की मांग कर रहे हैं, न कि अधिनियम के अनुसार स्थान की प्रकृति को बदलने या परिवर्तित करने की।

इस भयावह निर्णय से, हिंदू संप्रदायवादियों के लिए विभिन्न स्थानों पर कानूनी विवाद खड़ा करने के लिए बाढ़ के द्वार खुल गये, जहां मस्जिदें मौजूद हैं। ज्ञानवापी मस्जिद सर्वेक्षण की मांग के बाद मथुरा में ईदगाह में इसी तरह का मामला सामने आया और जिला अदालत ने सर्वेक्षण का आदेश दिया। इसके बाद संभल का मामला आया। 19 नवंबर को जिला अदालत ने अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन द्वारा दायर एक आवेदन के आधार पर 1526 में निर्मित मुगलकालीन मस्जिद के सर्वेक्षण की अनुमति दी, जिन्होंने पहले मथुरा और वाराणसी की जिला अदालत में याचिकाएं दायर की थीं। इस तथ्य के बावजूद कि मस्जिद एक संरक्षित स्मारक है, आवेदन को तुरंत स्वीकार कर लिया गया।

आश्चर्यजनक तत्परता के साथ, अदालत ने एक अधिवक्ता आयोग का गठन किया और उसी दिन सर्वेक्षण करने का आदेश दिया। सर्वेक्षण रिपोर्ट 29 नवंबर को प्रस्तुत की जानी थी। मस्जिद समिति को सुनवाई का मौका भी नहीं दिया गया। मस्जिद समिति के पूर्ण सहयोग से सर्वेक्षण किया गया। हालांकि, 24 नवंबर को सर्वेक्षण दल मस्जिद में एक और सर्वेक्षण करने पहुंचा। इस बार उनके साथ न केवल पुलिस थी, बल्कि बड़ी संख्या में लोग 'जय श्री राम' के नारे लगा रहे थे। मुसलमानों की भीड़ जमा हो गयी और कुछ ही देर बाद स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गयी, पत्थरबाजी, लाठी चार्ज, आंसू गैस और गोलीबारी शुरू हो गयी। तीन युवा मुस्लिम युवकों की गोली लगने से मौत हो गई और बाद में दो और घायल हो गए।

स्थानीय समाजवादी पार्टी के सांसद और समाजवादी पार्टी के विधायक के बेटे पर पुलिस द्वारा दर्ज की गयी एफआईआर में दंगा और हिंसा भड़काने का आरोप लगाया गया है। उत्तर प्रदेश में आदित्यनाथ शासन में किसी भी बहाने से मुसलमानों पर बड़े पैमाने पर हमला किया जा रहा है। कुछ सप्ताह पहले बहराइच में हुई सांप्रदायिक हिंसा के कारण मुस्लिम समुदाय के खिलाफ राज्य का दमन हुआ और बड़ी संख्या में मुस्लिम युवकों को गिरफ्तार किया गया। हिंदूवादी संगठन कानूनी तरीके से विवाद को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न मस्जिदों को निशाना बना रहे हैं।

संभल में 16वीं सदी की मस्जिद को लेकर विवाद को हवा देने की कोशिशों में न्यायिक मिलीभगत का भी हाथ था। उत्तर प्रदेश के स्थानीय न्यायालयों में हमने जो देखा है - वाराणसी, मथुरा और अब संभल में - वह सदियों पुरानी मस्जिदों को हिंदू वर्चस्व स्थापित करने के लिए युद्ध के मैदान में बदलने की योजनाबद्ध कोशिश है।

सबसे परेशान करने वाली बात यह है कि यह सब खुद सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस चंद्रचूड़ के नेतृत्व में संभव हुआ, जिसने उसी कानून की अवहेलना की जिसका पालन करने का आदेश पहले सभी को दिया था। अगर इस विनाशकारी रास्ते को पलटना है, तो सुप्रीम कोर्ट को तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए और पूजा स्थल अधिनियम की पवित्रता को बनाये रखना चाहिए, जो 15 अगस्त, 1947 के बाद पूजा स्थल के बारे में कोई भी कानूनी विवाद उठाने की अनुमति नहीं देता है।

भारत-नाइजीरिया संबंधों में विस्तार की असीम संभावनाएं

■ डॉ.पार्वती वासुदेवन व डॉ. ए वासुदेवन

नाइजीरिया संघीय गणराज्य के राष्ट्रपति बोला अहमद टीनूबू के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16 और 17 नवंबर को नाइजीरिया की यात्रा पर गए थे। 17 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की इस यात्रा ने नाइजीरिया के साथ भारत की 'रणनीतिक साझेदारी' को आगे बढ़ाया है। नाइजीरियाई अर्थव्यवस्था अफ्रीकी महाद्वीप में सबसे तेजी से बढ़ती और चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

अगर 21वीं सदी वास्तव में वैश्विक दक्षिण से संबंधित है तो भारत और नाइजीरिया के बीच संबंधों को शैक्षिक छात्रवृत्ति, कच्चे तेल और सैन्य प्रशिक्षण के चश्मे से परे देखा जाना चाहिए। इन संबंधों में एक नया अध्याय तब शुरू हुआ जब 2023 में नई दिल्ली में आयोजित जी-20 सम्मेलन ने उच्च तालिका में स्थायी स्थान के साथ अफ्रीकी प्रतिनिधित्व का स्वागत किया।

भारत और नाइजीरिया के पास मानव गतिविधियों के सामाजिक-आर्थिक क्षेत्रों में एक-दूसरे को देने के लिए बहुत कुछ है। नाइजीरिया इस समय अफ्रीका में तीसरा सबसे बड़ा विनिर्माण क्षेत्र है जो और आगे बढ़ना चाहता है। अन्य क्षेत्रों में भी तेजी से प्रगति हुई है। उदाहरण के लिए डांगोट रिफाइनरियों के आगमन के कारण पेट्रोलियम वस्तुओं का उत्पादन करने के लिए तैयार नाइजीरिया के साथ भारत और बाकी दुनिया के साथ इसके अंतरराष्ट्रीय संबंधों की प्रकृति अनिवार्य रूप से एकदम बदल जाएगी। यह कायापलट किसी सीमा तक उन विचारों द्वारा निर्देशित होगी जो अमेरिका में नए ट्रम्प प्रशासन की विशेषता होगी।

> **नाइजीरिया ने अफ्रीकी देशों को कई तरह की मदद दी है जिसके कारण नाइजीरिया के आर्थिक प्रभुत्व पर सवाल नहीं उठाया जा सकता। इसकी अनुमानित आबादी 23.46 करोड़ है जो भारत की अनुमानित आबादी का लगभग 16 प्रतिशत और अमेरिकी आबादी का करीब 60 फीसदी से है। यह महाद्वीप की सबसे बड़ी आबादी है और यही कारण है कि नाइजीरिया को 'अफ्रीकी भीम' कहा जाता है।**

भारतीय नजरिए से देखें तो मध्य पूर्व में तनाव, यूक्रेन-रूस संघर्ष और अपनी विस्तारवादी नीतियों के साथ चीनी कूटनीति के अनिश्चित आयामों के कारण दुनिया की भू-राजनीति पर असर की वजह से अफ्रीकी महाद्वीप के साथ नए संबंधों बनाने के लिए भारत विवश हुआ है।

नाइजीरिया ने अफ्रीकी देशों को कई तरह की मदद दी है जिसके कारण नाइजीरिया के आर्थिक प्रभुत्व पर सवाल नहीं उठाया जा सकता। इसकी अनुमानित आबादी 23.46 करोड़ है जो भारत की अनुमानित आबादी का लगभग 16 प्रतिशत और अमेरिकी आबादी का करीब 60 फीसदी से है। यह महाद्वीप की सबसे बड़ी आबादी है और यही कारण है कि नाइजीरिया को 'अफ्रीकी भीम' कहा जाता है। देश में वैज्ञानिक और शैक्षणिक क्षेत्रों में प्रगति के बहुत मौके हैं। इसके पास जनसांख्यिकीय लाभांश का उपयोग कर कौशल, आधुनिकीकरण के लिए आवश्यक सुधार, सामाजिक-आर्थिक क्षेत्र आतंकवादी समूहों- मुख्य रूप से बोको हरम की हिंसा पर लगाम लगाने के अवसर हैं।

फिर भी नाइजीरिया की प्रगति में एक और बाधा का वहां का कमजोर राजनीतिक और आर्थिक शासन है जिसमें भ्रष्टाचार व्याप्त है। न्याय व्यवस्था भी अन्य संस्थानों की तरह शक्तिशाली अभिजात वर्ग की कैद में हैं। इसलिए कोई आश्चर्य नहीं कि पिछले दस वर्षों में नाइजीरिया के आर्थिक संकेतकों में उच्च मुद्रास्फीति दर, कम वृद्धि और विदेशी मुद्रा भंडार के अपेक्षाकृत अल्प भंडार का बोलबाला है। इस वक्त वार्षिक मुद्रास्फीति 30 प्रति सैकड़ा से अधिक, वार्षिक वृद्धि लगभग 3 प्रश और विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 40 अरब अमेरिकी डॉलर है। विदेशी मुद्रा बाजार दर 1660 नायरा प्रति 1 अमेरिकी डॉलर से अधिक की होने के कारण आर्थिक विविधीकरण और नाइजीरिया की उत्पादन क्षमताओं को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण कच्चे माल और इनपुट के आयात के लिए ज्यादा गुंजाइश नहीं देती है।

इसके बावजूद जैसा कि ईंधन सब्सिडी के उन्मूलन से स्पष्ट है कि वर्तमान प्रशासन यह उम्मीद दिलाता है कि प्रतिबद्धता हो तो विरोध के बाद भी सुधार किए जा सकते हैं। बैंकों के दबदबे वाला वित्तीय क्षेत्र पहले से बेहतर स्थिति में है। यह नई तकनीकों को अपना सकता है तथा साइबर धोखाधड़ी और हमलों को दूर करने के लिए निश्चित उपायों के साथ भुगतान के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है।

भारत ने पिछले 10 वर्षों में उल्लेखनीय आर्थिक रिकॉर्ड बनाया है और 2030 से पहले दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य रखा है। करीब 4 फीसदी दर के साथ मध्यम अवधि में मुद्रास्फीति के सालाना 7-8 प्रश की दर से बढ़ने की उम्मीद है। वर्तमान विदेशी मुद्रा भंडार 700 अरब अमेरिकी डॉलर के करीब है। नई प्रौद्योगिकियां बहुत विकसित हैं और मध्यम से दीर्घकालिक अवधि के भीतर पूरे आर्थिक स्थान पर कब्जा कर लेंगी। तो भी इस स्थिति पर पहुंचने में कच्चे माल और ऊर्जा आपूर्ति की कमी महत्वपूर्ण बाधा है।

इस पृष्ठभूमि पर प्रधानमंत्री की यह यात्रा भारत और नाइजीरिया के संबंधों को आगे बढ़ा रही है। यह व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है कि दोनों देशों को सुधारों व आर्थिक सुशासन की एक विस्तृत श्रृंखला पर भी ध्यान केंद्रित करना होगा। उन्हें आर्थिक बहिष्कार को खत्म करने, रोजगार की संभावनाओं को बढ़ाने तथा आर्थिक असमानताओं को कम करने में भी निवेश करना होगा। दोनों देशों के बीच सहयोग कुछ मुद्दों पर आधारित है जिन्हें अबुजा में भारत और नाइजीरिया की सरकारों के प्रमुखों की बैठक में उठाया गया था। उनमें से मध्यम अवधि में ऊर्जा की आपूर्ति है। इसका मतलब यह है कि जब तक नाइजीरिया पेट्रोलियम उत्पादों के उत्पादन में आत्मनिर्भर नहीं हो जाता तब तक उसे भारत से पेट्रोलियम उत्पादों के आयात पर निर्भर रहना होगा जबकि भारत अपनी बढ़ती तेल मांग को पूरा करने के लिए कच्चे तेल का आयात कर सकता है।

दोनों देशों को चिप्स और सेमी-कंडक्टर के वर्चस्व वाले नए तकनीकी विश्व में विकास के लिए महत्वपूर्ण खनिजों की उपलब्धता का पता लगाने की आवश्यकता है। नाइजीरिया में मिले भूगर्भीय खोजों की जानकारी आसानी से उपलब्ध नहीं होती और यहीं भारत के सहयोग पर नाइजीरिया निर्भर रह सकता है।

नाइजीरिया में इस्पात और बसों, मेट्रो व इंटरसिटी रेलवे सहित सार्वजनिक परिवहन जैसे बुनियादी ढांचे वाले कुछ महत्वपूर्ण उद्योग ज्यादा सक्रिय तथा विकसित नहीं हैं। इन क्षेत्रों में श्रम सुधार, भ्रष्टाचार के रिसाव व लूटमार को जड़ से खत्म करने के लिए सख्त पेशेवर प्रतिबद्धता मजबूत करने की भी आवश्यकता है।

इन क्षेत्रों में सहयोग संधि में कुछ गारंटी खंडों को प्रभावी कर भारत पर नाइजीरिया निर्भर हो सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि स्टील और सार्वजनिक परिवहन दोनों क्षेत्रों में नाइजीरिया का अनुभव काफी निराशाजनक रहा है। दोनों देशों के बीच साझेदारी में रक्षा, सैन्य हथियार और प्रशिक्षण से संबंधित मुद्दे प्रमुख रूप से बने हुए हैं। फिर भी, आपसी विश्वास के आधार पर सार्थक सहयोग में सुधार के लिए दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और शैक्षिक आदान-प्रदान को आगे बढ़ाना होगा।

(पार्वती वासुदेवन मुंबई विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर थीं। ए वासुदेवन आरबीआई के कार्यकारी निदेशक और सेंट्रल बैंक ऑफ नाइजीरिया के गवर्नर के विशेष सलाहकार थे। सिंडिकेट: द बिलियन प्रेस)

पाठ्यक्रम पूरा हुआ नहीं, आ गई वार्षिक परीक्षाएं

सख्ते में शासकीय शालाओं के 9वीं, 11वीं के विद्यार्थी

जबलपुर, देशबन्धु। शासकीय शालाओं में अध्ययनरत 9 वीं और 11 वीं कक्षा के विद्यार्थी इन दिनों तनाव में हैं। इसकी वजह उनकी वार्षिक परीक्षा की तिथी की घोषणा के साथ अधूरा पाठ्यक्रम बताया जा रहा हैं। बताया जा रहा हैं कि शासकीय शालाओं के 9वीं एवं 11वीं कक्षा के विद्यार्थियों की वार्षिक परीक्षाएं 3 फरवरी से हैं और अब तक उन का पाठ्यक्रम पूर्ण नहीं हुआ हैं। आलम ये हैं कि अध्ययन अध्यापन कार्य से इतर अन्य शासकीय कार्यों में कथित तौर पर उलझे शिक्षकों के लिए उनका पाठ्यक्रम पूरा कराना किसी चुनौती से कम नहीं हैं जिसके चलते विद्यार्थी ही नहीं उनके अभिभावक भी तनाव में हैं।

यह बताई जा रही वजह- बताया जा रहा हैं कि शहर के साथ समूचे प्रदेश के लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने 9वीं और 11वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाओं की समय सारिणी जारी कर दी हैं। जिसके अनुसार परीक्षाएं 3 से 22 फरवरी तक आयोजित होंगे। सरकारी शालाओं में विद्यार्थियों का पाठ्यक्रम पूरा करना बड़ी चुनौती बन रहा है। लोक शिक्षक संचालनालय मध्य प्रदेश ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों और प्राचार्यों को वार्षिक परीक्षा के संबंध में दिशा-निर्देश जारी कर दिये हैं। अब सरकारी शालाओं में विद्यार्थियों का पाठ्यक्रम पूरा करना एक बड़ी चुनौती बन गया है। शिक्षकों की कमी से जूझ रही सरकारी शालाओं में इस वर्ष अतिथि शिक्षकों की भर्ती देरी से हुई है इस वजह से पाठ्यक्रम पिछड़ा हुआ है। इसके साथ ही शिक्षकों के अध्यापन कार्य से विरत अन्य शासकीय कार्यों में उलझाए जाने को भी इसकी बड़ी वजह बताया जा रहा हैं। अब देखना होगा कि वार्षिक परीक्षा तक कितना अधूरा पाठ्यक्रम पूर्ण हो पाता हैं। शिक्षकों का कहना है कि इन अव्यवस्थाओं के चलते विद्यार्थियों का भविष्य अधर में लटक रहा हैं।

दिसंबर में होगी अर्धवार्षिक परीक्षाएं- शासकीय शालाओं में पढने् वाले विद्यार्थियों को लगातार परीक्षाओं के दौर से गुजरना पड़ रहा है। जहां पहले तिमाही परीक्षाएं हुई, वहीं अब दिसंबर में अर्धवार्षिक परीक्षाएं आयोजित होगी और फरवरी में वार्षिक परीक्षाएं शुरू हो जाएंगी। शासकीय शालाओं में पढने् वाले 9वीं और 11वीं के विद्यार्थियों को वार्षिक परीक्षा की तैयारी के लिए सिर्फ 1 महीने का ही समय मिलने वाला है। दरअसल शहर के साथ ही प्रदेश भर की शासकीय शालाओं में 9वीं और 11वीं की अर्ध वार्षिक परीक्षा 9 से 19 दिसंबर तक आयोजित होंगी। जिसका परिणाम 30 दिसंबर को आएगा। ऐसे में वार्षिक परीक्षा की तैयारी के लिए सिर्फ जनवरी का ही महीना रहेगा। हालांकि माध्यमिक शिक्षा मंडल से संबंधित निजी शालाओं में ये स्थिति नहीं है। बताया जा रहा हैं कि निर्धारित समयावधि में ये प्रश्नपत्र जिला शिक्षा अधिकारियों को भिजवा दिए जाएंगे। इसके बाद प्राचार्य इन पेपरों को जिला शिक्षा अधिकारियों के पास से संग्रहित कर सकेंगे। कक्षा 9वीं की परीक्षा सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक और 11वीं की परीक्षा दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक होगी।

विद्युत वितरण कंपनी कर रही किसानों से अवैध वसूली!

भारत कृषक समाज ने लगाया आर्थिक, मानसिक शोषण का गंभीर आरोप

जबलपुर, देशबन्धु। विद्युत वितरण कंपनी द्वारा किसानों का आर्थिक व मानसिक शोषण किया जा रहा हैं यही नहीं किसानों से कथित तौर पर अवैध वसूली का कुत्सित प्रयास भी किया जा रहा हैं। भारत कृषक समाज ने यह गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि म.प्र.पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा 12 सितंबर 2024 को सभी किसानों को मोबाइल पर मैसेज भेजे गये कि उनके कृषि पंप की जांच में स्वीकृत भार से अधिक भार पाया गया है, यदि कोई आपत्ति है तो 15 दिवस के अंदर संबंधित विद्युत वितरण केन्द्र में शिकायत दर्ज करें या 1912 में ऑनलाइन शिकायत दें। संदेश प्राप्त होते ही किसानों मे हड़कंप मच गया, वे सकते मे आ गये। भारत कृषक समाज ने कहा कि चूंकि विद्युत वितरण कंपनी द्वारा मैसेज मे उल्लेखित पम्पों की जांच की बात कथित तौर पर पूर्ण रूप से फर्जी थी। कंपनी द्वारा पंपों की नियमानुसार, विधिवत जांच किये बिना हार्स पावर बढ़ाने के संदेश दिये गए। संगठन ने कहा कि इस संबंध में किसानो ने अपने-अपने अपने विद्युत वितरण केन्द्र मे लिखित शिकायत देकर अपनी आपत्ति दर्ज कराई एवं पूर्व के विद्युत देयकों के आधार पर बिलिंग करने का अनुरोध किया। संगठन ने आरोप लगाया कि विडंबना है की विद्युत वितरण कम्पनी द्वारा बिना शिकायत के निवारण किए मनमाने ढंग से किसानों को 3 हार्स पावर की जगह 8 हार्स पावर और 5 हार्स पावर की जगह 10 एवं 15 हार्स पावर के बिल भेजकर कथित तौर पर अवैध वसूली का षडयंत्र रचा गया। संगठन ने कहा कि वस्तु स्थिति की जानकारी के लिए एक उदाहरण के रूप मे किसानों के गैर राजनीतिक, वर्ग विहीन, राष्ट्रीय संगठन भारत कृषक समाज ने 25 नवंबर 2024 को जबलपुर जिले के पनागर वि वि केन्द्र के जूनियर इंजीनियर को दबाव देकर ग्राम सिंगौद (पनागर) के एक कृषक के पंप की जांच जांच कराई गई। किसान का पंप 3 हार्स पावर का है और उन्हे 8 हार्स पावर का बिल थमा दिया गया। जांच के उपरांत पंप 3 हार्स पावर का ही पाया गया। जिसे कंपनी द्वारा कथित तौर पर नकली जांच के नाम पर 8 हार्स पावर बताया जा रहा था। संगठन ने कहा कि इससे यह प्रमाणित हो गया कि विद्युत वितरण कम्पनी द्वारा प्रेषित मैसेज में कही गई जांच की बात कथित तौर पर पूरी तरह से झूठ है।

कलेक्टर के समक्ष उठाया गया मुद्दा- संगठन ने जानकारी दी कि विगत दिनों 27 नवंबर 2024 को जबलपुर कलेक्टर दीपक सक्सेना के साथ कृषकों की मीटिंग के दौरान विद्युत वितरण कंपनी के द्वारा किये गये कथित फर्जीवाड़ा को भारत कृषक समाज के जिला उपाध्यक्ष सुभाष चंद्रा द्वारा जोरदारी से उठाया गया और पूरे मामले पर जांच कराने का आग्रह किया गया। मीटिंग के दौरान श्री चंद्रा ने कलेक्टर से शिकायत की कि विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण यंत्री (ग्रामीण) से जब इस सम्बन्ध मे फोन पर बात की गई तो उन्होंने किसानों के लिए कथित तौर पर अपशब्दों का उपयोग करते हुए उन्हे बेईमान तक कह दिया। मीटिंग में यह भी जानकारी दी गई कि वर्ष 2014 मे भी कृषकों के साथ कथित तौर पर इसी तरह की लूट का षडयंत्र रचा गया था, किसानों की ओर से मामला भारत कृषक समाज द्वारा विद्युत् उपभोक्ता फोरम मे निराकरण के लिए पेश किया गया था, सघन जांच पड़ताल हुई, जिसमें विद्युत वितरण कंपनी को पूर्ण रूप से गलत पाया गया था। एक बार पुन: 22 अप्रैल 2023 मे भी कंपनी ने ऐसे कथित तौर पर फर्जी मैसेज किसानों को भेजे थे, परंतु कृषकों के भारी विरोध और आगामी होने वाले चुनावों के नुकसान के मद्देनजर उस पर अमल नहीं हो सका।

अधिकारियों पर मनमानी का आरोप- संगठन ने कहा कि हैरानी की बात है कि ऊर्जा विभाग द्वारा कृषकों के पंप की जांच हेतु स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाये गये हैं लेकिन अधिकारी कथित तौर पर मनमानी कर रहे है और गाईड लाईन का बेखौफ उल्लंघन कर रहे है और बार-बार षडयंत्र करके कृषकों न केवल लूटने का काम किया जा रहा है। यही नहीं किसानों को खेती बाडी के काम से दूर कर न केवल विद्युत कंपनी के कार्यालयों मे चक्कर काटने मजबूर किया जा रहा है बल्कि उन्हें कथित तौर पर बेइज्जत कर नाना प्रकार से सताया व प्रताड़ित किया जा रहा है, धमकियां दी जा रही हैं। जिससे उनमे भय का वातावरण निर्मित किया जा रहा है। संगठन ने आरोप लगाया कि सरकार से विद्युत कम्पनी के किसानों से अवैध वसूली के इस कुत्सित प्रयास को रोकने तथा किसानों को आर्थिक एवं मानसिक शोषण से बचाने पत्रों के माध्यम से कई बार निवेदन किया गया है। यदि सरकार इसे संज्ञान मे नही लेती तो किसान न्यायालय की शरण लेने मजबूर होंगे।

कलेक्टर ने किया नवीन मंडी का निरीक्षण

जबलपुर, देशबन्धु। कलेक्टर दीपक सक्सेना ने आधारताल तहसील अंतर्गत औरिया- करमेता नवीन मंडी का निरीक्षण किया। इस दौरान एसडीम अभिषेक सिंह, शिवाली सिंह, मंडी सचिव मनोज चौकीकर,कृषि व उद्यानिकी अधिकारी सहित व्यापारी मौजूद थे। कलेक्टर श्री सक्सेना ने कहा कि मंडी की संपूर्ण व्यवस्थाएं बेहतर हो। सुरक्षा व सुविधाओं को लेकर किसी प्रकार की लापरवाही न की जाए। भविष्य में यह एक उन्नत मंडी के रूप में सामने आएगा, अत: नवीन मंडी के पास जो 120 एकड़ जमीन चिन्हित की गई है, उस पर भी आवश्यक कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि नवीन मंडी बनने से कुछ किसानों की जमीन ब्लॉक हो गया है, अत:किसानों की सुविधा का ध्यान रखा जाए। उन्होंने एसडीएम से कहा कि किसानों की जमीन के बदले उन्हें सुविधाजनक स्थान पर जमीन दी जाए। कलेक्टर श्री सक्सेना ने कहा कि मंडी में आने-जाने के लिए रास्ते व्यवस्थित रूप से हो,तत्कालिक रूप से अच्छा ऑफिस बनाएं और आवंटित सभी दुकानों के डिजाइन में एकरूपता रहे। इस दौरान नवीन मंडी को लेकर किसानों व व्यापारियों में बहुत उत्साह दिखाई दिया। वे नई जगह पर, नई सोच के साथ अपनी व्यापार की बेहतर कार्य योजना बना रहे है।

रांझी में जरूरतमंद लोगों को कंबल एवं अनाज का वितरण

जबलपुर, देशबन्धु। समाजसेवी सुधीर सोनू दुबे ने किया वर्ष की तरह इस वर्ष भी गरीब जरूरतमंद लोगों को कंबल एवं अनाज का वितरण जन सुविधा केंद्र रावण पार्क के पास मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव द्वारा लाला लाजपत राय वार्ड, चंद्रशेखर वार्ड, भगत सिंह वार्ड, अंबेडकर वार्ड, सुदर्शन वार्ड, करौंदी वार्ड एवं गोकलपुर वार्ड के जरूरतमंद 200 लोगों को चिन्हित कर उन्हें अपने कार्यालय बुलाकर कंबल एवं कच्चे राशन का वितरण किया एवं उन सभी जरूरतमंद लोगों को शिक्षा संबंधी, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए हमेशा की तरह आश्वासन दिया एवं कुछ लोगों की जिन्हें अभी तत्काल में समस्या थी उनकी मदद भी की।

बीड़ी व्यापारी के यहां पड़ा सेंट्रल जीएसटी का छापा, हुई ज़ब्ती की कार्यवाही

जबलपुर, देशबन्धु। लोकेश कुमार लिल्हारे, आयुक्त, केंद्रीय जीएसटी, जबलपुर के नेतृत्व में, खुफिया जानकारी के आधार पर, एंटी-इवेज़न टीम ने जबलपुर के बलदेवबाग, उखड़ी रोड पर स्थित एम/एस मनीष मार्केटिंग के परिसर पर छापा मारा। यह फर्म क्षेत्र में बीड़ी और तंबाकू के एक बड़े व्यापारी है।

जांच में पता चला कि फर्म बिना उचित दस्तावेज़ या बिल के कोलकाता से बीड़ियों की खरीद कर रही थी। इस जानकारी के आधार पर, एंटी-इवेज़न टीम ने फर्म के गोदाम पर बारीकी से नजर रखनी शुरू की।

28 नवंबर को अधिकारियों ने देखा कि परिसर में बड़ी मात्रा में सामान उतारा जा रहा है। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए टीम ने गोदाम पर छापा मारा और बड़ी मात्रा में बिना हिसाब के रखे गए सामान को बरामद किया। साथ ही यह भी पाया गया कि कुछ सामान बिना वैध बिल या चालान के सप्लाई किया गया था।

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि एम/एस मनीष मार्केटिंग का जीएसटी पंजीकरण अप्रैल से रद्द है। इसके अलावा, उसी गोदाम से एक अन्य फर्म मेसर्स सुन्दरलाल छब्बीलाल संचालित हो रही थी। तलाशी अभियान के दौरान बिना हिसाब के माल और दस्तावेज़ जब्त कर लिए गए। यह तलाशी अभियान अगले दिन सुबह समाप्त हुआ।

लोक निर्माण मंत्री विभिन्न कार्यक्रमों में होंगे शामिल

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह 30 नवम्बर को सुबह 11 बजे सर्किट हाउस क्रमांक 1 में शहर की यातायात व्यंवस्था एवं अतिक्रमण की समस्या के संबंध में जन प्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। मंत्री श्री सिंह दोपहर 12.30 बजे रांझी गुरूद्वारा द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में भाग लेने के उपरांत सिंधी फुलवारी स्कूल कांचघर लालमाटी में छात्रों से संवाद एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में शामिल होंगे। मंत्री श्री सिंह दोपहर 2.30 बजे मानस भवन में आयोजित द-रॉयल हेरीटेज पब्लिक स्कूल रानी दुर्गावती समाधी रोड जबलपुर के वार्षिक उत्सव में भाग लेंगे।

कलेक्टर ने डीएलसीसी बैठक में सरकार के स्व-रोजगार योजनाओं में त्वरित लक्ष्य पूर्ति के दिये निर्देश

जबलपुर, देशबन्धु। कलेक्टर श्री दीपक सक्सेना की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमें आरबीआई के एलडीओ आशीष हसानी, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के रीजनल मैनेजर अविनाश कुमार, एलडीएम दीवाकर ठाकुर सहित बैंकर्स व संबंधित अधिकारी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर श्री सक्सेना ने बैंकों में जमा शाख अनुपात, वार्षिक शाख योजना की उपलब्धि, बैंकवार एवं क्षेत्रवार अग्रिम उपलब्धि ने, एनपीए की स्थिति के साथ सरकार के स्वरोजगार योजनाओं जैसे पीएम स्वानिधि, आजीविका मिशन, पीएमईजीपी, उद्यम क्रांति में बैंकिंग सहभागिता की समीक्षा की। साथ ही कहा कि स्वरोजगार मूलक योजनाओं में त्वरित लक्ष्य पूर्ति सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि पशुपालन, मतस्य पालन, अंत्यावसायी आदि विभागों द्वारा संचालित स्वजरोजगार मूलक गतिविधियों में बैंक का सकारात्मक रूख रहे। हितग्राहियों को अनावश्यक परेशानी न हो। हितग्राही जितना जल्दी बैंक से जुड़ेंगे, उतनी जल्दी ही वे अपनी आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने में तत्पर होंगे।

कलेक्ट्रर ने विशेष रूप से कहा कि जिले में धान और गेहूं का लगभग 4 हजार करोड़ का व्यवसाय होता है, इसके साथ ही अन्य आर्थिक गतिविधियां संचालित होती हैं, जिनका सीधा संबंध बैंकिंग व्यवस्था से होता है।

अत: हर पांच से छ: किलोमीटर में बैंकिंग संस्थाएं सुनिश्चित हो, जिससे लोग आसानी से बैंक और शासकीय योजनाओं से जुड़ सकेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार की स्वरोजगार मूलक योजनाओं के क्रियान्वायन में बैंकर्स का सहयोग बहुत महत्वपूर्ण है, अत: बैंकिंग व्यसवस्था और जन सुविधा का बेहतर तालमेल हो। इसके अलावा कलेक्टर ने अन्य महत्वूर्ण विषयों पर चर्चा कर उस दिशा में सकारात्मक कार्य करने के निर्देश दिये।

क्रांतिकारी वीरांगना झलकारी बाई का जन्मोत्सव मनाया

जबलपुर, देशबन्धु। अखिल भारतीय कोरी समाज जबलपुर द्वारा 1857 की क्रांतिकारी वीरांगना झलकारी बाई का जन्मोत्सव एवं कोरी दर्पण पुस्तिका का विमोचन 01 दिसंबर दिन रविवार को दोपहर 12 बजे इंडियन काफी हाऊस, पुलिस कंट्रोल रूम के बाजू में मनाया जायेगा। पत्रिका का विमोचन मध्यप्रदेश कोरी समाज के अध्यक्ष अर्जुन शाक्यवाल एवं राष्ट्रीय महासचिव टीकमचंद शाक्यवार द्वारा किया जायेगा। समाज की राष्ट्रीय महिला मोहिनी शाक्यवाल, रघुवीर अथलोरिया, प्रदेश युवा अध्यक्ष, अजय कोरी प्रदेश उपाध्यक्ष, संतोष कोरी, गौरव कोरी, श्रीमती रेणु कोरी पार्षद, सनी कोरी, एड. अक्षय विनोदिया आदि ने समाज के सभी लोगों से कार्यक्रम में पहुंचने की अपील की है।

साइबर तहसील में हुआ 3 हजार 330 प्रकरणों का निराकरण

जबलपुर, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए राजस्व महाअभियान चलाया जा रहा है। जिसमें विभिन्न घटक जैसे नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरूस्ती, सीमांकन, नक्शा। सुधार, पीएम किसान योजना में आधार-खसरा लिंकिंग आदि शामिल है।

राजस्व प्रकरणों के त्वरित निदान के लिए 15 नवम्बर से 15 दिसम्बर तक राजस्व महाअभियान 3.0 चलाया जा रहा है। जिसमें 29 नवम्बर की स्थिति में जबलपुर जिला में नामांतरण के 4 हजार 700 प्रकरणों में 2 हजार 184 प्रकरणों का, बंटवारा में 199 प्रकरणों में 140 प्रकरणों का, अभिलेख दुरूस्ती में 244 के लक्ष्य में 125 प्रकरणों का, सीमांकन के 1 हजार 078 प्रकरणों में 471 प्रकरणों का, नक्शां तरमीम में 1 लाख 86 हजार 095 प्रकरणों में 985 प्रकरणों का और आधार-खसरा लिंकिंग में 6 लाख 35 हजार 266 प्रकरणों में 2 हजार 257 प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है। इसी प्रकार पीएम किसान आधार लिंकिंग में 1 लाख 48 हजार 775 प्रकरणों में 1 लाख 41 हजार 200 प्रकरणों का आधार लिंकिंग तथा साइबर तहसील में 3 हजार 596 दर्ज प्रकरणों में 3 हजार 330 प्रकरणों का निराकरण किया गया है।

विधायक ने स्कूलों का निरीक्षण कर बताया शिक्षा का महत्व

जबलपुर, देशबन्धु। जिला प्रशासन स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। वहीं जनप्रतिनिधि भी इसमें सक्रिय सहयोग कर रहें है। इसी तारतम्य में पाटन विधायक अजय विश्नोई ने पाटन क्षेत्र का भ्रमण कर शिक्षा के महत्व को बताया। साथ ही शैक्षणिक संस्थाओं को सुविधा संपन्न बनाने पर जोर दिया। ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा मिल सके।

उन्होंने स्कूलों के निरीक्षण के दौरान शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नुनसर तथा उड़ना के विद्यालयों का निरीक्षण किया तथा विद्यार्थियों की कम उपस्थिति पर अप्रसन्नता भी व्यनक्त की। विधायक ने जिला शिक्षा अधिकारी को स्कूलों की बेहतर व्यावस्थाा सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

विधायक कन्या उमावि नुनसर का सर्वप्रथम निरीक्षण कर वहां मौजूद जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याईम सोनी को शिक्षा संबंधी समस्याओं को दूर करने के निर्देश दिये। इस दौरान विद्यालय में पदस्थ 5 शिक्षक-शिक्षिका अवकाश पर थे तथा विद्यालय के लेखपाल डीसी हलवा एवं सहायक ग्रेड 3 जयप्रकाश उरांव बिना सूचना के अनुपस्थित थे। विद्यालय प्रांगण में साफ सफाई नहीं थी, वाहन अव्यवस्थित थे। डीईओ ने उड़ना में माध्यमिक शिक्षक श्रीमती माधुरी गुप्ता तथा सहायक ग्रेड 3 निलय तिवारी को अनुपस्थित पाए जाने पर उनके वेतन काटने के निर्देश प्राचार्य को दिए गए।

जेंडर आधारित हिंसा उन्मूलन के लिए जगह-जगह शिविर आयोजित

जबलपुर, देशबन्धु। जेंडर आधारित हिंसा उन्मूलन के लिए हम होंगे कामयाब अभियान के अंतर्गत कलेक्टर दीपक सक्सेना के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न स्थानों पर जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। अभियान अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रों, वन स्टाफ सेंटर, पुलिस के ऊर्जा डेस्क तथा विभिन्न समुदायों के बीच घरेलू हिंसा रोकथाम के लिए आयोजित कार्यशाला और जागरूकता शिविरों में जेंडर आधारित हिंसा उन्मूलन के संबंध में जानकारी दी गई। मझौली के इंद्राणा में महिलाओं को घरेलू हिंसा सुरक्षा अधिनियम पर संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, वहीं कुंडेश्वर धाम आदिवासी क्षेत्र में वन स्टाफ सेंटर के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। जिसमें बताया गया कि यदि किसी महिला को घरेलू हिंसा की जाती है तो वह तत्काल वन स्टाफ सेंटर जबलपुर में आकर अपनी शिकायत दर्ज कर सकती है। वन स्टाफ सेंटर में उसे रहने, कानूनी सलाह देने, थाने के साथ समन्वय बनाने, स्वास्थ्य दवाई आदि की संपूर्ण व्यवस्था की जाती है और उसके सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाता है। महिलाओं को 1098 डायल के बारे में भी विस्तृत रूप से बताया गया। जबलपुर शहर में वन स्टॉप सेंटर द्वारा हाई कोर्ट के वकीलों और जिले के अन्य वकीलों के साथ वन स्टाफ सेंटर के कार्यों और उनके प्रावधानों का विस्तृत विचार विमर्श कार्यशाला के माध्यम से किया गया। शहरी क्षेत्र में विशेषकर झुग्गी बस्ती में रहने वाली महिलाओं को महिला कानून के बारे में मोटे तौर पर समझाया गया। उन्हें बताया गया कि वर्तमान में महिलाओं की सुरक्षा और बच्चों की सुरक्षा के लिए अनेक कानूनी प्रावधान किए गए हैं। पुलिस द्वारा इस संबंध में ऊर्जा डेक्सो की भी स्थापना की गई है। इस दौरान गुड टच और बेड टच के बारे में आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों को और किशोरी बालिकाओं को समझाया गया। महिला जागरूकता कार्यक्रमों में स्थानीय स्तर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

बस्तियों के नागरिकों के लिए 9 सार्वजनिक शौचालयों को किया जायेगा नि:शुल्क : महापौर

जबलपुर, देशबन्धु। महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' की अध्यक्षता में मेयर इन काउंसिल की बैठक सम्पन्न हुई जिसमें शहर हित में अनेक महात्वपूर्ण निर्णय लिये गए। बैठक के दौरान महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' ने बताया कि जबलपुर शहर तेजी से बढ़ रहा है महानगर की ओर। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की घोषणा एवं मंशा अनुरूप गौवंश के संरक्षण के लिए उमरिया में निगम की खाली पड़ी भूमि पर हाईटेक गौशाला बनेगी। जिससे सड़कों पर गौवंश न दिखे और वो सारे गौवंश एक जगह रहें उनको भी भरपूर खाना एवं पानी अच्छे से मिले, इस गौशाला में लगभग 6 हजार गौवंश आ सकेगें। इस सबसे नागरिकों को भी यातायात में कोई परेशानी नही होगी एवं एक्सीडेंट की संभावनाओं को भी कम किया जा सकेगा। इस प्रस्ताव को एम.आई.सी. की बैठक में पारित किया गया।

उन्होंने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत बस्तियों के नागरिकों के लिए 9 सार्वजनिक शौचालयों को नि:शुल्क किया जायेगा जो शहर की बस्तियों के अंदर स्थापित होगें। इससे खुले में शौच को बढ़ावा नहीं मिलेगा और गंदगी से भी निजात मिलेगी, जिससे धीरे-धीरे बस्तियों का वातावरण भी स्वच्छ होगा। इस प्रस्ताव को एम.आई.सी. की बैठक में पारित किया गया।

उन्होंने बताया कि अमृत योजना अंतर्गत सीवरेज कार्य को गति मिल सके इसके लिए आपसी करार से भूमि का क्रय किये जाने की एम.आई.सी. की बैठक में स्वीकृति प्रदान की गयी। उन्होंने बताया कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट नियम 2016 के अंतर्गत सड़क पर कचरा फेकना, नालियों में कचरा फेकने पर अब बड़े-बड़े जुर्माने निर्धारित किये गए हैं जो कि 1 दिसम्बर से पूरे शहर में तेज गति से लागू किया जायेगा। इसके लिए नगर निगम द्वारा टीम गठित की गई है, जो नियमित रूप से 1 दिसम्बर से कार्यवाही करेगी। जिससे सड़कों पर कचरा नहीं दिखेगा, और नाला-नालियाँ चेक नहीं होंगी, जिससे शहर साफ-सुथरा नजर आयेगा। इस प्रस्ताव को एम.आई.सी. की बैठक में पारित किया गया इसके अलावा निगम के अधिकारियों कर्मचारियों के हित में भी अनेक निर्णय लिये गए और स्वीकृति प्रदान की गई जिसमें अधिकारियों कर्मचारियों को 4 प्रतिशत ब? मँहगाई भत्ता, पेंशनर्स को 46 प्रतिशत के स्थान पर 50 प्रतिशत मँहगाई राहत, मंहगाई भत्ते की दर में वृद्धि आदि लाभ शामिल हैं एवं नगर निगम के वरिष्ठ और अनुभवि अधिकारी कार्यपालन यंत्री आदित्य शुक्ला को संविदा में रखे जाने का प्रस्ताव पारित किया गया।

एचटीटीपीपीएस की सिक्योरिटी करें चैक, अपडेट पासवर्ड को रखें स्ट्रॉन्ग

कम्प्यूटर सिक्टोरिटी डेः एक्सपर्ट का कहना है सेफ ब्राउजिंग से सिक्योर रहेगा कम्प्यूटर

जबलपुर, देशबन्धु। टेक्नोलॉजी का दौर जितनी तेजी से बदल रहा है, उतनी तेजी से लोगों की दिनचर्या में शामिल होता जा रहा है। असर यह है कि टेक्नोलॉजी के इस दौर में हर कोई एक कदम आगे रहना चाहता है। इसके लिए कोई स्मार्ट वर्ल्ड से कनेक्ट रहता है, तो कोई कम्प्यूटर और स्मार्टफोन से जुड़ी हर बारीक चीज को समझने की कोशिश करता है। टेक्नोलॉजी पर डिपेंड रहने के कारण कई पर्सनल और सोशल चीजें भी सोशल मीडिया अकाउंट से लीक हो रही हैं। सोशल मीडिया अकाउंट का हैक होना इन दिनों आम बात हो चुकी है। इसके बाद भी सावधानी बरतने से साइबर सिक्टोरिटी से जुड़ाव बना रह सकता है। लोगों को साइबर सिक्टोरिटी से जोड़ने के लिए ही हर साल 30 नवम्बर को कम्प्यूटर सिक्योरिटी और साइबर सिक्योरिटी दिवस मनाया जाता है।

सिक्योरिटी में जरूरी सेफ वेब ब्राउजर

स्टेट साइबर सेल एसआई हेमंत पाठक ने बताया कि हैकिंग इन दिनों सामान्य हो चुकी है। सोशल मीडिया अकाउंट के साथ इमेल, कम्प्यूटर तक हैक हो रहे हैं। ऐसे में कम्प्यूटर की सिक्योरिटी के लिए वेब ब्राउजर यूज करने की जरूरत होती है। हमेशा किसी को साइट पर जाने के लिए एचटीटीपीपीएस का ध्यान रखना चाहिए, इसमें एस का मतलब सिक्योर से होता है। इस वेब पेज पर ओपन किया सर्च और डाटा सिक्योर रहता है।

लॉग इन एक्टिविटी देखें

सोशल मीडिया पर सिक्टोरिटी चैक करने के लिए लॉग इन एक्टिविटी का ध्यान रखना जरूरी है। इससे आसानी से हैक एंड चैक एक्टिविटी को पहचाना जा सकता है। यदि हैक की समस्या हुई है तो कोई भी साइट ओपन नहीं होगी। पासवर्ड मैच नहीं होगा, ईमेल में कोई भी फाइल बिना आपके ओपन किए ही खुली रहेगी। इस स्थिति में लॉग इन एक्टिविटी देखते रहें, ताकि कहीं और लॉग इन होने पर सूचना मिलेगी। इसके साथ ही समय-समय पर ई-मेल और सोशल मीडिया एकाउंट्स का पासवर्ड बदलते रहें। कम्प्यूटर को सिक्योर करने के लिए बेहतर एंटी वायरस का इस्तेमाल करें।

कोई भी एक्सेस करने से बचें

साइबर सिक्योरिटी के लिए जरूरी है कि कभी फोन बुक का एक्सेस ना करें। इसके साथ ही फोटो गैलरी का एक्सेस करना, रीसेन्ट कॉल की रीकवरी जैसी एक्टिविटी से बचे। इसके साथ ही अनजान नंबर पर जानकारी साझा करने से बचाव करना बेहद जरूरी है।

इन बातों का रखें ध्यान

- रिवॉर्ड्स मैसेज पर बिना समझे क्लिक न करें।
- किसी भी अननोन लिंक को डिवाइस पर ओपन न करें।
- वेबपेज कुकीज को सोच-समझकर अलाऊ करें
- फोन कॉल पर ओटीपी शेयरिंग से बचें

एग्जाम टाइम में स्कूलों में बच्चों के लिए अपनाई जा रही नई तकनीक

कबाड़ के जुगाड़ से बना रहे यूनीक मॉडल्स

जबलपुर, देशबन्धु। नवम्बर खत्म होते ही एग्जाम की तैयारी शुरू हो चुकी है। ऐसे में स्कूलों में टीचर्स जहां पढ़ाई की न्यू टेक्निक पर काम कर रहे हैं, वहीं प्राइमरी सेक्शन के लिए खेल-खेल में पढ़ाई की ट्रिक्स अपना रहे हैं। विशेषकर गवर्नमेंट स्कूलों में टीचर्स नवाचार के कॉन्सेप्ट पर जमकर काम रहे हैं। इसके चलते कई सुरीला पियानो बनाया जा रहा है, तो कहीं कार्टून टॉय के जरिए पोयम याद करवायी जा रही है।

खेल-खेल में पढ़ाई का कॉन्सेप्ट- नई शिक्षा नीति के बाद से खेल-खेल में पढ़ाई के कॉन्सेप्ट पर हर टीचर फोकस कर रहे हैं। स्कूल टीचर महेश कुमार का कहना है कि हर बच्चे को अलग सब्जेक्ट से जुड़ी प्रॉब्लम होती है। ऐसे में सभी बच्चों को स्टडी कंटेंट आसानी से समझ में आ सके, इसलिए कई ऐसे मॉडल्स बनाए जाते हैं जिसमें बच्चों को पढ़ाई में मदद मिल सके।

खुद तैयार कर रहे प्रोजेक्ट- शिक्षक इंद्र सिंह राजपूत ने बताया कि वे शासकीय स्कूल में पदस्थ हैं। बच्चों के रिजल्ट को बेहतर बनाना और उन्हें पढ़ाई के विभिन्न मुद्दों से जोड़ना अहम काम हो जाता है। इसके चलते वे खुद कई तरह के प्रोजेक्ट और मॉडल्स तैयार करते हैं। उन्होंने बताया कि उनके सभी मॉडल कबाड़ का इस्तेमाल करके बने होते हैं, ताकि बच्चों को चीजें समझने में आसानी हो। हाल ही में उन्होंने एक अक्षर पियानो बनाया है। कार्टून से बनाया यह पियानो प्रेस करने पर अक्षरों को चिन्हित करता है। रोचक बनाने के लिए इसमें घुंघरु लगाए गए हैं, ताकि बच्चे म्यूजिक के साथ हिन्दी और इंग्लिश ग्रामर समझ सकें।

किताबी नहीं प्रैक्टिकल नॉलेज- स्कूल टीचर्स का कहना है कि बच्चों को किताबी ज्ञान की बजाय अब प्रैक्टिकल नॉलेज देने का ट्रेंड बूम कर रहा है। स्कूल एजुकेशन द्वारा इसी कॉन्सेप्ट पर फोकस करके टीचर्स के लिए गाइडलाइन तय कर दी गई है। अब शिक्षक भी कबाड़, जुगाड़ और नवाचार की राह में यूनीक मॉडल तैयार कर रहे हैं।

जीवन में आने वाली आपदाओं से नहीं घबराएः ब्रह्माकुमारी पूजा दीदी

जबलपुर, देशबन्धु। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय कटंगा कॉलोनी सेवा केंद्र के सहयोग से श्री राम इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलाजी में विधार्थियों के लिए स्व प्रबंधन नेतृत्व कार्यक्रम का आयोजन किया गया 7 मैडिटेशन एक्सपर्ट ब्रह्माकुमारी पूजा दीदी ने कहा कि ये संसार चुनौतियों का समंदर है। उन्होंने कहा कि चुनौतियां हमारे लिए एक अवसर हैं।

चुनौतियों से ही पता चलता है कि हम भीतर से कितने शक्तिशाली हैं। उन्होंने कहा कि एक कमजोर मन के आगे छोटी सी परिस्थिति भी बहुत बड़ी चुनौती बन जाती है। सकारात्मक एवं शुद्ध चिंतन के द्वारा ही मन को शक्तिशाली बना सकते हैं। राजयोग के द्वारा ही हमारा चिंतन श्रेष्ठ होता है। आपने आगे कहा कि हम जो कुछ सोचते हैं उसकी तरंगें ब्रम्हांड में जाती हैं। और प्रकृति उसी को वापस लौटा देती है। इसलिए हमें वही सोचना और करना है जो हमारे लिए उचित हो। निश्चित कर लीजिये कि छोटी छोटी बातें हमारी शांति को नहीं छीन सकतीं। बातें बड़ी नहीं होतीं, हम सोच सोच कर उसे बड़ा कर देते हैं। हम जितना कम सोचेंगे हमारी समस्या उतनी ही कम होंगी।

इस कार्यक्रम के आयोजन में श्रीमती पूजा खुराना आनंद, कुमारी पूजा बचवानी, कुमारी रानू राठोड , श्रीमती नंदिनी रजक शिक्षको समेत अनेक विधार्थी उपस्थित थे।

अलंकरण समारोह व हास्य कवि सम्मेलन

जबलपुर, देशबन्धु। प्रसंग संस्था के स्थापना दिवस के अवसर पर नृत्यश्री अलंकरण समारोह 1 दिसंबर को दत्त मंदिर गोल बाजार में होगा। संयोजक इंजी. विनोद नयन ने बताया कि कार्यक्रम में शास्त्रीय एवं उप शास्त्रीय शैली पर 100 बच्चे नृत्य प्रस्तुति देंगे। प्रथम विजेताओं को चांदी का मुकुट सौंपा जाएगा। इसके साथ ही समारोह में तीन काव्य कृतियों का विमोचन होगा, वहीं कवि अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन में देशभर से कवि काव्य और रचनापाठ करेंगे।

प्रतिभाओं का होगा सम्मान

जबलपुर, देशबन्धु। प्रतिभा सम्मान समिति के तत्वावधान में 26वां वार्षिक आयोजन 30 नवम्बर को दोपहर 1 बजे से सरस्वती शिशु मंदिर गंगानगर में आयोजित होगा। समारोह में लघु काशी क्षेत्र की नवोदय प्रतिभाओं, जिन्होंने कक्षा पांचवी, आठवीं, दसवीं एवं 12वीं में क्षेत्रीय स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय प्राप्त किया हो उन्हें प्रशस्ति पत्र एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही आदर्श छात्र, आदर्श बालिका को भी क्षेत्रीय स्तर पर सम्मानित किया जाएगा।

जैन महिला परिषद् आदिनाथ शाखा का कार्यक्रम

साउथ इंडियन थीम पर सेलिब्रेशन

जबलपुर, देशबन्धु। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद् आदिनाथ शाखा का स्थापना दिवस गोपाल बिहार में मनाया गया। कार्यक्रम की थीम साउथ इंडियन रखी गई थी। मुख्य अतिथि विमला चौधरी, डॉ. कुसुम जैन, विजय लक्ष्मी, रानी जैन रहीं। अतिथियों ने संस्था के पूर्व अध्यक्षों को निष्ठा और सेवाकार्यों के लिए सम्मानित किया। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष इंदिरा जैन, लता जैन, रानी जैन, संरक्षिका अर्चना मलैया, ज्योति, पुष्पा, साधना, निशा, रश्मि पारस, सीमा रूपाली, संगीता सिंघई, अर्चना रजनीश, शैलजा, संगीता पारस, सविता, मनीषा, आकांक्षा, प्रियंका, रंजना, रेशमा सहित बालिका मंडल की प्रांतीय अधिकारी गुनगुन को सम्मानित किया गया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां रहीं खास- कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति बेमिसाल रही। इस दौरान थीम के अकॉर्डिंग महिलाओं ने डांस और एक्ट परफॉर्म किया। इस दौरान पूनम, साक्षी, दिव्या और रुचि, हर्षिता, सोनम, शेफाली, शालिनी ने मंगलाचरण और नृत्य की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में अध्यक्ष प्राची जैन, सचिव मोना जैन, कोषाध्यक्ष निधि जैन, मोना जैन, संगीता सिंघई मौजूद रहीं।

दैनिक राशिफल

शनिवार 30 नवम्बर 2024 का पंचांग विक्रम संवत् 2081, शक संवत 1946 हिजरी 1445। मार्ग शीर्ष कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी नक्षत्र-विशाखा।

मेष
आज मन व्याकुल रहेगा और शरीर में आलस्य छाया रहेगा। स्वास्थ्य कुछ नरम-गरम हो सकता है। काम में सफलता देर से मिलेगी।

वृषभ
सरकार विरोधी काम और एक्टिविटी से दूर रहने की सलाह आपको दी जाती है। नए काम की शुरुआत ना करें। स्वास्थ्य भी बिगड़ सकता है।

मिथुन
आज का दिन सुख और शांतिपूर्वक गुजार सकेंगे। दैनिक कामों में कुछ ज्यादा ही व्यस्त रह सकते हैं। मन को प्रसन्न रखने के लिए आप मनोरंजन का सहारा लेंगे। क.589-260

कर्क
व्यवसाय स्थल पर वातावरण अनुकूल रहेगा। मायके से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। पारिवारिक वातावरण भी अनुकूल रहेगा। विरोधियों को लाभ प्राप्त नहीं हो पाएगा।

सिंह
प्रणय प्रसंग के लिए आज का दिन अनुकूल है। फिर भी गुस्से पर संयम रखें। पेट से संबंधित रोगों से कोई कष्ट हो सकता है।

कन्या
आज शारीरिक ताजगी का आपमें अभाव रहेगा। किसी बात की चिंता से काम में मन नहीं लगेगा। धनहानि होने की आशंका है। क्रोध पर संयम रखें।

तुला
नए काम की शुरुआत करने के लिए दिन अच्छा है। प्रिय व्यक्ति के साथ हुई मुलाकात आनंददायी रहेगी। भाग्यवृद्धि का अवसर मिलेगा।

वृश्चिक
निर्धारित काम न होने के कारण हताशा का अनुभव होगा। किसी भी महत्वपूर्ण काम का डिसीजन आज ना लें।

धनु
आज आपको आर्थिक लाभ मिलने के संकेत हैं। किसी स्नेहीजन के घर मांगलिक प्रसंग में उपस्थित रहना होगा। किसी मंदिर या धार्मिक जगह पर जाना हो सकता है। दांपत्यजीवन में सुख और आनंद मिलेगा।

मकर
कोर्ट कचहरी के मामलों से आज दूर रहें। मन में किसी बात को लेकर आज चिंता रह सकती है। आपके नकारात्मक विचार काम पर सीधा प्रभाव डालेंगे।

कुंभ
आज के दिन की शुरुआत लाभदायी है। सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में आप प्रगति करेंगे। किसी नए व्यक्ति से रिश्ता बन सकता है।

मीन
आपके विचारों में आज दृढ़ता अधिक नहीं होगी। व्यापार में भागीदारी के काम से लाभ होगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। बिजनेस को बढ़ाने का प्रयास करेंगे। म. 230-390

3,5,7,9,31,55,70,99,42,57,07,19

जेंडर सेंसेटाइजेशन पर किया संवाद

जबलपुर, देशबन्धु। एकीकृत बाल विकास परियोजना के अंतर्गत परियोजना स्तरीय जेंडर आधारित हिंसा उन्मूलन विषय पर जनसंवाद कार्यक्रम भान तलैया बालक प्राथमिक स्कूल में किया गया।

कार्यक्रम में एसआइ संध्या तिवारी, एड. ममता पटेल ने महिलाओं को घरेलू हिंसा रोकथाम अधिनियम, कार्य स्थल पर महिलाओं का लैंगिक शोषण अधिनियम, बाल विवाह निषेध अधिनियम, पॉक्सो एक्ट, गुड टच-बैड टच के संबंध में जानकारी दी। पर्यवेक्षक सविता अग्रवाल, आरती पांडेय ने बालिकाओ को महिला हेल्पलाइन, चाइल्ड हेल्पलाइन, पोक्सो एक्ट, दहेज प्रतिषेध अधिनियम, घरेलू हिंसा अधिनियम से जुड़ी जानकारी दी गई। इसके साथ ही जेंडर आधारित भेदभाव पर भी संवाद किया। कार्यक्रम में परियोजना अधिकारी रितेश दुबे का सहयोग रहा।

माँ नर्मदा कलश यात्रा संयोजक की लंदन से वापसी

जबलपुर, देशबन्धु। 108 देश की माँ नर्मदा कलश यात्रा कर रहे रवि करण साहू द्वितीय चरण की तैयारी बैठक हेतु लंदन पहुंचे जहां विभिन्न देशों से आए हुए प्रतिनिधि ने हिस्सा लिया यह यात्रा भारत से बाहर रह रहे सभी भारतीय को संगठित करने के उद्देश्य से की जा रही है वैश्विक स्तर पर भारत की संस्कृति सभ्यता वीर विश्व पर पहुंचे इसके लिए श्री साहू लगातार प्रयास कर रहे हैं। 5 दिवसीय प्रवास से 30 नवम्बर को 11 बजे एयर इंडिको एयरलाइंस से दिल्ली से जबलपुर एयरपोर्ट आगमन हो रहा है समस्त स्वजाति एवं धार्मिक बंधुओं से एवं मित्र बंधुओं से निवेदन है कि रविकरण साहू कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त तेलघानी बोर्ड के अध्यक्ष स्वागत का करने उपस्थिति दर्ज कराई।

निजी अस्पतालों के अनियमिताओं को लेकर युवक कांग्रेस का ज्ञापन

जबलपुर, देशबन्धु। म.प्र. युवक कांग्रेस की उगुवाई में जिला कलेक्टर के नाम निजी अस्पतालों द्वारा अनावश्यक बिलिंग और स्वास्थ्य नियमों के उल्लंघन के संबंध में ज्ञापन सौंपा गया ज्ञापन में निजी अस्पतालों की मनमानी रोकने और स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु 10 प्रमुख मांगे रखी गई युवक कांग्रेस नेताओं ने इन मांगों पर शीघ्र कार्यवाही की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि यदि समाधान नहीं हुआ तो व्यापम जन आंदोलन शुरू किया जायेगा। इस अवसर पर एड. कौशल यादव, एड.

श्रीकांत विश्वकर्ता,एड अमित मिश्रा, एड अजय चक्रवर्ती, प्रतीक शुक्ला, नीलेश महार, यशु नीखरा, करन ग्रेवाल, नीलेश सोनी, राजा बेन, विशेष दाहिया सहित कई युवा नेता उपस्थित रहे।

विकास होने से नये शहर की परिकल्पना साकार होगीः संभागायुक्त

जबलपुर, देशबन्धु। जबलपुर विकास प्राधिकरण की नवीन विकासधीन योजना क्रमांक 64 एवं 65 में चल रहे अधोसंरचना विकास कार्यों तथा अन्य निर्माणधीन बिल्डिंग प्रोजेक्ट का 29 को श्री अभय वर्मा, संभायुक्त सह अध्यक्ष जेडीए द्वारा जेडीए सीईओ दीपक कुमार वैद्य तथा जेडीए के अन्य अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान जेडीए सीईओ दीपक वैद्य ने यो.क्र.64 एवं 65 के विस्तृत प्लान एवं विकास कार्यों की भविष्य की कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी से संभागायुक्त श्री वर्मा को अवगत कराया गया श्री वैद्य ने बताया कि इन योजनाओं में मास्टर प्लान की 48 मीटर चौड़ी एवं लगभग 2.50 कि.मी. लम्बी एस आर सड़क है, जिसका निर्माण कार्य प्रारम्भ करा दिया गया है।

जो शीघ्र ही पूर्ण करा दिया जायेगा। इस सड़क का निर्माण पूर्ण होने से मुख्य मार्ग ए.आर.पी.-4 एवं एस आर 3 की कनेक्टिविटी सीधे नागपुर-कटनी बाईपास से हो जायेगी, जिससे 8 किलोमीटर की दूरी से बचत होगी एवं ईधन की बचत के साथ ही यातायात सुदृढ़ीकरण को नई दिशा मिलेगी, इसके साथ ही पाटन बायपास के यातायात दबाव से भी काफी हद तक निजात मिल सकेगी। संभायुक्त श्री वर्मा द्वारा दोनों योजनाओं की आंतरिक प्लानिंग की विस्तृत चर्चा की, जिसके संबंध में सीईओ श्री वैद्य द्वारा बताया गया कि ये दोनों योजनाऐं लगभग 500 एकड़ में विकसित की जा रही है।

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्गति दे भगवान

श्री लाल बहादुर थापा- सुअर कोल डुमना रोड निवासी श्री लाल बहादुर थापा (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती गीता सोनी- दक्षिण मिलौनीगंज निवासी श्री घनश्याम सोनी की धर्मपत्नी श्रीमती गीता सोनी (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री नारायण राव विश्वकर्मा- गोपाल होटल लालमाटी निवासी श्री नारायण राव विश्वकर्मा (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मानिक लाल यादव- उडिया मोहल्ला छोटी ओमती निवासी श्री मानिक लाल यादव (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री दिगम्बर नाथ पांडे- एलआईसी कॉलोनी आमनपुर निवासी श्री दिगम्बर नाथ पांडे (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री दिनेश यादव- बाबा टोला राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री दिनेश यादव (46) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सुमित्रा बाई- खितौला सिहोरा निवासी श्री मुल्लू की धर्मपत्नी श्रीमती सुमित्रा बाई (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सूर्यकांत झा- शोभापुर पहली गली निवासी श्री सूर्यकांत झा (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया किया गया।

श्री सोनू सेन- पुराना कंचनपुर अधारताल निवासी श्री राम सेवक सेन के पुत्र श्री सोनू सेन (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मुफत लाल कुचबंधिया- कुचबंधिया मोहल्ला नेहरू वार्ड निवासी श्री मुफत लाल कुचबंधिया का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री भूरा पटेल- गंगानगर गढ़ा निवासी श्री कुंवर पटेल के पुत्र श्री भूरा पटेल (43) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री प्रताप चंद साहू- कोतवाली बाजार निवासी श्री प्रताप चंद साहू (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री अखिलेश खरे- रांझी नई बस्ती निवासी श्री अखिलेश खरे (49) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सरजू चौधरी- सरकारी कुआं चौधरी मोहल्ला घमापुर निवासी श्री केसरी चौधरी के पुत्र श्री सरजू चौधरी (37) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती कांति बाई- रांझी गांधी व्यायाम शाला के पास निवासी श्री लखन लाल की धर्मपत्नी श्रीमती कांति बाई (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

कटंगी बाईपास में दिन दहाड़े चली गोलियां

रेत मुरम गिट्टी की रायल्टी का विवाद

जबलपुर,देशबन्धु। माढ़ोताल थाना अंतर्गत शुक्रवार दोपहर दिन दहाड़े रेत-गिट्टी के विवाद को लेकर जमकर खूनी संघर्ष हुआ। घटना में दो युवकों द्वारा एक युवक पर तमंचे से गोलियां चला दीं, जिसके बाद युवक को घायल अवस्था में उपचार के लिए ले जाया गया, जहां उसकी स्थिति स्थिर बनी हुई है।

वहीं पुलिस ने मामले में आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरु कर दी है। जानकारी अनुसार कटंगी बाईपास में रेत गिट्टी का काम करने वाले मोहित राजपूत और नीरज तिवारी

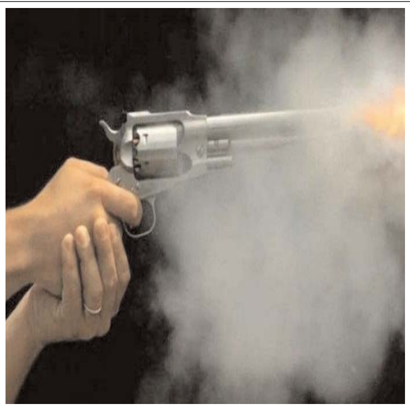

ने अशोक वंशकार नाम के युवक पर रॉयल्टी लेने के विवाद पर गोलियां चला दी, पिछले कई दिनों से उनके बीच तनातनी का माहौल बना हुआ था। मोहित और नीरज रॉयल्टी देने के पक्ष में नहीं थे इसके बाद इन दोनों पक्षों में विवाह गहरा गया और आज दोपहर के वक्त नीरज और मोहित ने अशोक वंशकार पर गोली चला दी, अशोक का इलाज जारी है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है, आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पान दुकान से सामग्री और नगदी चुरा ले गये चोर

यादव कॉलोनी क्षेत्र में वारदात

जबलपुर,देशबन्धु। लार्डगंज थानातंर्गत यादव कालोनी पुलिस चौकी के समीप स्थित एक पान दुकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर सामग्री व 35 हजार रुपये की नगदी चुरा ले गये। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

पुलिस ने बताया कि संजय नगर निवासी 36 वर्षीय सतेन्द्र पासवान रोमा चटर्जी हॉस्पिटल के पास पान दुकान का संचालन करते है। बीती रात वह अपनी दुकान बंद कर अपने घर चला गया था। सुबह जब दुकान पहुंचा तो दुकान के पूरे ताले टूटे हुए बाहर पड़े थे, अंदर पूरी सामग्री बिथरी पड़ी थी। गल्ले में दिनभर की बिक्री के लगभग पांच हजार रूपये एवं व्यापारियों को देने हेतु रखी राशि तीस हजार रूपये तथा दुकान में पड़े पान मसाला, सिगरेट, बीडी, अगरबत्ती एवं अन्य सामान भी गायब है। कोई अज्ञात चोर दुकान का ताला तोड़कर नगदी रूपये एवं अन्य सामान चोरी कर ले गया।

आरटीओ विभाग की कार्यशैली कटघरे में!

कारनामों को दबाने करोड़ों के कमीशन बांटने का आरोप

जबलपुर,देशबन्धु। परिवहन आयुक्त ग्वालियर कार्यालय की कथित तौर पर कमीशन सूची सार्वजनिक होने पर हंगामा मचने के बाद उच्चस्तरीय जांच की मांग उठ रही हैं। दावे किए जा रहे हैं कि सूची फर्जी हैं इस मामले में क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय सहित ग्वालियर कार्यालय की चुप्पी मामले को और भी संदेहास्पद बना रही हैं। आरोप लगाए जा रहे हैं कि अपने कारनामों पर पर्दा डालने के एवज में कमीशन बांटने के आरोपों से जूझ रहे मप्र सरकार के परिवहन आयुक्त कार्यालय की मुसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। इस मामले में अब न केवल उच्चस्तरीय जांच की मांग की गयी है, बल्कि आरोप लगाया गया है कि सरकार के अन्य विभागों में भी कथित तौर पर भ्रष्टाचार को दबाने के लिए काली कमाई का एक हिस्सा बांटा जा रहा है और लेने वाले गुपचुप ले रहे हैं। कथित तौर पर परिवहन आयुक्त कार्यालय द्वारा जिन्हें प्रतिमाह मोटी रकम दी जाती है, उनके नाम उजागर होने से हंगामा मचा हुआ है। इस सूची में प्रदेश भर के नाम हैं। इस मामले में परिवहन विभाग से अपनी स्थिति स्पष्ट करने की मांग की जा रही है लेकिन अभी तक विभाग खामोशी की चादर ओढ़े हुये है।

1 लाख रुपए से 5 हजार रुपए तक का कमीशन

कथित सूची करीब एक सप्ताह पहले सार्वजनिक हुई, जिसमें 100 से ज्यादा ऐसे नाम दर्ज हैं, जिन्हें परिवहन विभाग की ओर से प्रतिमाह एक तय रकम अदा की जाती है। सूची में नामों को कई श्रेणियों में बांटा गया है। पहली श्रेणी वालों को हर माह एक लाख रुपये दिये जाते हैं, उसके बाद वालों को 50 हजार और फिर इसी तरह 25 हजार से होते हुये 5 हजार प्रतिमाह तक देने का जिक्र है। सूची में शामिल नाम मुख्य रूप से भोपाल, इंदौर और ग्वालियर के साथ जबलपुर और अन्य जिले भी शामिल हैं। लिस्ट में नाम के साथ व्यक्ति की संस्था के साथ उसका मोबाइल नंबर भी दर्ज है। इस सूची के जारी होने के बाद क्या हुआ है।

दर्ज कराई एफआईआर

इधर कथित सूची को फर्जी करार देते हुये क्राइम ब्रांच भोपाल में एफआईआर दर्ज कराई गई है। शिकायत में कहा गया है कि इस सूची को फर्जी तरीके से तैयार किया गया है और ये बदनाम करने की साजिश रची गयी है। शिकायत के अनुसार, इस सूची में जिन नामों द्वारा परिवहन विभाग से अवैध वसूली का आरोप लगाया गया है, वो आधारहीन है। मांग की गयी है कि इस सूची की सत्यता की जांच की जानी चाहिए ताकि भ्रम की स्थिति न बने। हालांकि क्राइम ब्रांच में शिकायत दर्ज हुए एक महीने से ज्यादा वक्त बीत चुका है। विभाग के सूत्रों की मानें तो एफआईआर की जांच में भी कुछ खास नहीं मिल पाया हैं।

हर विभाग के पास है ऐसी सूची

संयुक्त कांति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष किशोर समरीते ने इस मामले में उच्चस्तरीय जांच की मांग करते हुये आरोप लगाया है कि परिवहन विभाग के अलावा हर विभाग के पास ऐसी ही सूची हैं, जिसके माध्यम से प्रतिमाह कमीशन बांटा जाता है। उन्होंने चेतावनी दी हैं कि यदि राज्य सरकार ने इस पर किसी तरह का एक्शन नहीं लिया तो जल्दी ही उच्च न्यायालय की शरण ली जाएगी।

काल भैरव की प्रतिमा को सिगरेट पिलाते वीडियो लीक

जबलपुर,देशबन्धु। मंदिर में काल भैरव की प्रतिमा को सिगरेट पिलाते हुए वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में वायरल करने के मामले को पुलिस ने संज्ञान लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वीडियो की संपूर्ण जांच साइबर सेल से कराई जा रही है। प्राथमिक जांच में यह बताया जा रहा है कि वीडियो गौरीघाट स्थित काल भैरव मंदिर का है, जिसकी पुष्टि भी पुलिस कर रही है।

एएसपी आनंद कलादगी का कहना है कि सोशल मीडिया वायरल वीडियो की संपूर्ण जांच-पड़ताल की जा रही है। जांच के बाद मामले में वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। यह वीडियो ग्वारीघाट इलाके में बादशाह हलवाई मंदिर के पास स्थित प्राचीन काल भैरव सिद्ध पीठ का बताया जा रहा है. वीडियो सामने आने के बाद काल भैरव के भक्तों ने नाराजगी जाहिर की है। एएसपी आनंद कलादगी ने मामले में जांच के निर्देश दिए है।

फेसबुक से पोस्ट

जानकारी के मुताबिक ये वीडियो जबलपुर निवासी आकाश गोस्वामी की फेसबुक आईडी से पोस्ट किया गया है. 36 सेकेंड के इस वीडियो में देखा जा सकता है कि भगवान काल भैरव को सिगरेट पिलाते हुए मनोकामना पूर्ति का आह्वान किया जा रहा है. मूर्ति के सिगरेट पीने का दावा भी किया जा रहा है. शिकायत के बाद ग्वारीघाट थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है. शुरुआती जांच में पता चला है कि यह वीडियो दो दिन पुराना है।

भटौली कुंड में जेवरात तलाशने में जुटी पुलिस

गिरफ्तार चोर ने पुलिस को बताया रुपये बांटकर गहने दिए थे फेक

जबलपुर,देशबन्धु। विजय नगर निवासी सेना से रिटायर्ड आर्मी साइंटिस्ट के घर एक सप्ताह पहले चोरी की वारदात हुई थी। घटना में अज्ञात चोर लाखों रुपए के जेवरात और नकदी लेकर फरार हो गए थे। मामले में विजय नगर थाना पुलिस ने गुरुवार की देर रात एक चोर को गिरफ्तार किया और जब पूछताछ की तो उसने बताया कि पुलिस से डर से ग्वारीघाट थाना के भटौली कुंड में चोरी का सामान फेंक दिया था। इसके बाद विजय नगर थाना प्रभारी ने चोर के बताए स्थान पर शुक्रवार से पहुंचकर गोताखोरों की मदद से कुंड में फेंके गए जेवरात की तलाश की। लेकिन, पुलिस को कुंड से कुछ नहीं मिला है।

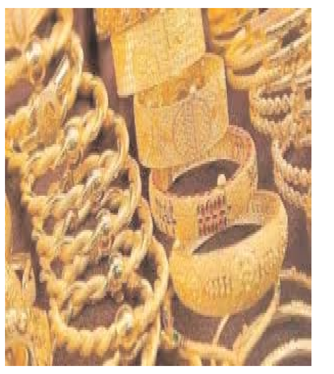

जानकारी अनुसार 22 नवंबर की रात को विजय नगर में रहने वाले सेना से रिटायर हुए साइंटिस्ट रणजीत बनर्जी के सुने मकान में घुसकर चोरी की। इस दौरान चोरों ने घर पर दो से तीन घंटे बिताए और फिर घर में रखे सोने-चांदी के जेवरात सहित नकदी लेकर फरार हो गए। विजय नगर थाना पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी थी।

पूछताछ में कबूला जुर्म

पुलिस ने गुरुवार की रात मामले में संदिग्ध नाबालिग चोर अभय (परिवर्तित नाम)को पकड़ा। सख्ती से पूछताछ करने पर उसने बताया कि चोरी किया गया माल वारदात के अगले दिन भटौली कुंड में जाकर छिपा दिया है। चोरों ने बताया कि कुंड छोटा है और ज्यादा बड़ा भी नहीं है इस वजह से चोरी का माल रखने के लिए यह जगह उपयुक्त थी। चोर ने पुलिस को बताया कि घटना के अगले दिन वह अपने दो साथियों के साथ चोरी का पूरा माल, जिसमें सोने-चांदी के जेवर रखे हुए थे, जबकि नकदी रुपए आपस में बांट लिए थे। वे 22 नवंबर को रणजीत बनर्जी के घर चोरी करने के बाद फरार हो गए थे। एसपी के निर्देश पर एएसपी, सीएसपी सहित विजयनगर और ग्वारीघाट थाना पुलिस का अमला गोताखोरों को लेकर कुंड पहुंचा, जहां चोरी का माल तलाश किया गया। हालांकि, पुलिस को कुंड से कुछ सामान नहीं मिला।

यौन उत्पीड़न के मामले में डॉ काली चरण को राहत

हाईकोर्ट ने निरस्त किया निलंबन का आदेश, मैनिट का मामला

जबलपुर,देशबन्धु। यौन उत्पीड़न के मामले में मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल से बर्खास्त किये गये सहायक प्रोफेसर को हाईकोर्ट से राहत मिली है। हाईकोर्ट जस्टिस संजय द्विवेदी की एकलपीठ ने सुनवाई के दौरान पाया कि कार्यवाही में प्राकृतिक न्याय सिद्धांत तथा जांच प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया है। एकलपीठ ने सुनवाई के बाद याचिकाकर्ता को राहत प्रदान करते हुए बर्खास्तगी के आदेश को निरस्त कर दिया है।

याचिकाकर्ता डॉ कालीचरण की तरफ से दायर की गयी याचिका में कहा गया था कि उनके संस्थान के वरिष्ठ सदस्य डॉ सी ससिकुमार से मतभेद थे। उन्होने प्रयोगशाला व उपकरणों पर बलपूर्वक कब्जा कर रखा था। जिसके कारण वह विद्यार्थियों को शोध के लिए प्रयोग नहीं कर पा रहे थे। उनके खिलाफ साजिश के तहत डॉ सी ससि कुमार ने शिकायत करवाई। शिकायतकर्ता छात्र ने अपनी शिकायत से मुकर गये थे। इसके बाद दो छात्राओं से उनके खिलाफ षिकायत करवाई गयी।

जिसकी जांच डॉ शिवकुमार ने अपनी महिला मित्र को सौंप दी,जो आईसीसी की सदस्य नहीं थी। डॉ फौजिया ने छात्राओं के साथ से साथ जाकर आईसीसी की चेयरमैन से मुलाकात की। आईसीसी की चेयरमैन ने उनके खिलाफ जांच का आश्वासन दिया था। याचिका में कहा गया था कि कार्यस्थल पर महिला के यौन उत्पीड़न अधिनियम के तहत प्राप्त शिकायत पर आईसीसी के तीन सदस्यों को सुनवाई करनी थी,जिसका पालन नहीं किया गया। इसके बाद बैठक आयोजित कर उनके खिलाफ कार्यवाही का निर्णय लिया गया। बैठक में डॉ फौजिया बिना अधिकार के बैठक में शामिल हुई थी। इसके बाद उन्हें कार्यवाही के संबंध में नोटिस जारी करते हुए उसकी दिन चार बजे तक जवाब पेश करने का समय दिया गया।

जवाब निर्धारित प्रारूप में नहीं होने का हवाला देते हुए उसे अस्वीकार कर दिया। सिर्फ चार घंटे का समय निर्धारित प्रारूप में जवाब प्रस्तुत करने दिया गया,जबकि वह परीक्षा में व्यस्त था। याचिका में कहा गया था कि पूरी जांच में प्राकृतिक सिद्धांत तथा एक्ट 1965 के नियम 14 का पालन नहीं करते हुए उन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। जिसके खिलाफ उन्होंने आवेदन प्रस्तुत किया,जो खारिज कर दिया गया। एकलपीठ ने सुनवाई के दौरान पाया कि दो शिकायतकर्ता ऑनलाइन समिति के समक्ष उपस्थित हुए थी। उन्होने अपने वयान ई-मेल के माध्यम से भेजे थे। याचिकाकर्ता को उनके प्रतिपरीक्षण का कोई अवसर प्रदान नहीं किया गया। कार्यवाही में प्राकृतिक न्याय सिद्धांत तथा नियम 14 का पालन नहीं किया गया। एकलपीठ ने उक्त आदेश के साथ याचिकाकर्ता के खिलाफ जारी आदेश को निरस्त कर दिया। याचिकाकर्ता की तरफ से अधिवक्ता मनोज शर्मा ने पैरवी की।

रूट की आवश्यकता अनुसार ही जारी करें अस्थाई परिमिट

जबलपुर,देशबन्धु। मप्र हाईकोर्ट ने एक मामले में कहा है कि किसी भी मार्ग पर अस्थाई परमिट जारी करने से पूर्व परिवहन अधिकारी यह आकलन कर लें कि आवश्यकता है या नहीं। यदि आवश्यकता का अनुभव हो तो ही नए अस्थाई परमिट जारी किए जाएं। जस्टिस एमएस भट्टी की एकलपीठ ने पूरे प्रदेश में इस आदेश का पालन सुनिश्चित कराने की जिम्मेदारी प्रमुख सचिव परिवहन को दी है। उन्हें निर्देशित किया है कि वे क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरणों के साथ-साथ राज्य में फैले क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरणों के सचिवों को आदेश प्रसारित करें ताकि भविष्य में अस्थायी परमिट के लिए आवेदन पर विचार करते समय उसी मार्ग पर आपरेटरों की मौजूदा संख्या अनुरूप अस्थाई परमिट की आवश्यकता पर उसके वास्तविक परिप्रेक्ष्य में विचार किया जा सके।

दरअसल यह मामला याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी बस संचालक रोहत सिंह दीक्षित की ओर से दायर किया गया था। जिसमें कहा गया कि जबलपुर के विभिन्न मार्गों में निरंतरता से अस्थाई परमिट जारी किए जा रहे हैं। आरटीओ जबलपुर द्वारा बिना किसी अस्थाई आवश्यकता के एवं मार्ग पर पूर्व से संचालित वाहनों का आकलन किये बगैर अस्थाई परमिट दिया गया, जो अधिनियम की धारा के विहित प्रविधान के विपरीत है। नियमानुसार अस्थाई परमिट विशिष्ट अतिरिक्त आवश्यकता पर ही दिया

जा सकता है। इस संबंध में हाईकोर्ट द्वारा पूर्व में दिए आदेश मार्गदर्शी हैं, जिनमें अस्थाई परमिटों को निरस्त करते हुए यह निर्देश दिए गये थे कि अस्थाई परमिट देने के लिए मोटर या अधिनियम में वर्णित स्पष्ट प्रविधान को अध्ययन किया जाये, जिसमें लिखा है कि विशिष्ट अतिरिक्त आवश्यकता पर ही लिमिटेड समय के लिए अस्थाई परमिट दिया जाना चाहिये। परिवहन अधिकारी को उस मार्ग पर पूर्व से संचालित वाहनों की संख्या का अवलोकन करना चाहिए और यदि आवश्यकता हो तभी अतिरिक्त वाहन के संचालन हेतु अस्थाई परमिट दिया जाना चाहिये। अस्थाई परमिट एवं स्थाई परमिट देने की प्रक्रिया पूर्णतः अलग-अलग है। सुनवाई पश्चात् न्यायालय ने उक्त निर्देश दिये।

मारपीट के आरोपियों को जमानत नहीं

जबलपुर,देशबन्धु। अपर सत्र न्यायाधीश अरुण कुमार सिंह की अदालत ने मारपीट के आरोपी गुप्तेश्वर निवासी सुभाष झारिया की जमानत अर्जी निरस्त कर दी। राज्य की ओर से अपर लोक अभियोजक कुक्कू दत्त ने जमानत अर्जी का विरोध किया। उन्होंने दलील दी कि 10 नवंबर 2024 को ईसाई मोहल्ला प्रेमनगर में मनोज शर्मा के साथ गाली-गलौज करने के बाद हमला कर दिया गया। इस वजह से मनोज बुरी तरह घायल हो गया। गढ़ा पुलिस ने शिकायत पर अपराध पंजीबद्ध कर लिया। अभियोजन की ओर कहा गया कि आरोपी ने जिस तरह हमला किया था, उससे स्पष्ट है कि उसका इरादा खतरनाक था। ऐसे आरोपी को जमानत का लाभ नहीं दिया जाना चाहिए, इससे समाज में गलत संदेश जायेगा। सुनवाई पश्चात् अदालत ने जमानत अर्जी निरस्त कर दी।

चिकित्सा शिक्षा विभाग के पीएस सहित अन्य से मांगा जवाब

मेडिकल लैब टेक्निशियन का मामला

जबलपुर,देशबन्धु। मप्र हाईकोर्ट में मेडिकल लैब टेक्निशियन एसोसिएशन व अन्य की ओर से याचिका दायर कर सरकार के उस आदेश को चुनौती दी है। जिसमें पैथोलॉजिस्ट या एमडी पैथोलॉजिस्ट के अधिकारों में कटौती की गई है। याचिकाओं में सरकार के आदेश पर अंतरिम रोक लगाने की मांग की गई थी। हाईकोर्ट से प्राइवेट लैब संचालकों को फिलहाल राहत नहीं मिली है। चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत व जस्टिस विवेक जैन की युगलपीठ ने लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव, आयुक्त लोक स्वास्थ्य व अन्य को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने के निर्देश दिये है।

गौरतलब है कि उक्त एसोसिएशन के अलावा एसोसिएशन ऑफ प्राइवेट मेडिकल प्रेक्टिशनर्स और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन नरसिंहपुर की ओर से याचिकाएं दायर की गई हैं। याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि सरकार ने 24 अक्टूबर 2024 को एक आदेश जारी कर कहा कि पैथोलॉजिस्ट या एमडी पैथोलॉजिस्ट केवल दो ही केन्द्रों में जाकर रिपोर्ट तैयार कर सकेंगे। एक उनका स्वयं का होगा और दूसरा कोई और केन्द्र होगा। इसके अलावा वे किसी अन्य लैब में जाकर रिपोर्ट तैयार नहीं कर सकेंगे। याचिकाकर्ताओं की ओर से दलील दी गई कि सरकार का आदेश व्यवहारिक नहीं है, इसलिए उसके क्रियान्वयन पर रोक लगाई जाये। वहीं शासन की ओर से तर्क दिया गया कि ये निर्णय जनहित में लिया गया है। पैथोलॉजिस्ट का काम केवल रिपोर्ट तैयार करने का नहीं, वरन प्रत्येक सैंपल की जांच करना है। सुनवाई पश्चात न्यायालय ने उक्त निर्देश दिये।

जानलेवा सात हमलावरों को पांच-पांच साल की सजा

जबलपुर,देशबन्धु। जिला अदालत ने दो युवकों पर गोली चलाकर जानलेवा हमला करने वाले सात आरोपियों को दोषी करार दिया है। एडीजे एमडी रजक की अदालत ने सातों आरोपियों को पांच-पांच साल की सजा व जुर्माने से दंडित किया है। अदालत को अभियोजन पक्ष की ओर से एजीपी सुशील सोनी ने पक्ष रखा। जिन्होंने अदालत को बताया कि 16 अक्टूबर 2021 की रात करीब दस बजे आरोपी तरुण पटेल, आकाश यादव, सत्यम कुशवाहा, शिवम उर्फ शुभम, शिव पटेल उर्फ बाबू, चंद्रभान उर्फ बहत्तर और वीरेन्द्र रजक उर्फ बाबू नहला ने रिवाल्वर से गोली चलाते हुए निक्की गुप्ता व आदित्य पर जानलेवा हमला किया था। उक्त मामले में पुलिस ने धारा-307 के तहत प्रकरण दर्ज कर अदालत के समक्ष चालान पेश किया। सुनवाई पश्चात् अदालत ने सातों आरोपियों को उक्त सजा सुनाई।

आवश्यक तथ्यों के बगैर आत्महत्या दुष्प्रेरण का प्रकरण नहीं किया जा सकता दर्ज

हाईकोर्ट ने एफआईआर करने के दिये निर्देश

जबलपुर,देशबन्धु। मप्र हाईकोर्ट ने अपने एक अहम आदेश में कहा है कि आवश्यक तथ्यों के बिना धारा 306 के तहत अपराध दर्ज नहीं किया जा सकता है। हाईकोर्ट जस्टिस संजय द्विवेदी की एकलपीठ ने सुनवाई के दौरान पाया कि सिर्फ धारणा के आधार पर आत्महत्या के लिए उकसाने का प्रकरण दर्ज नही किया जा सकता है। आवश्यक तथ्यों के बिना ही जिला न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं के खिलाफ चार्ज भी फ्रेम कर दिया। एकलपीठ ने एफआईआर तथा न्यायालय में लंबित प्रकरण को खारिज करने के निर्देश दिये है। हाईकोर्ट में यह मामला याचिकाकर्ता हीरालाल अहिरवार, पुरुषोत्तम अहिरवार सहित पांच व्यक्तियों की ओर से दायर किया गया था। जिसमें कहा गया कि सालीचौका रेलवे स्टेशन के समीप कामला प्रसाद अहिरवार उम्र 50 साल ने 5 फरवरी 2022 को ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली थी।

जीआरपी गाडरवारा ने मर्ग कायम कर उनके खिलाफ धारा 306 के तहत अपराध दर्ज किया था। प्रकरण के अनुसार पुरुषोत्तम अहिरवार के घर तेरहवीं के कार्यक्रम में शामिल होने कामला प्रसाद गया था। बेटा द्वारा बसोर समाज की लड़की से शादी होने के कारण याचिकाकर्ताओं ने उसे स्वतंत्र रूप से कार्यक्रम में शामिल होने नहीं दिया। उसे सिर्फ खाना खाने की अनुमति थी। बेटे व पुत्रवधू के खाना खाने की अनुमति नहीं थी। खुद को अपमानित महसूस करते हुए कामता ने आत्महत्या कर ली। याचिकाकर्ताओं की ओर से तर्क दिया गया कि आत्महत्या के पूर्व कामता ने कोई सुसाइड नोट नहीं छोड़ा था। इसके अलावा खुद को अपमानित किये या महसूस करने के संबंध में किसी से कुछ नहीं कहा था। आवश्यक तथ्यों के बिना ही आवेदकों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया और न्यायालय ने आरोप भी तय कर दिये। एकलपीठ ने सुनवाई के दौरान पाया कि परिजनों के बयान व धारणा के आधार पर आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया था। प्रकरण में आत्महत्या के लिए उकसाने के कोई आवश्यक तथ्य नहीं थे। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का हवाला देते हुए एकलपीठ ने एफआईआर तथा न्यायालय में लंबित प्रकरण को खारिज करने के आदेश जारी किये है।

नॉन ट्रांसपोर्टर को लीज आवंटन पर रोक

जबलपुर,देशबन्धु। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने ट्रांसपोर्ट नगर के भूखंडों को नॉन ट्रांसपोर्टर व ट्रांसफेरीज को लीज आवंटन करने पर अंतरिम रोक लगा दी। चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत व जस्टिस विवेक जैन की खंडपीठ ने राज्य शासन, संभागायुक्त, नगर निगम आयुक्त जबलपुर और एसडीओ अधारताल को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जबलपुर गुड्स ट्रांसपोर्ट टेक्निक एसोसिएशन सहित कुछ ट्रांसपोर्टरों द्वारा पूर्व में संभागीय आयुक्त द्वारा की गई जांच में पारित आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। याचिका मे आरोप लगाया गया हैं कि संभागायुक्त द्वारा जांच में गंभीर लापरवाही करते हुए गैर ट्रांसपोर्टरों को भी लीज के दस्तावेज देखे बिना लीज नवीनीकरण किया गया है। सुनवाई के बाद कोर्ट ने नॉन ट्रांसपोर्टर्स को ट्रांसपोर्ट नगर के भूखंडों में लीज नवीनीकरण तथा लीज नामांतरण किए जाने पर अंतरिम रोक लगा दी। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अंशुमान सिंह ने पक्ष रखा।

नेशनल लोक अदालत 14 को

जबलपुर,देशबन्धु। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देश पर मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला अदालत जबलपुर और तहसील न्यायालय सिहोरा व पाटन में 14 दिसंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अवधेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश आलोक अवस्थी के मार्गदर्शन में आयोजित यह राष्ट्रीय लोक अदालत इस वर्ष की चौथी व अंतिम राष्ट्रीय लोक अदालत होगी। इसके जरिए राजीनामा योग्य प्रीलिटिगेशन एवं न्यायालय में लंबित प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। चैक बाउंस, आपराधिक राजीनामा योग्य प्रकरण, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, पारिवारिक विवाद सहित सभ प्रकार के सिविल प्रकृति के प्रकरण दोनों पक्षों की सहमति से निराकृत किए जाएंगे। इसके लिए 73 खंडपीठों का गठन किया गया है। 56 जिला न्यायालय, चार कुटुम्ब न्यायालय, एक श्रम न्यायालय, छह तहसील न्यायालय सिहोरा व पांच खंडपीठ तहसील न्यायालय पाटन के लिए गठित की जानी है। 9384 प्रकरण लोक अदालत हेतु चिन्हित कर खंडपीठों हेतु रेफर किए गए हैं।

शराब के लिये रुपये नहीं देने पर हमला

जबलपुर,देशबन्धु। रांझी थाना क्षेत्र में जहां चार बदमाशों ने एक युवक द्वारा शराब के लिये रुपये देने से मना करने पर उस पर चाकू और तलवार से हमला कर दिया तो वहीं हनुमानताल में एक ई-रिक्शा चालक ने एक युवक पर पाने से हमला कर उसे लहूलुहान कर दिया। दोनों ही मामलों में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर उन्हें जांच में लिया है।

पुलिस ने बताया कि मानेगांव सर्रापीपल निवासी 48 वर्षीय राकेश चौधरी की इलेक्ट्रॉनिक की दुकान है। दोपहर को राकेश अपनी दुकान के सामने खड़ा था, उसी समय मोहल्ले के गोल्फा उर्फ गोलू, मंगल बेन, अभिनव व कृष्णा कोल पहुंचे और राकेश से शराब पीने के लिये एक हजार रुपये की मांग करने लगे। राकेश के रुपये देने से मना करने पर चारों ने गालीगलौज करते हुए मारपीट शुरु कर दी। राकेश के विरोध करने पर गोल्फा उर्फ गोलू ने चाकू से मंगल बेन ने तलवार, अभिनव व कृष्णा ने किसी अन्य धारदार चीज से राकेश पर हमला कर दिया। जिससे उसके चेहरे, कमर में गंभीर चोटे आ गई। इसी प्रकार हनुमानताल पुलिस ने बताया कि पनागर गुरुनानक वार्ड निवासी 35 वर्षीय संतोष पटेल अपने साथी मनीष नामदेव के साथ भानतलैया बकरा मार्केट के पास खड़े होकर बाते कर रहा था। उसी समय एक ई-रिक्शा का चालक पहुंचा और कहने लगा कि मैं यहा का दादा हूँ, मुझे शराब पीने के लिये पांच सौ रुपये चाहिये। संतोष ने रूपये देने से मना किया तो आरोपी ने रिक्शा से पाना निकालकर संतोष पर हमला कर दिया। जिससे उसके सिर पर गंभीर चोट आ गई। मनीष और फिरोज ने उसे खदेड़ा तो आरोपी मौके से भाग निकला। घायल को उपचार के लिये मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों ही मामलों की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास शुरु कर दिये है।

ताला तोड़कर जेवर ले उड़े चोर

जबलपुर,देशबन्धु। संजीवनी नगर भूकंप कालोनी से बुंदेला परिवार उपचार के लिये झांसी गया हुआ था, यहां सूनेपन का फायदा उठाते हुए अज्ञात चोरों ने घर का ताला तोड़कर कीमती जेवर पार कर दिये। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है। पुलिस ने बताया कि भूकंप कालोनी महावीर नगर निवासी 25 वर्षीय आशीष सिंह बुंदेला अपनी पत्नी व नाना-नानी के साथ रहते है। 26 नवंबर को वे अपने घर में ताला लगाकर नानी का उपचार कराने के लिये परिवार सहित झांसी गये थे। बीते दिवस उनके दोस्त आदित्य ने फोन पर सूचना दी कि घर में चोरी हो गई है।

आज से होगी औरिया स्थित नवीन मटर मंडी से खरीदी

व्यवस्थाएं दुरुस्त करने में जुटा प्रशासन

पाटन, देशबन्धु। कलेक्टर दीपक सक्सेना की अध्यक्षता में औरिया स्थित नवीन मटर मंडी के संबंध में कृषि उपज मंडी सभागार में बैठक आयोजित की गई थी जिसमें विधायक गण एवं पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय, व्यापारी व किसान संघों के प्रतिनिधि की मौजूदगी में 30 नवंबर से मटर खरीदी पर सहमति बनी है इस दौरान कलेक्टर श्री सक्सेना ने कहा कि मंडी को स्मार्ट बनाया जाएगा,अभी तत्कालिक रूप से मटर का व्यवसाय करने से जो परेशानी आती है,उसे शीघ्र दूर किया जाएगा।

नवीन मंडी के संभावित कठिनाइयों को दूर करने के लिए सारी तैयारियां की जा चुकी है। किसानों और व्यापारियों की सुरक्षा व सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि सब मिल जुलकर नवीन मंडी को व्यवस्थित करेंगे। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि वर्तमान में कृषि उपज मंडी में मटर के वाहन आना प्रतिबंधित रहेंगे। 30 नवंबर से नवीन मटर मंडी में ही मटर की खरीदी शुरू

की जाएगी इसके लिए उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए है और कहा कि नवीन मंडी जो भी दिक्कतें हैं,उनका निराकरण करें। इसे साथ ही उन्होंने व्यापारियों से कहा कि नवीन मंडी में दुकानों के स्थाई आवंटन अभी तत्काल नहीं हो सकता है अस्थाई आवंटन प्रथम आओ प्रथम पाओ के आधार पर किया जाएगा। बैठक के दौरान मंडी सचिव ने भी मंडी की व्यवस्थाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। पाटन के किसान अरविंद सिंह,राघवेन्द्र सिंह,महेंद्र सिंह, धर्मेंद्र सिंह,ने बताया कि नवीन मंडी की साइड सड़क में जगह जगह बड़े बड़े गड्ढे है जिसका मेंटेनेंस कराना जिम्मेदार भूल गए हैं।

खेलकूद प्रतियोगिता में दिव्यांग बच्चों ने दिखाया हुनर

विश्व विकलांग दिवस पर विकासखंड स्तरीय खेलों का आयोजन

सिहोरा, देशबन्धु। विश्व विकलांग दिवस के अवसर पर समग्र शिक्षा अभियान विकासखंड स्तरीय सामर्थ्य प्रदर्शन एवं खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन पंडित विष्णु दत्त शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिहोरा में विकासखंड शिक्षा अधिकारी सिहोरा अरविंद धुर्वे, सी एम राइस प्राचार्य अशोक उपाध्याय, एवम जनपद शिक्षा केंद्र सिहोरा प्रभारी बीआरसीसी बृजेश श्रीवास्तव, बी ए सी अश्विनी उपाध्याय की उपस्थिति में आयोजित की गई।

प्रतियोगिता में भाग लेने वाले दिव्यांग विभिन्न प्रतिभागियों ने क्रमशः रंगोली प्रतियोगिता जलेबी व कुर्सी दौड़ , 50 मीटर,100मीटर, दौड़ प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता रंगोली प्रतियोगिता में भाग लेते हुए प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया प्रतिभागियों को एवं उपस्थित समस्त बच्चों को क्रमशः मेडल प्रमाण पत्र और पुरस्कारों का वितरण किया गया। इस अवसर पर बी ई ओ अरविन्द धुर्वे एवं बी आर सी सी बृजेश

श्रीवास्तव ने कहा कि दिव्यांगों से केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का जागरूक होकर लाभान्वित होने का आवह्वान किया। उन्होंने कहा कि विकलांगता कोई अभिशाप नहीं है, दिव्यांग व्यक्ति भी अपने मनोबल से समाज के हर क्षेत्र में अपनी पहचान कायम कर सकता है। सी एम राइस प्राचार्य अशोक उपाध्याय ने कहा कि दिव्यांगों के लिए कराई गई इस प्रतियोगिता से दिव्यांगों में छुपी हुई प्रतिभा उजागर हुई है।

ये रहे उपस्थित-इस अवसर पर मुख्य रूप से विकासखंड शिक्षा अधिकारी सिहोरा अरविंद धुर्वे, सी एम राइस प्राचार्य अशोक उपाध्याय, बीआरसीसी प्रभारी बृजेश श्रीवास्तव, रामखिरिया प्राचार्य एम डी पटेल,बी ए सी अश्वनी उपाध्याय ,एम आर सी श्री विष्णु कुमार पटेल, एम आर सी संजय सिंह, बी ए सी राकेश मिश्रा, जनशिक्षक संजीव गुप्ता, श्यामराव मांडेलकर,राम किशोर हल्दकार,अशोक मिश्रा, श्याम राय,राजेश तिवारी, सहयोगी शिक्षकों में शिक्षक अशोक तिवारी, योगेन्द्र मिश्रा, रामनिरंजन दुबे,विष्णु पटेल , सुरेन्द्र महोबिया,आशीष कुमार प्रमोद ,विजय, के एल रैदास,नीलांजना पटेल, विष्णु पटेल,भाग्यश्री पहारिया उपस्थित रहे।उपस्थित दिव्यांग बच्चों को भोजन एवं उपस्थित शिक्षको, पालक को चाय नाश्ता प्रदान किया गया।

सार-समाचार

हम होंगे कामयाब पखवाडा कार्यक्रम आयोजित

पनागर, देशबन्धु। हम होंगे कामयाब पखवाड़े के अंतर्गत आज दिनांक 29/11/2024 एकीकृत बाल विकास शहरी क्रमांक 04 पनागर में परियोजना स्तरीय जेंडर आधारित हिंसा उन्मूलन हेतु जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन शासकीय सुमन माध्यमिक प्राथमिक शाला आंगनबाड़ी शिवाजी वार्ड क्रमांक 02 किया गया कार्यक्रम का का आयोजन पर्यवेक्षक श्रीमती लक्ष्मी पंजाबी मैडम के मार्गदर्शन में किया गया कार्यक्रम में शासकीय सुमन कन्या शाला की सहायक शिक्षक मैडम द्वारा घरेलू हिंसा रोकथाम अधिनियम 2005 का स्थल पर महिलाओं का लैंगिक शोषण प्रतिवेदन अधिनियम 2013 बाल विवाह निषेध अधिनियम पोक्शो एक्ट गुड टच बेड टच आदि यह संबंध में विस्तार से चर्चा की गई पर्यवेक्षक श्रीमती लक्ष्मी पंजाबी मैडम द्वारा महिलाओं तथा किशोरी बालिकाओं को महिला हेल्पलाइन चाइल्ड हेल्पलाइन पोसो एक्ट दहेज प्रतिषेध अधिनियम घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 पीसीपीएनडीटी एक्ट जी के संबंध में जानकारी दी गई जेंडर आधारित भेदभाव लड़के तथा लड़कियों में अंतर बाल विवाह आदि के दुष्परिणाम से जन समुदाय को अवगत कराया गया।

विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने किया शासकीय शालाओं का निरीक्षण

सिहोरा, देशबन्धु। शासकीय शालाओं में शैक्षणिक स्तर को परखने के लिए विकासखंड शिक्षा अधिकारी सिहोरा अरविंद धुर्वे ने गुरुवार को शासकीय शालाओं का आकस्मिक निरीक्षण किया वे आकस्मिक निरीक्षण में शासकीय प्राथमिक शाला बुढ़रा पहुंचे वहां पर उन्होंने कक्षा दूसरी के एक छात्र को खड़ा किया और जब 13 का पहाड़ा उसने बिना अटके और पांचवी के छात्र ने 23 और 25 का पहाड़ा बिना अटके धारा प्रवाह गति से पढ़ दिया तो उन्होंने प्रशंसा में छात्र की पीठ थपथपाई।

कक्षा दूसरी के बच्चे ने 13 का और पांचवीं के बच्चे ने 23 और 25 का पहाड़ा सुनाया

इसी प्रकार शासकीय हाई स्कूल बंजर का भी निरीक्षण किया जहां पर शाला का शैक्षणिक स्तर अच्छा रहा, वही शासकीय प्राथमिक शाला बुढ़री और भंडरा में बच्चों का अकादमी स्तर कमजोर पाया गया जिससे वहां पदस्थ शिक्षकों को फटकार लगाई गई। शासकीय प्राथमिक शाला बुढ़री में एक शिक्षिका के बगैर सूचना के अनुपस्थित पाए जाने पर शोकाज नोटिस जारी किया गया।

कलेक्टर ने कम्प्यूटर ऑपरेटर ऋषिकेश और कमलेश ठाकुर को सेवा से किया पृथक

पाटन, देशबन्धु। देशबन्धु समाचार पत्र ने 17 नवंबर के अंक में धान के फर्जी रजिस्ट्रेशन का मामला प्रमुखता से उठाया था जिसमें कटरा समिति कंप्यूटर ऑपरेटर कमलेश सिंह ठाकुर तिलंगवा ने मृतक भूमि स्वामी के फर्जी दस्तावेजों की मदद से धान का रजिस्ट्रेशन अपने नाम से करा लिया था। वही अन्य मामले में सहसन समिति कंप्यूटर ऑपरेटर ऋषिकेश ठाकुर ने चचेरे भाई प्रियांशु सिंह और प्रयाग सिंह लोधी और अन्य के नाम से बिना स्टाम्प पर लिखा पढ़ी किए पंजीयन कराया था। जिस पर संज्ञान लेते हुए जिला कलेक्टर दीपक सक्सेना ने दोनों कम्प्यूटर ऑपरेटर कमलेश ठाकुर एवं ऋषिकेश ठाकुर को सेवा से पृथक करने के निर्देश जारी किए हैं।

खबर का असर
धान के फर्जी रजिस्ट्रेशन का मामला

मध्यस्थता जागरुकता शिविर का आयोजन

पाटन, देशबन्धु। आज दिनांक 29.11.2024 को दोपहर 2 बजे से अधिवक्ता संघ पाटन में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष ओमप्रकाश रजक की अध्यक्षता में मध्यस्थता जागरूकता शिविर का आयोजन किया।

श्रीमती विजय शुक्ला का निधन

कुंडम, देशबन्धु। स्व. प्रेम शंकर शुक्ला की धर्मपत्नी 66 वर्षीय श्रीमती विजय शुक्ला का निधन हो गया। वे समीर शुक्ला, सागर शुक्ला की माता थीं। अंतिम यात्रा आज 30 नवम्बर को सुबह 11 बजे सुबह कुंडम मुक्तिधाम के लिए रवाना होगी।

कीचड़ से सनी हरदुआ गांव की सड़कें, निकलना मुश्किल

सिहोरा, देशबन्धु। सिहोरा तहसील से महज 10 किमी दूर स्थित हरदुआ गांव भले ही पक्की सड़क से जुड़ा है, लेकिन यहां की स्वच्छता व्यवस्था बेपटरी है। सरकार एक तरफ तो स्वच्छ भारत अभियान चला कर स्वच्छता रखने का संदेश देने के लिए प्रचार और संचार माध्यमो में करोड़ो खर्च कर रही है, लेकिन पंचायत के प्रतिनिधियों और सचिव ने ग्रामीणों से साफ कह दिया कि पंचायत में सफाई कराने एक भी रुपये नही है, जिससे काम कर सके। जबकि इस गांव की हर गली में कीचड़ ही कीचड़ है, जिसमे चलने के लिए लोगों को कदम रखने के लिए जगह ढूंढना पड़ता है। जिले का शायद यही एक मात्र गांव है जिसमें न तो नालियों के पानी की निकासी व्यवस्था है और यहां पर स्वच्छता के लिए कभी कोई प्रयास भी नही किये जाते हैं। जबकि इसी क्षेत्र से भाजपा के विधायक दो बार मंत्री भी रह चुके हैं लेकिन इस गांव के हालात जस के तस हैं। ऐसे में कोई भी अंदाजा लगा सकता है कि विकास कितनी तेजी से किया गया है।

जबलपुर जिला की सिहोरा तहसील से महज 10 किमी दूर ग्राम पंचायत हरदुआ कला है जो मझौली–पाटन विधानसभा क्षेत्र में आती है। ग्राम के ही गुड्डु उपाध्याय, अर्जुन पटेल, ने बताया कि गांव में स्वच्छता संबन्धी हालात इतने बुरे हैं कि कोई भी व्यक्ति यहां के रास्ते गुजरता है तो उसे कीचड़ भरे रास्ते से होकर गुजरना पड़ता है। जबकि पैदल चलने वालों के लिए यहां के रास्ते मे कदम रखने के लिए जगह ढूंढनी पड़ती है जिसके बाद भी वह कीचड़ भरे रास्ते से निकलने में गन्दा हो ही जाता है, लेकिन ग्राम पंचायत हरदुआ द्वारा नाली नही बनाई गई न ही गन्दे पानी की निकासी के लिए कोई समुचित व्यवस्था की गई है जबकि हर मुहल्ले में सोखपिट बनाकर कीचड़ से मुक्ति दिलाई जा सकती है जिसके कारण यह पानी पानी सड़क पर फैलता है और पक्की रोड भी उखड़ कर गड्ढों में तब्दील हो जाती है जिससे यहां की गलियों में हमेशा बरसात जैसे स्थिति बनी रहती है और घरों का गंदा पानी भी गलियों में भरा रहता है और सड़ांध मारता है। जबकि देखा जाए तो यहां के लोगों को भी गन्दगी में रहने की आदत से बन गयी है जो गन्दे पानी को रास्ता में बहाने के बाद कोई भी इंतजाम पंचायत द्वारा नही करते हैं और उन्ही कीचड़ भरे रास्तों से निकल कर अपने रोजमर्रा के काम करते रहते हैं।

कीचड़ से सनी गलियां

ग्राम की संगीता राय, वर्षा, बर्मन, अनिता आदि ने बताया की हरदुआ कला कीचड़ से सनी गलियों में दिन भर वाहनों का आवागमन होता है लेकिन गांव की सड़क का तो पता नही बल्कि सड़क की जगह कीचड़ के दलदल से हो कर रहेगीरों को गुजरना पड़ता है। कभी कभी तो जल्दबाजी में कई बाइक सवार यहां पर फिसल कर गिरते भी रहते हैं। इस गांव में जिस तरह से गन्दगी है उससे कोई भी संक्रामक बीमारी फैलने का भी खतरा बना हुआ है जिसके बाद भी यहां के लोगों या ग्राम पंचायत द्वारा कभी भी कोई प्रयास नही किये जाते हैं जिससे ग्राम में स्वच्छता बनी रहे । ज्ञात हो कि इसी क्षेत्र से भाजपा के विधायक दो बार मंत्री भी रह चुके हैं लेकिन इन गांवो का विकास सिर्फ कागजी घोषणाओं तक ही सिमट कर रह गया है।

अटल उपाध्याय मप्र राज्य कर्मचारी संघ के जिला संयोजक बने

आलोक अग्निहोत्री, देवेंद्र पचौरी, नरेश शुक्ला जिला सह संयोजक नियुक्त

जबलपुर, देशबन्धु। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ (शासन से मान्यता प्राप्त) के प्रदेश महामंत्री जितेंद्र सिंह द्वारा अटल उपाध्याय को मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ जबलपुर जिला संयोजक नियुक्त किया गया है। देवेंद्र पचौरी, आलोक अग्निहोत्री,नरेश शुक्ला को मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ जिला सह संयोजक नियुक्त किया गया है। संघ के प्रदेश मंत्री रजनीश विश्वकर्मा जबलपुर जिला प्रभारी की अनुशंसा के अनुसार जिला संयोजक, सह संयोजक की नियुक्तियां की गई हैं। जिला संयोजक, सह संयोजक को तहसील एवं विकास खंड की इकाइयों के निर्वाचन एवं गठन के लिए अधिकृत किया गया है। अटल उपाध्याय, देवेंद्र पचौरी, आलोक अग्निहोत्री, नरेश शुक्ला के मनोनयन पर जबलपुर जिले के साथियों ने हर्ष व्यक्त किया है।

डेढ़ माह से सीमांकन कराने भटक रहा किसान

पाटन, देशबन्धु। प्रदेश सरकार मुताबिक अविवादित जो भी कार्य हो चाहे वह सीमांकन,नामांतरण,फौती,बंटवारा जो मात्र एक सादे कागज पर मात्र 5 रूपये की टिकिट लगाकर आवेदन राजस्व न्यायालय में पेश करने का एक सुगम और सरल साधन है जो पक्षकार किसान भाई अपने आवेदन तहसीलदार को दे सकते है। आज दिनांक से लगभग 45 दिन होने जा रहे है एक जरा सी भूमि का सीमांकन होना है जिसके लिए आवेदक डेढ़ माह से राजस्व विभाग का चक्कर काट रहा है। आवेदक राजाराम पिता छिददी लाल एवं अन्य के नाम से उक्त भूमि है और ग्राम छितुरहा के सभी रहने वाले है। किसान पवन पटेल ने बताया कि कटंगी पाटन राजस्व निरीक्षक एक एक सप्ताह की डेट दे रहे है कहते है कि आज नोटिस काट रहे संबंधित सीमावर्ती किसानों को कभी कहते है कि टीएमसी मशीन यहां रखी है कभी कहते है वहां रखी है ऐसा कहते कहते डेढ़ माह समय व्यतीत कर दिया जिससे आवेदक काफी परेशान है।

इनका कहना -जब इस संबंध में आरआई रमेश किरार से बात की गई तो उन्होंने बताया कि टीएमसी मशीन नायब तहसील कटंगी में आरआई अमन सिंह के पास में रखी है वही आरआई साहब ने बताया कि कटंगी आरआई टीएमसी मशीन नहीं दे रहे।

जमुनिया बरेला में रामकथा तीन से

बरेला, देशबन्धु। भागवत उपासक पंडित द्वारका प्रसाद शास्त्री जी की स्मृति में परहंस दादा ठनठन पाल महराज की समाधी स्थल पर 3दिसम्बर से 12दिसम्बर तक परमपूज्य गुरुदेव स्वामी गिरीशानंद जी सरस्वती जी के मुखारविंद से रामकथा होने जा रही है। तीन दिसम्बर को प्रातः 10 भैरव बाबा मंदिर बरेला से 501कलश के साथ कथावाचक स्वामी गिरीशानंद जी सरस्वती बघी में सवार होकर नगर भ्रमण करते हुए कार्यक्रम स्थल पर पधारेंगे। साथ में कीर्तन मंडल, सजीव झांकी, श्याम बैंड के साथ शामिल होंगे। बरेला नगर में जगह जगह प्रसाद वितरण, स्वागत किया जायेगा। आयोजन में देश के महान संत महात्मा भी पधारेंगे। समिति संरक्षक विधायक सुशील तिवारी, अध्यक्ष राजेश सोनी, महासचिव अरविन्द तिवारी, आयोजक नवेरिया परिवार से अवधेश नवेरिया,स्मिता ,रमेश, दिनेश, उमेश, अखिलेश नवेरिया,प्रतीक दुबे ने समस्त भक्तजनों से धर्म लाभ लेने कार्यक्रम में आने की अपील की है।

ठंड का असर बच्चों की सेहत पर, धूप में लगी क्लास

बच्चों और बुजुर्गों की ठंड से सुरक्षा करें : डॉ. दीपक गायकवाड

गांधीग्राम, देशबन्धु। वर्तमान समय मे शीतलहर के साथ बर्फीली ठंड से स्कूलों में बच्चे कांप गए। शुक्रवार को शासकीय प्राथमिक कन्या शाला गांधीग्राम, एकीकृत शासकीय माध्यमिक शाला गांधीग्राम, शासकीय प्राथमिक माल्हा ,शासकीय प्राथमिक शाला रामपुर, एकीकृत माध्यमिक शाला गांधीग्राम, प्राथमिक शाला पथरई, देवनगर मिढासन के शिक्षकों के शिक्षकों उत्तम प्रसाद तिवारी, आरती दुबे, शशि लखेरा,मीना कैथवास, ऋचा गौर, पंछी राम कोरी राजेंद्र तिवारी ,मनीष त्रिपाठी ने बताया कि शीतलहर के कारण अत्यधिक ठंड पड़ रही हैं इससे बच्चे कांपते हुए स्कूल पंहुचे, ठंड से सुरक्षा की दृष्टि से धूप में कक्षाएं संचालित कर पढ़ाई कराई गई। आगामी दिनों में तापमान में और गिरावट आने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

स्कूल, घरों की दीवारें व फर्श ठंडे- इस संबंध में शिक्षकों, अभिभावकों,ग्रामीणों ने बताया कि वर्तमान समय में बर्फीली ठंड की वजह से रात्रि में ओस रूपी बर्फ गिरने से स्कूलों,घरों की छत के साथ साथ दीवारें व फर्श बर्फ के समान रहते हैं।

ठंड का असर बच्चों की सेहत पर -ठंड की अधिकता की वजह से बच्चों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है।गाँवो में गरीब परिवारों के बच्चे जिनके पास ऊनी स्वेटर और गर्म कपड़े आदि की व्यवस्था नहीं है।अधिक ठंड की वजह से देखा गया है कि अधिकांश बच्चों को सर्दी,जुकाम,सिर दर्द इत्यादि की परेशानियां भी हो रही है।

इनका कहना है

ठण्ड अधिक होने पर क्लास रूम,दीवारें,फर्श ठंडे हो जाते हैं, अतः ठण्ड से सुरक्षा व बचने के लिए गर्म कपड़ों के साथ साथ बच्चों की क्लास धूप में लगाई जा सकती हैं।शाम को भी ठण्ड जल्दी होने लगती है अतः बच्चों की सेहत का ध्यान रखते हुए ध्यान रखें। डॉक्टर दीपक गायकवाड ने कहा है कि ठंड को दृष्टिगत रखते हुए सुबह गर्म पानी पिए गर्म कपड़े पहने हाथ पैर, कान को ढंक कर रखें। धूप निकलने के बाद ही बाहर निकले बुजुर्ग शाम के समय भी घूमने बाहर न निकले।

डॉ. दीपिक गायकवाड़,
पूर्व बीएमओ, सिहोरा

शीतलहर में बाइक चला रहे लोगों का हाथ-पैर सुन्न हो जा रहा है।सूर्यास्त होते ही गलन और इतनी अधिक तेज बढ़ रही है कि लोग घरों में कैद हो जा रहे हैं। बिस्तरों में दुबके लोगों का शरीर भी ठंडा पड़ जा रहा है। बर्फीली हवा के थपेड़ों से लोगों का घर से बाहर निकलना दुभर हो गया है। ठंड से बचाव के लिए अलाव ही मात्र एक सहारा रह गया है। ग्राम पंचायत गांधीग्राम द्वारा कहीं भी अलाव की प्रबंध नहीं किए गए हैं ।धूप निकलने के कुछ समय बाद थोड़ी राहत जरूरी मिली लेकिन शाम ढलते ही सर्द हवा ने फिर अपना असर दिखाना शुरू कर दिया। ठंड से बच्चों व वृद्धों की दिक्कतें काफी बढ़ गई है।

उत्तर कोरिया ने कूड़े से भरे 40 गुब्बारे दक्षिण कोरिया की ओर भेजे

सियोल, (आईएएनएस)। दक्षिण कोरिया की सेना ने शुक्रवार को कहा कि उत्तर कोरिया ने पिछली रात से सीमा पार दक्षिण कोरिया में कचरे से भरे लगभग 40 गुब्बारे भेजे हैं, जिनमें से अधिकांश राजधानी के बड़े क्षेत्र में गिरे हैं। योनहाप समाचार एजेंसी के अनुसार, संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ ने कहा कि उन्होंने गुरुवार रात से शुक्रवार सुबह तक राजधानी क्षेत्र में उत्तर कोरिया द्वारा छोड़े गए लगभग 30 गुब्बारे देखे, जिनमें सियोल के आसपास का ग्योंगगी प्रांत भी शामिल है। सेना ने कहा, (गुब्बारों से) जो सामग्री मिली, उसमें दक्षिण कोरिया के खिलाफ दुष्प्रचार संबंधी पर्चे थे। उसमें ऐसा कुछ भी नहीं था, जिससे सुरक्षा को खतरा हो। मई के अंत से अब तक उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया में 32 बार ऐसे गुब्बारे भेजे हैं, जिनमें यह ताजा घटना भी शामिल है, जो दक्षिण कोरिया के द्वारा सीमा पार भेजे गए प्योंगयांग विरोधी प्रचार पत्रकों के जवाब में की गई है।

हमास युद्धविराम पर सहयोग के लिए तैयार

हमास ने की अमेरिका व इजरायल पर फिलिस्तीन के खिलाफ आक्रमण को रोकने के लिए दबाव डालने की अपील

गाजा, (एजेंसियां)। हमास ने कहा कि वह इजरायल-हिजबुल्लाह सीजफायर डील के बाद गाजा पट्टी में किसी भी संघर्ष विराम प्रयास में सहयोग करने के लिए तैयार है। फिलिस्तीनी ग्रुप ने कहा कि हम लेबनान में समझौते की प्रगति पर नजर रख रहे हैं, ताकि गाजा में आग को रोकने के किसी भी प्रयास में सहयोग करने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की जा सके। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने एक प्रेस बयान के हवाले से यह जानकारी दी।

बयान में हमास ने उन शर्तों का भी जिक्र किया जिन्हें वह समझौते के लिए जरूरी मानता हैं। इनमें शामिल हैं-कब्जा करने वाली सेनाओं (इजरायली आर्मी) की वापसी, विस्थापित लोगों की घर वापसी, वास्तविक और पूर्ण प्रिजनर एक्सचेंज। बयान में हमास ने अरब और इस्लामी देशों तथा 'स्वतंत्र विश्व की ताकतों' से गंभीर कदम उठाने, अमेरिका और इजरायल पर फिलिस्तीनी लोगों के खिलाफ उनके क्रूर आक्रमण को रोकने के लिए दबाव डालने की अपील की।

इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच युद्ध विराम लेबनान में स्थानीय समयानुसार बुधवार सुबह 4 बजे (2:00

जीएमटी/सुबह 7:30 बजे भारतीय समय) लागू हो गया।

इससे पहले मंगलवार को यूएस प्रेसिडेंट जो बाइडेन ने कहा कि इजरायल और लेबनान के बीच हुए युद्ध विराम समझौते के बाद लेबनानी सेना एक बार फिर अपने क्षेत्र पर कब्जा कर लेगी। उन्होंने कहा कि अगले 60 दिनों में, इजरायल धीरे-धीरे अपनी बाकी सेना को वापस बुला लेगा - दोनों पक्षों के नागरिक जल्द ही सुरक्षित रूप से अपने समुदायों में वापस लौट सकेंगे और अपने घरों का पुनर्निर्माण शुरू कर सकेंगे। जो बाइडेन ने अपने भाषण में गाजा में लड़ाई रुकने का भी समर्थन किया। उन्होंने कहा कि जिस तरह लेबनान के लोग सुरक्षा और समृद्धि के भविष्य के हकदार हैं, उसी तरह गाजा के लोग भी हैं। वे भी लड़ाई और विस्थापन के अंत के हकदार हैं। 7 अक्टूबर इजरायल में हमास के बड़े हमले के जवाब में यहूदी राष्ट्र ने फिलिस्तीनी ग्रुप के कब्जे वाली गाजा पट्टी में सैन्य अभियान शुरू किया था। हमास के हमले में करीब 1200 लोग मारे गए थे जबकि 250 से अधिक लोगों को बंधक बनाया गया था।

नेतान्याहू के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट का मामला

आईसीसी से अपील करेगा इजरायल

यरूशलम। इजरायल ने हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) में एक नोटिस दायर कर इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और पूर्व इजरायली रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के गिरफ्तारी वारंट के खिलाफ अपील करने का इरादा जताया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने बताया कि प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि इजरायल ने पिछले हफ्ते जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट में देरी करने का भी अनुरोध किया है। बयान में कहा गया है कि इजरायल की अपील की सूचना विस्तार से बताती है कि गिरफ्तारी वारंट जारी करने का निर्णय किस तरह से निराधार था और किसी भी तथ्यात्मक या कानूनी आधार से रहित था। इजरायल आईसीसी के अधिकार और गिरफ्तारी वारंट की वैधता से इनकार करता है। आईसीसी ने नेतन्याहू, गैलेंट और हमास के सैन्य कमांडर मोहम्मद देफ के खिलाफ 8 अक्टूबर 2023 और 20 मई 2024 के बीच गाजा में मानवता के खिलाफ अपराध और युद्ध अपराध के आरोप में गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इस वारंट का समर्थन फ्रांस और नॉर्वे ने भी किया था। फ्रांस ने अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के आदेश का समर्थन किया था।

भारत व अमेरिका की साझेदारी होगी और मजबूत : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दोस्त बताया। उन्होंने कहा कि अगले महीने वाशिंगटन में नए प्रशासन के कार्यभार संभालने के बाद नई दिल्ली दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है।

भारत व प्रधानमंत्री मोदी के दोस्त हैं ट्रंप, मुझे विश्वास है कि यह मित्रता आगे भी बढ़ेगी : पीयूष गोयल

गोयल ने कहा कि ट्रंप भारत के मित्र हैं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दोस्त हैं और मुझे विश्वास है कि यह मित्रता आगे भी बढ़ेगी, उन्होंने (ट्रंप ने) अब तक जो भी टिप्पणियां की हैं, उनसे यह स्पष्ट है। ट्रंप ने अपने चुनाव अभियान के दौरान कहा था कि भारत उन देशों में से एक हैं जो अमेरिका का फायदा उठाते हैं। उन्होंने आयात पर कड़े टैरिफ लगाने की धमकी दी है, खास तौर पर दूसरे देशों द्वारा लगाए गए ऊंचे टैरिफ के प्रतिशोध के तौर पर - यह कदम भारत को प्रभावित कर सकता है। हालांकि गुरुवार को वाणिज्य और उद्योग मंत्री गोयल ने इन टिप्पणियों पर आशंकाओं को दूर करने की कोशिश की। गोयल ने मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि मुझे लगता है कि हमें जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। नई सरकार को कार्यभार संभालने और आधिकारिक विचार व्यक्त करने देना चाहिए। स्थिति की मेरी समझ, ट्रंप प्रशासन के साथ काम करने का मेरे अनुभव और भारत के पिछले अनुभव के अनुसार, मुझे किसी भी समस्या की आशंका नहीं है।

आज का इतिहास

1700 – किंग चार्ल्स द्वद्वद्व के नेतृत्व में महान उत्तरी युद्ध-स्वीडिश बलों ने नारवा की लड़ाई में जार पीटर की रूसी सेना को हराया।
1731 – बीजिंग में भूकंप से लगभग एक लाख लोग मरे।
1759 – दिल्ली के सम्राट आलमगिर द्वितीय की उनके मंत्री ने हत्या की।
1782 – अमेरिकी क्रांति – पेरिस में, संयुक्त राज्य अमेरिका और ग्रेट ब्रिटेन के प्रतिनिधि प्रारंभिक अवसर की संधि पर सहमत हुए। इस समझौते को 1783 में पेरिस की संधि के रूप में सील कर दिया गया।
1803 – न्यू ऑरलियन्स में स्पेनिश प्रतिनिधि लुइसियाना प्रांत को फ्रांसीसी प्रतिनिधि को स्थानांतरित करता है। 20 दिन बाद, लुइसियाना खरीद के एक हिस्से के लिए फ्रांस ने अमेरिका को क्षेत्र बेच दिया।
1853 – क्रीमियन युद्ध – रूसी नौसेना ने सिनोप की लड़ाई में तुर्क जहाजों के एक बेड़े को डूबो दिया।
1872 – पहला आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय फुटबाल मैच खेला गया। इंग्लैंड और स्कॉट लैंड के बीच होने वाला यह मैच वेस्ट ऑफ स्कॉटलैंड क्रिकेट में हुआ।
1872 – स्कॉटलैंड और इंग्लैंड के बीच ग्लासगो के हैमिल्टन क्रिसेंट में पहला अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मैच हुआ।

सुडोकू 6750

				1		2	9	5
7				6		4		
					8		6	
						5	2	
1		5				6		9
	4	7						
	6		9					
		2		5				1
3	9	1		8				

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

चीन ने नए युग में ग्रामीण सड़कों के विकास पर श्वेत पत्र जारी किया

बीजिंग, (आईएएनएस)। चीन की स्टेट काउंसिल के सूचना कार्यालय ने नए युग के दौरान देश में ग्रामीण सड़कों के विकास पर चर्चा करते हुए एक श्वेत पत्र जारी किया। दस्तावेज ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछले एक दशक में, चीन ने ग्रामीण क्षेत्रों में 25 लाख किलोमीटर सड़कों का सुधार या निर्माण किया है। 2023 के अंत तक, ग्रामीण सड़कों की कुल लंबाई 46 लाख किलोमीटर से अधिक थी।

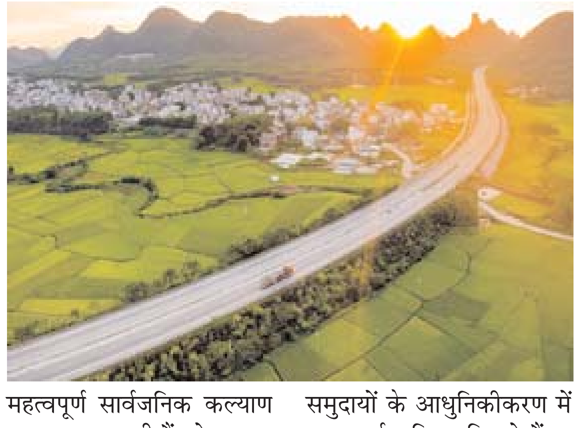

श्वेत पत्र इस बात पर जोर देता है कि ग्रामीण सड़कें परिवहन बुनियादी ढांचे के लिए आवश्यक हैं। वे विशाल क्षेत्रों को कवर करती हैं, बड़ी आबादी की सेवा करती हैं और महत्वपूर्ण सार्वजनिक कल्याण लाभ प्रदान करती हैं। वे अक्सर ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध परिवहन का सबसे महत्वपूर्ण और एकमात्र साधन होते हैं, जो किसानों के कल्याण को बढ़ाने, जीवन की स्थिति में सुधार करने और कृषि और ग्रामीण समुदायों के आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

श्वेत पत्र के अनुसार, चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की 18वीं राष्ट्रीय कांग्रेस के बाद से ग्रामीण सड़कों का विकास एक नए चरण में प्रवेश कर गया है। वर्तमान में, सभी शहर और गांव जो कुछ शर्तों को पूरा करते हैं, उनमें पक्की सड़कें हैं, जिसके परिणामस्वरूप बुनियादी ग्रामीण परिवहन बुनियादी ढांचे का एक व्यापक नेटवर्क बन गया है। दस्तावेज में चीन की राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुरूप ग्रामीण सड़क विकास रणनीति की रूपरेखा भी दी गई है, जो वैश्विक गरीबी उन्मूलन प्रयासों के लिए चीनी बुद्धिमत्ता और रणनीतियों को प्रदर्शित करती है। इसके अलावा, श्वेत पत्र में खुलेपन, सहयोग और पारस्परिक लाभ की भावना से ग्रामीण सड़क विकास के क्षेत्र में अन्य देशों के साथ आदान-प्रदान और सहयोग बढ़ाने की चीन की इच्छा व्यक्त की गई है।

पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में लगी आग को लेकर डीएफईएस ने जारी किया अलर्ट

सिडनी, (आईएएनएस)। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया (डब्ल्यूए) में लगी भीषण आग को लेकर डब्ल्यूए डिपार्टमेंट ऑफ फायर एंड प्लांट (डीएफईएस) ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि आग काफी फैल चुकी है, अब वहां से निकलने में बहुत देर हो चुकी है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार डीएफईएस ने शुक्रवार की सुबह पर्थ से 170 किलोमीटर उत्तर में स्थित छोटे तटीय शहर सर्वेट्स के निवासियों और आस-पास के समुदायों को आपातकालीन चेतावनी जारी करते हुए ग से बचने के लिए आश्रय लेने की सलाह दी गई। अलर्ट में डब्ल्यूए डिपार्टमेंट ऑफ फायर एंड प्लांट (डीएफईएस) की ओर से चेतावनी जारी करते हुए कहा गया आप खतरे में हैं और बचने के लिए तुरंत कार्रवाई करने की जरूरत है। आपकी जान और घरों को खतरा है। अलर्ट में डिपार्टमेंट ने आगे कहा, अब निकलने में बहुत देर हो चुकी है। आग ने बाहरी मार्गों को प्रभावित किया है और अब निकलने से आपकी जान को खतरा हो सकता है। बता दें कि सोमवार को एक कार दुर्घटना से भड़की आग पर काबू पाने के लिए सैकड़ों अग्निशमन कर्मियों के साथ-साथ एरियल वॉटर बॉम्बिंग क्रू (विमानों का उपयोग करके जंगल की आग पर काबू पाने वाली टीम) टीमों को लगाया गया। आग इतनी खतरनाक हो गई है कि इसने 65,000 हेक्टेयर से अधिक भूमि को जला दिया है। अधिकारियों ने कहा कि शुक्रवार को गर्म मौसम और तेज हवाओं के पूर्वानुमान के कारण नियंत्रण प्रयासों को और अधिक चुनौतीपूर्ण बना सकता है।

पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में लगी आग को लेकर डीएफईएस ने जारी किया अलर्ट

सिडनी, (आईएएनएस)। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया (डब्ल्यूए) में लगी भीषण आग को लेकर डब्ल्यूए डिपार्टमेंट ऑफ फायर एंड प्लांट (डीएफईएस) ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि आग काफी फैल चुकी है, अब वहां से निकलने में बहुत देर हो चुकी है। एक रिपोर्ट के अनुसार डीएफईएस ने शुक्रवार की सुबह पर्थ से 170 किलोमीटर उत्तर में स्थित छोटे तटीय शहर सर्वेट्स के निवासियों और आस-पास के समुदायों को आपातकालीन चेतावनी जारी करते हुए ग से बचने के लिए आश्रय लेने की सलाह दी गई।

अलर्ट में डब्ल्यूए डिपार्टमेंट ऑफ फायर एंड प्लांट (डीएफईएस) की ओर से चेतावनी जारी करते हुए कहा गया आप खतरे में हैं और बचने के लिए तुरंत कार्रवाई करने की जरूरत है। आपकी जान और घरों को खतरा है। अलर्ट में डिपार्टमेंट ने आगे कहा, अब निकलने में बहुत देर हो चुकी है। आग ने बाहरी मार्गों को प्रभावित किया है और अब निकलने से आपकी जान को खतरा हो सकता है। बता दें कि सोमवार को एक कार दुर्घटना से भड़की आग पर काबू पाने के लिए सैकड़ों अग्निशमन कर्मियों के साथ-साथ एरियल वॉटर बॉम्बिंग क्रू (विमानों का उपयोग करके जंगल की आग पर काबू पाने वाली टीम) टीमों को लगाया गया। आग इतनी खतरनाक हो गई है कि इसने 65,000 हेक्टेयर से अधिक भूमि को जला दिया है। अधिकारियों ने कहा कि शुक्रवार को गर्म मौसम और तेज हवाओं के पूर्वानुमान के कारण नियंत्रण प्रयासों को और अधिक चुनौतीपूर्ण बना सकता है।

सर्वेट्स और आसपास के क्षेत्र में सड़कें, स्कूल और अस्पताल बंद कर दिए गए हैं। आग बुझाने के दौरान दो अग्निशमन कर्मी भी घायल हो गए। जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

फिलिस्तीन दिवस पर पीएम मोदी ने फिलिस्तीनियों के विकास के लिए भारत के समर्थन का वादा किया

नई दिल्ली, (आईएएनएस)। हर साल 29 नवंबर को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय फिलिस्तीनी एकजुटता दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिलिस्तीन के लोगों के नाम पत्र लिखकर वहां के विकास के लिए भारत के निरंतर समर्थन का वादा किया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पत्र के माध्यम से कहा, हम फिलिस्तीनी लोगों के साथ एकजुटता के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस का जश्न मना रहे हैं। मैं फिलिस्तीन के लोगों के विकास के लिए भारत के निरंतर समर्थन को दोहराता हूं। फिलिस्तीनी लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने में भारत दृढ़ता के साथ खड़ा है। भारत हमेशा फिलिस्तीनी लोगों के विकास में भागीदार रहा है। भारत इस यात्रा में उनके साथ खड़ा रहेगा, जिसमें फिलिस्तीनी लोगों की जरूरतों और प्राथमिकताओं के आधार पर अन्य क्षेत्रों में फिलिस्तीनी लोगों पर केंद्रित परियोजनाओं का क्रियान्वयन करना भी शामिल है।

पीएम मोदी ने आगे कहा, क्षेत्र में अपनी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए संयुक्त राष्ट्र को हमारा निरंतर समर्थन फिलिस्तीनी लोगों के दैनिक जीवन में सार्थक बदलाव लाने की हमारी

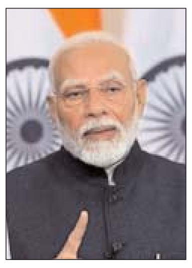

इच्छा को प्रमाणित करता है। इलाके में चल रहे संघर्ष के परिणामस्वरूप दुखद जीवन की हानि हुई है और फिलिस्तीन और पश्चिम एशिया क्षेत्र के लोगों के लिए भारी पीड़ा हुई है। भारत वर्तमान सुरक्षा और मानवीय स्थिति को लेकर बहुत चिंतित है। भारत तत्काल युद्ध विराम, आतंकवाद के सभी कारकों को समाप्त करने, बंधकों की रिहाई और फिलिस्तीन के लोगों को मानवीय सहायता की निरंतर आपूर्ति की अपील करता है। पीएम मोदी ने आगे भारत की टू स्टेट पॉलिसी की बात दोहराते हुए कहा, भारत का दृढ़ विश्वास है कि संवाद और कूटनीति स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान की कुंजी है। भारत ने हमेशा बातचीत के माध्यम से टू स्टेट पॉलिसी के बीच चल रहे विवाद के समाधान का समर्थन किया है, जिससे एक संप्रभु, स्वतंत्र और व्यवहार्य फिलिस्तीन राज्य की स्थापना हो सके, जो इजरायल के साथ शांति से रह सके। मैं भारत के लोगों के साथ मिलकर फिलिस्तीनी लोगों के शांतिपूर्ण और समृद्ध भविष्य की कामना करता हूं।

वर्ग पहेली 6750

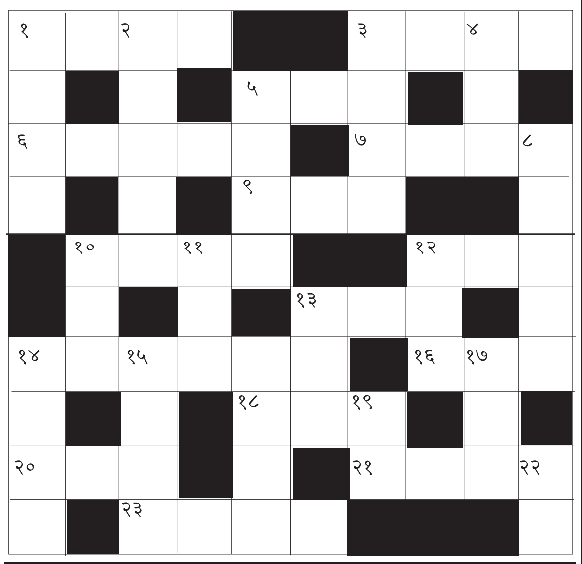

बायें से दाये:-
१. किसी काम या सेवा के स्वेच्छापूर्वक दिया जाने वाला पारिश्रमिक
३. बहुत ही मशहूर
५. पागल
६. अमृत जैसे मीठे बोल
७. लोगों की राय
९. स्वाद लेना
१०. जांचने वाला, परीक्षण करने
१२. निर्ऊयता, धृष्टता (उर्दू)
१३. बहू, वधू
१४. अधीरता, उतावली, शीघ्रता
१६. निमंत्रण (उर्दू)
१८. योग्यता
२०. खिसकाना, सरकाना, किसी वस्तु या व्यइक्ति आदि को एक स्थान से दूसरे स्थान पर करना
२१. विवाह, शादी
२३. पीड़ा से भरा

ऊपर से नीचे:-
१. इंसानियत
२. एक लिपि जिससे हिंदी, संस्कृत, मराठी भाषायें लिखी जाती हैं
३. सोया हुआ आदमी, आधी रात
४. अत्याचार (उर्दू)
५. बांटने वाला
८. जांच-पड़ताल (उर्दू)
१०. लेकिन
११. शक्ति, सामर्थ्य
१२. असंगत, बेतुका, भद्दा, अशिष्ट (उर्दू)
१३. शुद्ध, पाक
१४. खुदकुशी
१५. युद्धभूमि में होने वाली बाहरी आवाज
१७. जल देवता, समुद्र
१८. पोषण करना, परवरिश करना
१९. उष्णता, गर्मी
२२. अगर

वर्ग पहेली-6749

१ प	रा	२ का	ष्ठा	■	■	३ बे	ल	४ गा	म
रि	■	न	■	५ अ	द्दा	ई	■	यि	■
६ प	ता	का	■	वि	■	७ मा	र	का	८ ट
क्व	■	क	■	९ भ	वा	नी	■	■	र
■	१० उ	च्चा	११ यु	क्त	■	■	१२ अ	टू	ट
■	जा	■	द्ध	■	१३ अ	चं	भा	■	रा
१४ ना	ला	१५ य	क	■	पि	■	१६ व	१७ र	ना
स	■	ज	■	१८ आ	तु	१९ र	■	सा	■
२० म	हि	मा	■	लं	■	२१ ज	हा	ल	२२ त
झ	■	२३ न	क	ब	ज	नी	■	■	म

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

राहत यूरोप के कई देशों ने यूक्रेन को दिलाया भरोसा, कहा

कीव को जारी मदद में करेंगे इजाफा

हेलसिंकी, (एजेंसियां)। यूरोप के कई देशों ने यूक्रेन के प्रति अपना समर्थन जारी रखने और उसे बढ़ाने का वादा किया। नॉर्डिक और बाल्टिक देशों के नेताओं ने पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के साथ मिलकर कीव को यह आश्वासन दिया। यह घोषणा इन आशंकाओं के बीच की गई है कि नव निर्वाचित डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति पद संभालने के बाद यूक्रेन की दी जाने वाली यूएस मदद को सीमित कर सकते हैं। डेनमार्क, एस्टोनिया, फिनलैंड, नॉर्वे, पोलैंड, स्वीडन के प्रधानमंत्रियों और लातविया के विदेश मंत्री ने बैठक के दौरान यह घोषणा की।

बैठक स्वीडिश प्रधानमंत्री के निवास स्थान हार्पसंड में आयोजित हुई। स्वीडिश पीएम उल्फ क्रिस्टर्सन ने बुधवार को मीडिया को बताया कि बैठक में शामिल होने वाले देशों ने यूक्रेन के रक्षा उद्योगों को बढ़ावा देने, अधिक गोला-बारूद उपलब्ध कराने जरिए यूक्रेन को अपना समर्थन बढ़ाने पर सहमति जताई। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने कहा कि यूक्रेन के रक्षा उद्योग में प्रत्यक्ष निवेश होगा। उन्होंने कहा कि यूक्रेन को दी जाने वाली मदद पर कोई प्रतिबंध नहीं होना चाहिए।

आगामी ट्रंप प्रशासन के तहत अमेरिकी समर्थन में संभावित गिरावट के बारे में पूछे जाने पर, टस्क ने कहा कि यूरोप को कम से कम इसके कुछ हिस्से की भरपाई के लिए तैयार रहना चाहिए। बता दें अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन के लिए अमेरिकी मदद की बार-बार आलोचना की। वह दावा करते रहे हैं कि सत्ता में आने पर कुछ ही घंटों में युद्ध विराम करवा सकते हैं। उनके बयानों ने कीव और यूरोप में इस बात को लेकर आशंकाएं पैदा कर दीं कि भविष्य में यूक्रेन के लिए अमेरिकी समर्थन सीमित हो सकता है।

वहीं बुधवार को प्रकाशित एक संयुक्त वक्तव्य में बैठक में उपस्थित सातों नेताओं ने यूक्रेन की विजय योजना का समर्थन किया। उन्होंने कीव के पूर्ण यूरोपीय और यूरो-अटलांटिक एकीकरण का समर्थन करने का वचन दिया।

खेल जगत

मैकस्वीनी अच्छा प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं : रेयान हैरिस

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज रेयान हैरिस ने भारत के खिलाफ 6 दिसंबर से एडिलेड ओवल में होने वाले दूसरे टेस्ट में अच्छी तरह से तैयार नाथन मैकस्वीनी का समर्थन किया है। हालांकि, पर्थ टेस्ट में यह बल्लेबाज डेब्यू के दौरान संघर्ष करते नजर आया। अपने डेब्यू टेस्ट में मैकस्वीनी को जसप्रीत बुमराह ने दो बार एलबीडब्ल्यू आउट किया, जबकि ऑस्ट्रेलिया को पर्थ स्टेडियम में भारत के हाथों 295 रनों से हार का सामना करना पड़ा और अब वह पांच मैचों की बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में 1–0 से पीछे है। हैरिस ने एसईएन रेडियो से कहा कि फिलहाल, मुझे लगता है कि वह इसके लिए सबसे अच्छा व्यक्ति है, लेकिन सभी की तरह उसे भी रन बनाने की जरूरत है। नंबर–3 पर बल्लेबाजी करना और ओपनिंग करना थोड़ा अलग है, लेकिन ऐसा नहीं है। नाथन ऐसा करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

शमशेर व व्हीटन एचआईएल में होंगे एसजी पाइपर्स पुरुष हॉकी टीम के सह कप्तान

नई दिल्ली, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। पिछले लगातार दो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम के सदस्य शमशेर सिंह और ऑस्ट्रेलिया के तीन बार के ओलंपियन जैकब व्हीटन को दिल्ली एसजी पाइपर्स ने सात बरस बाद फिर से शुरू हो रही हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024–25 में अपनी पुरुष टीम के दो सह कप्तान नियुक्त किए हैं। वहीं भारत की उपकप्तान नवनीत कौर को पहली बार हो रही चार टीमों महिला हॉकी इंडिया लीग के लिए नवनीत कौर को दिल्ली एस जी पाइपर्स ने अपनी महिला हॉकी टीम की कप्तान नियुक्त किया है जा बकि बेल्जियम की डिफेंडर एमा पुवरेज उप कप्तान होंगी।

■ शमशेर के दो गोल से सीआरपीएफ ने नामधारी को हराया

शमशेर के साथ सह कप्तान बन गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं : व्हीटन

दिल्ली एस जी पाइपर्स का सह कप्तान नियुक्त किए जाने पर 2020 के टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक 2014 की विश्व कप विजेता, तथा दो बार बार चैंपियंस ट्रॉफी और दो बाद बार एफआईएच प्रो लीग खिताब जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम के सदस्य रहे जैकब व्हीटन ने कहा, 'मैं शमशेर सिंह के साथ आगामी एचआईएल के लिए दिल्ली एस जी पाइपर्स की पुरुष टीम का सह कप्तान नियुक्त किया बेहद गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं।एचआईएल दुनिया के सर्वश्रेष्ठ हॉकी खिलाड़ियों के खिलाफ प्रतिस्पर्धात्मक माहौल में खेलने का शानदार मौका है। मैं अपनी इस नई फ्रेंचाइजी के साथियों और सह कप्तान के साथ मिलकर खेलने का बेताबी से इंतजार कर रहा हूं।'

व्हीटन और शमशेर हमारी टीम की कप्तानी के लिए सही खिलाड़ी : श्रीजेश

दिल्ली एसजी पाइपर्स के हॉकी निदेशक भारत के पूर्व गोलरक्षक पीआर श्रीजेश ने एचआईएल में अपनी टीम के सह कप्तानों की नियुक्ति की बाबत कहा, 'टीम में दोहरी कप्तानी का कारण घरेलू और विदेशी खिलाड़ियों को एक सी तवज्जो देना है और इस तरह की बराबरी टीम को एक मजबूत कड़ी के रूप में पिरोती है। व्हीटन ऑस्ट्रेलिया के वरिष्ठतम हॉकी खिलाड़ियों में से एक हैं और पर्याप्त अनुभवी और अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों में कप्तान के रूप में वह हमारी सही पसंद है। शमशेर भारत के दो ओलंपिक पदक जीतने वाले गिने चुने खिलाड़ियों में एक हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि शमशेर ऑस्ट्रेलिया के व्हीटन के साथ कप्तानी की जिम्मेदारी बांट कर नेतृत्व क्षमता बेहतर करेंगे। व्हीटन और शमशेर दोनों हमारी टीम की कप्तानी के लिए सही खिलाड़ी हैं।

नवनीत कौर पूरी शिद्दत से बेहतरीन प्रदर्शन करती हैं : डेव

'दिल्ली एसजी पाइपर्स की महिला हॉकी टीम के हेड कोच डेव समोलनर्ज ने कहा, 'नवनीत कौर भारतीय महिला हॉकी टीम की एक अहम खिलाड़ी हैं। मैंने बीते कई महीने में यह अनुभव किया है कि वह अपनी साथी खिलाड़ियों से अपनी बात पहुंचाने में सफल रही हैं। साथ ही वह साथी खिलाड़ियों के साथ बहुत सहज हैं और विजेता हैं और मैदान हमेशा पूरी शिद्दत से अपना बेहतरीन प्रदर्शन करती हैं। भारतीय हॉकी को विकसित करने के लिए आपको भारतीय कप्तान चाहिए।

शमशेर गजब के हॉकी कौशल और अनुभव के कारण सह कप्तान की नैसर्गिक पसंद : रीड

दिल्ली एस जी पाइपर्स पुरुष हॉकी टीम के चीफ कोच ग्राहम रीड ने कहा, ' शमशेर अपने गजब के हॉकी कौशल और विश्व हॉकी के लंबे अनुभव के कारण पुरुष टीम के सह कप्तान की नैसर्गिक पसंद थे। मैं खुशकिस्मत था कि जब मैं भारतीय पुरुष हॉकी टीम का चीफ कोच था तो तब 2019 में शमशोर को भारतीय राष्ट्रीय शिविर के लिए शामिल किया था और अपने धैर्य और आत्मविश्वास के कारण हमारी टीम के सह कप्तान की नैसर्गिक पसंद थे। शमशेर अपनी नेतृत्व क्षमता उन्हें असाधारण खिलाड़ी बनाती है। दो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता शमशेर का अनुभवी उन्हें टीम के साथियों से जोड़ने के साथ उनके प्रदर्शन को बेहतर करेगा। बेशक शमशेर का उत्साह और संकल्प इस एचआईएल में हमारी टीम को बेहतरीन प्रदर्शन को प्रेरित करेगा। मुझे व्हीटन में एक आदर्श कप्तान के सभी गुण दिखाई देते हैं। व्हीटन काओलंपिक रजत पदक विजेता ऑस्ट्रेलियाई टीम का सदस्य होने का उनका अनुभव उन्हें खुद बेहतरीन प्रदर्शन करनेके साथ अपने साथियों को बेहतर प्रदर्शन को प्रेरित करेगा। व्हीटन का टीम में सकारात्मक माहौल बनाए रखना हमें बेशक चुनौतियों से उबार कर आगे ले जाने में सहायक बनेगा।

भारतीय जू.टीम ने जापान जू. टीम को 3–2 से हराया

नई दिल्ली, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। सीनियर टीम के खेल चुके ऑलराउंडर अरिजित सिंह हुंडल द्वारा दागे निर्णायक और मैच के आखिरी गोल की बदौलत भारत ने जापान को मस्कट (ओमान) में जूनियर पुरुष हॉकी एशिया कप पूल ए में कड़े संघर्ष के बाद 3–2 से हरा कर बृहस्पतिवार रात 3–2 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। भारत ने अपने अभियान का आगाज थाईलैंड पर 11 –0 बड़ी जीत के साथ किया किया। भारत ने थोकचम किंगसन सिंह (12) और रोहित (36) के गोल से दो बार बढ़त ली लेकिन नियो सातो द्वारा दो गोल कर जापान को दो बार बराबरी दिला दी।

■ भारत ने अपने अभियान का आगाज थाईलैंड पर 11-0 बड़ी जीत के साथ किया

अरिजित हुंडल ने तीसरे क्वॉर्टर के नौवें मिनट में बढ़िया मैदानी गोल कार भारत को 3–2 से आगे कर दिया और उनका यह गोल निर्णायक और विजयदाई साबित हुआ। भारत और जापान की जूनियर टीमों के बीच शुरू से जोरदार संघर्ष देखने को मिला। जापान की जूनियर टीम ने तीसरे ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन गोलरक्षक बिक्रमजीत सिंह ने मुस्तैदी दिखा रोक भारतीय जूनियर टीम पर खतरा टाल दिया। जापान की जूनियर टीम ने दोनो से छोर से हमले बोलने की कोशिश की लेकिन भारत की जूनियर टीम ने हॉकी की कलाकारी के साथ लंबे एरियल बॉल से उसके ही गोल के सामने गेंद ले उसकी गोल करने की रणनीति विफल कर दी । दोनों टीमों का गेंद पर कब्जा लगभग बराबर रहा। दिलराज सिंह ने पहला क्वॉर्टर खत्म होने से तीन पहले पेनल्टी कॉर्नर दिलाया और इस पर जापानी गोलरक्षक के पैड को लग कर झिटकी गेंद को किंगसन सिंह ने संभाल गोल कर भारत की जूनियर टीम का खाता खोला। नियो सातो ने पहला क्वॉर्टर खत्म से ठीक पहले पेनल्टी कॉर्नर पर बढ़िया ड्रैग फ्लिक कर जापान की जूनियर टीम को एक एक की बराबरी दिलादी। दूसरे क्वॉर्टर के शुरुआती मिनट में भारत की जूनियर टीम केमनमीत सिंह ने दो बार जापान के गोल के तेज हमले बोले लेकिन जापानकी जूनियर टीम के गाशलरक्षक किशु ने अच्छा पूर्वानुमान लगाकर उनके ये हमले नाकाम कर दिया। जापान की जूनियर टीम को दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन भारत के गोलरक्षक बिक्रमजीत ने अच्छे बचाव किए,।

शुभमन गिल बल्लेबाजी करते हुए काफी सहज दिखे : अभिषेक नायर

कैनबरा, 29 नवम्बर (एजेंसियां)। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के आगाज से पहले शुभमन गिल का चोटिल होना भारतीय टीम के लिए बड़ा झटका था। लेकिन सीरीज के दूसरे टेस्ट से पहले इस युवा बल्लेबाजी की वापसी के संकेत से भारतीय खेमे में खुशी का माहौल है। टीम के सहायक कोच अभिषेक नायर ने कहा कि शुभमन गिल शनिवार से मनुका ओवल में प्राइममिनिस्टर्स इलेवन के खिलाफ शुरू हो रहे दो दिवसीय अभ्यास मैच से पहले बल्लेबाजी करते हुए काफी सहज दिखे। यह मैच गुलाबी गेंद से खेला जाएगा। गिल वाका ग्राउंड पर मैच से पहले अभ्यास सत्र में बाएं अंगूठे में लगी चोट के कारण पर्थ में खेले गए पहले मैच से बाहर हो गए थे। भारत ने यह मैच 295 रन से जीता था। नायर ने भारत के अभ्यास सत्र के दौरान संवाददाताओं से कहा कि वह अभी बल्लेबाजी कर रहे हैं और काफी सहज नजर आ रहे हैं। हमारे फिजियो उनकी चोट का पूरी तरह से मूल्यांकन करेंगे और उसके बाद मुझे उनकी स्थिति का पता चलेगा। लेकिन मैंने जो देखा है, उससे लगता है कि वह बल्लेबाजी करते हुए सहज हैं। ऐसा लग रहा है कि वह मैच में बल्लेबाजी कर सकते हैं। गिल और रोहित शर्मा की वापसी से चयन के लिए भारत को किन परेशानियों का सामना करना पड़ेगा, इस सवाल पर नायर ने कहा कि यह थोड़ी परेशानी का सबब जरूर है लेकिन यह हमारी परेशानी नहीं है क्योंकि मुख्य खिलाड़ियों की वापसी से टीम और अधिक मजबूत होगी। ऐसी स्थिति में होना हमेशा अच्छा होता है, जहां आपके दो शीर्ष खिलाड़ी वापस आएं। इससे बहुत आत्मविश्वास बढ़ता है। उनका (रोहित और गिल का) वापस आना अच्छा है। टीम जोश से भरी हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा यह समझते हैं कि पर्थ में उन्हें प्लेइंग–11 में क्यों नहीं चुना गया। सहायक कोच ने कहा कि जब आपके पास जडेजा और अश्विन जैसे सीनियर होते हैं, जो समझते हैं कि टीम क्या करने की कोशिश कर रही है, तो टीम–फर्स्ट की नीति के कारण यह बहुत आसान हो जाता है। इस टीम की संस्कृति यह है कि हर कोई चाहता है कि 'टीम इंडिया' जीते। गुलाबी गेंद से टेस्ट क्रिकेट खेलने के बारे में नायर ने बताया कि भारतीय टीम इसके लिए कैसे तैयारी कर रही है। भारत ने आखिरी बार मार्च 2022 में गुलाबी गेंद से खेला था। उन्होंने कहा कि बारिश हो रही थी, लेकिन अच्छी बात यह है कि हर कोई खेलने के लिए उत्सुक था। बारिश में भी सभी ने बल्लेबाजी की। चाहे वह गुलाबी गेंद हो या लाल गेंद, सारा अंतर वास्तव में दिमाग में होता है क्योंकि हमें हर हाल में अपना सिर्फ बेस्ट देना होगा।

भारतीय हॉकी का ओलंपिक में स्वर्ण जीतने का दौर फिर लौटे : अभिषेक

■ मेरी ताकत रफ्तार व डी के भीतर सही फैसला ले निशाने लगा गोल करना

■ मैं ऑस्ट्रेलिया के टॉम क्रेग की तरह बनना चाहता हूं, मनदीप का मुरीद हूं

सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। 25 बरस के अभिषेक नैन का दिल्ली से एकदम सटे सोनीपत जैसे छोटे शहर से आकर अपनी रफ्तार और खासतौर पर डी के भीतर अचूक निशानेबाजी से भारतीय हॉकी टीम के स्टार स्ट्राइकर के रूप में पहचान बनाने का सफर खासा रोचक और उतार–चढ़ाव वाला रहा है। उनकी गिनती अब भारत ही नहीं दुनिया के ऐसे चतुर व कुशल हॉकी स्ट्राइकर के रूप में होती है जो खुद गोल के मौके बनाने के साथ नए जमाने जरूरी प्रमुख पेनल्टी कॉर्नर बनाना भी खूब जानते हैं। देश की आजादी के दिन यानी 15 अगस्त को 1999 में जन्मे नैन ने खुद को करीब एक दशक से भी ज्यादा भारत के प्रमुख स्ट्राइकर रहे आकाशदीप सिंह का सही विकल्प साबित कर अपने साथी सुखजीत सिंह के साथ पहले ग्राहम रीड और अब क्रेग फुल्टन सरीखे देश के चीफ हॉकी कोच का विश्वास जीता है। विशेष पुलिस फोर्स में रहे सत्यनारायण नैन और सूरत देवी के बेटे और हिंदी अध्यायक और जुनूनी हॉकी कोच शमशेर सिंह दहिया के शार्गिद अभिषेक बतौर स्ट्राइकर भारत को 2022 के एशियाई खेलों और 2024 की एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में स्वर्ण और 2024 में पेरिस ओलंपिक में कांसा जिता कर देश और दुनिया के हॉकी प्रेमियों का दिल चुके हैं। सात बरस बाद फिर से शुरू हो रही हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024–25 की नीलामी में सूरमा हॉकी क्लब पंजाब के भारत के कप्तान ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह (78 लाख रुपए) के बाद अभिषेक नैन (72 लाख रुपए) श्राची बंगाल टाइगर्स द्वारा खरीदे दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। प्रस्तुत है अभिषेक के साथ अब तक हॉकी सफर और भारत के लिए भविष्य के उनके लक्ष्यों पर उनसे की खास बात। अभिषेक नैन अपने शुरुआती दिनों से भारतीय हॉकी टीम के स्टार स्ट्राइकर तक के सफर की चर्चा करते हुए अतीत में खो जाते हैं। वह बताते हैं, 'अपने स्कूल छोटू राम जमींदार (सीआरजेड), सोनीपत में अपने साथी 'लकी' को हॉकी खेलता देख हॉकी खेलना शुरू किया और वह अपने नाम के मुताबिक मेरे लिए बहुत 'लकी' साबित हुए।

हॉकी इंडिया ने किया आधिकारिक मोबाइल ऐप लॉन्च

नई दिल्ली, 29 नवम्बर (एजेंसियां)। खेल की अधिक लोगों तक पहुंच और प्रशंसकों के अनुभव को समृद्ध करने की दिशा में एक सार्थक कदम उठाते हुए हॉकी इंडिया ने हॉकी इंडिया लीग से पहले आधिकारिक रूप से मोबाइल ऐप लॉन्च किया है। करीब सात वर्ष के अंतराल के बाद हो रही हॉकी इंडिया लीग की वापसी को लेकर खिलाड़ी और प्रशंसक उत्साहित है। इस ऐप के लिए अब दुनिया भर के हॉकी खिलाड़ी और प्रशंसक जुड़े रह सकते है। यह ऐप नवीनतम फोटो और प्रेस रिलीज से लेकर आँकड़ों की विस्तृत जानकारी का अनुभव प्रदान करता है हॉकी इंडिया लीग गवर्निंग कमेटी के अध्यक्ष डॉ दिलीप तिर्की ने ऐप को लेकर कहा कि आधिकारिक हॉकी इंडिया और हॉकी इंडिया लीग ऐप खेल को अपने प्रशंसकों के करीब लाने की दिशा में एक कदम है।

हालैंड, एमबाप्पे, बेलिंगहैम फीफा पुरुष पुरस्कार के लिए नामांकितों में शामिल

ज्यूरिख, 29 नवम्बर (एजेंसियां)। मैनचेस्टर सिटी के एर्लिंग हालैंड, रियल मैड्रिड के किलियन एमबाप्पे और जूड बेलिंगहैम सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी श्रेणी में नामांकितों में शामिल हैं, क्योंकि फीफा ने सर्वश्रेष्ठ फीफा फुटबॉल पुरस्कार 2024 के लिए नामांकितों की शॉर्टलिस्ट की घोषणा की है, जो क्लब और राष्ट्रीय–टीम दोनों स्तरों पर महिला और पुरुष फुटबॉल के एक और रोमांचक वर्ष में अग्रणी खिलाड़ियों को पहचान देगा। हालैंड, एमबाप्पे और बेलिंगहैम के अलावा, अन्य नामांकित व्यक्ति हैं: दानी कार्वाजल , रियल मैड्रिड, फेडेरिको वाल्वरडे , रियल मैड्रिड, फ्लोरियन विर्ट्ज़ , बेयर लीवरकुसेन, पेरिस सेंट–जर्मेन/रियल मैड्रिड, लैमिन यामल (स्पेन), बार्सिलोना, लियोनेल मेसी (अर्जेंटीना), इंटर मियामी, रोड्री (स्पेन), मैनचेस्टर सिटी, टोनी क्रूस (जर्मनी), रियल मैड्रिड और विनीसियस जूनियर (ब्राजील), रियल मैड्रिड पुरस्कार की कई श्रेणियां हैं– सर्वश्रेष्ठ फीफा पुरुष खिलाड़ी, सर्वश्रेष्ठ फीफा महिला खिलाड़ी, सर्वश्रेष्ठ फीफा पुरुष कोच, सर्वश्रेष्ठ फीफा महिला कोच, सर्वश्रेष्ठ फीफा पुरुष गोलकीपर और सर्वश्रेष्ठ फीफा महिला गोलकीपर।

सुडोकू 6750 का हल

4	8	6	7	1	3	2	9	5
7	5	3	2	6	9	4	1	8
2	1	9	5	4	8	3	6	7
6	3	8	1	9	7	5	2	4
1	2	5	8	3	4	6	7	9
9	4	7	6	2	5	1	8	3
5	6	4	9	7	1	8	3	2
8	7	2	3	5	6	9	4	1
3	9	1	4	8	2	7	5	6

HINDUJA HOUSING FINANCE

हिन्दूजा हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड

कार्पोरेट कार्यालय: 167–169, द्वितीय तल, लिटिल माउंट मेट्रो स्टेशन, साईपेठ, चेन्नई– 600015

रीजनल ब्रांच ऑफिस: प्लाट नंबर 240, जीआरपी कालोनी, होटल अलंकार पैलेस के पास, एम.पी. नगर जोन II, भोपाल – 462011 Email - auction@hindujahousingfinance.com

परिशिष्ट IV कब्जा नोटिस (अचल संपत्ति हेतु)

जहां तक अधोहस्ताक्षरी के अधिकृत अधिकारी होने के नाते हिन्दुआ हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (HHFL) के प्राधिकृत अधिकारी और वित्तीय परिसंपत्तियो के पुर्ननिर्माण और सुरक्षा इंट्रेस्ट एक्ट 2002 के प्रवर्तन के तहत और सेक्शन 13(12) के तहत (प्रदत्त) शक्तियों के प्रयोग में सुरक्षा इंटेस्ट (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के साथ पढ़ा जाता है। उधारकर्ताओं को कंपनी के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा जारी किए गए नोटिस उक्त नोटिस की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर नोटिस में उल्लेखित राशि को चुकाने के लिए नीचे दिए गए निर्देशों का उल्लेख किया गया है उधारकर्ता राषि को चुकाने में विफल रहा है, इस बात की जानकारी उधारकर्ताओं, गारंटरो और आम जनता को दी गई है कि अधोहस्ताक्षरी ने संपत्ति के अधिकार में नीचे वर्णित संपत्ति का अधिग्रहण कर लिया है, जो उस पर प्रदान की गई शक्तियों के खंड (4) के अधीन है। उक्त अधिनियम के 13 सुरक्षा इंट्रेस्ट प्रवर्तन नियम 2002 के सह नियम (8) के साथ पढ़े जाते हैं। आम तौर पर जनता को इस बात के सावधान किया जाता है कि उधारकर्ता संपत्ति का सौदा न करें और संपत्ति के साथ किसी भी सौदे के लिए एचएफएल के बदलाव का विषय होगा। राशि के अनुसार ब्याज के साथ यहां उल्लेख किया है।

नाम और पता उधारकर्ता गारंटर / सहउधारकर्ता	1. डिमांड नोटिस जारी का दिनांक 2. ऋण खाता संख्या 3. नोटिस के अनुसार देय राशि	सुरक्षित संपत्ति का विवरण	कब्जा तारीख एवं तारीख
श्री दीपक कुशवाह (उधारकर्ता) श्री सेठ कुशवाह (सह-उधारकर्ता) श्रीमती मुन्नी बाई कुशवाह (सह-उधारकर्ता) श्री गंगा राम खटीक (सह-उधारकर्ता)	1. जारी करने की तिथि - 05-08-2024 2. MP/KTN/KTNI/A000000268 3. कुल देय राशि - रु.4,30,684/- (रुपये चार लाख तीस हजार छह सौ चौरासी मात्र)	मौजा मुरवारा, इंदिरा गांधी वार्ड, पी.सी. नं. 42, (पुराना पी.सी. नं. 45/2,43) एन.बी. नं. 493, खसरा नं. 251/65, 255/66, मुरवारा, तहसील कटनी, जिला कटनी (म.प्र.) कुल माप क्षेत्र- 600 वर्ग फीट। चार सीमाएं: - पूर्वः- 15 फीट रोड, पश्चिम:- विक्रेता की शेष भूमि, उत्तर:- विक्रेता की भूमि (गोविंद सेन के पक्ष में), दक्षिण:- विक्रेता की शेष भूमि	29/11/2024 Symbolic
श्री. प्रमोद अग्रवाल (उधारकर्ता) श्रीमती. कीर्ति अग्रवाल (सह-उधारकर्ता)	1. जारी करने की तिथि - 31-07-2024 2. MP/JBR/NRSP/A000000187 3. कुल देय राशि - रु.10,41,802/- (रुपये दस लाख इकतालीस हजार आठ सौ दो मात्र)	सर्वे नं. 463, मौजा केरपानी, पीएच नं. 12/08, एनबी नं. 76, आरएनएम बरमान, ग्राम पंचायत केरपानी, तहसील करेली, जिला नरसिंहपुर (म.प्र.)। कुल क्षेत्रफल 1200 वर्ग फीट या 111.48 वर्ग मीटर। चार सीमाएँ: - पूर्व - माखन लोधी का प्लॉट, पश्चिम - सड़क, उत्तर - सौरभ अग्रवाल की ज़मीन, दक्षिण - सुरेन्द्र अग्रवाल का मकान	28/11/2024 Symbolic
श्री रघुनाथ राठौर (उधारकर्ता) श्रीमती दीपा बाई राठौर (सह-उधारकर्ता)	1. जारी करने की तिथि - 05-08-2024 2. MP/JBR/NRSP/A000000168 3. कुल देय राशि - रु.5,99,821/- (पांच लाख निन्यानबे हजार आठ सौ इक्कीस रुपए मात्र)	सर्वे नं. 231, मौजा भौरझिर, पीएच नं. 118, एनबी नं. 355 आरएनएम बोहानी, ब्लॉक चावरपाठा, नगर पंचायत भौरझिर, तहसील गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर (मप्र) कुल माप क्षेत्र- 5595 वर्ग फीट या 519.79 वर्ग मीटर चार सीमाएं: - पूर्वः- सड़क, पश्चिम:- खीर सिंह का मकान, उत्तर:- सुरेंद्र सिंह पटेल का मकान, दक्षिण:- शंकर सिंह कौरव की जमीन	28/11/2024 Symbolic
श्री राजकुमार बधावा (उधारकर्ता) श्रीमती रजनी बधावा (सह-उधारकर्ता)	1. जारी करने की तिथि - 06-08-2024 2. MP/JBR/KTNI/A000000306 3. कुल देय राशि - रु.10,48,486/- (रुपये दस लाख अड़तालीस हजार चार सौ छियासी मात्र)	खसरा नं.424/24 मौजा ग्राम पुरेनी, बिरसा मुंडा, नगर पालिका निगम, पीएच.नं. 40, आर.एन.एम मुरवारा 01, तहसील व जिला कटनी (म.प्र.) -483501 कुल माप क्षेत्र- 774 वर्ग फीट या 71.93 वर्ग मीटर चार सीमाएं: - पूर्वः -30 फीट चौड़ी प्रस्तावित सड़क, पश्चिम: - पटेल का मकान, उत्तर: - विक्रेता का मकान, दक्षिण: - ब्रह्मदत्त पटेल की	29/11/2024 Symbolic
श्री राम किशोर पटेल (उधारकर्ता) श्रीमती दुर्गा बाई पटेल (सह-उधारकर्ता)	1. जारी करने की तिथि - 05-08-2024 2. MP/JBR/NRSP/A000000207 3. कुल देय राशि - रु.10,29,858/- (रुपये दस लाख उनतीस हजार आठ सौ अट्ठावन मात्र)	सर्वे नं. 60, मौजा बम्होरी, पीएच नं. 09, एनबी नं. 370, आरएनएम नरसिंहपुर, तहसील और जिला नरसिंहपुर (म.प्र.), 487001 (म.प्र.)। कुल क्षेत्रफल – 3600 वर्ग फीट या 334.45 वर्ग मीटर। चार सीमाएँ: - पूर्व - 8 फीट गली और गम्मत सिंह का मकान, पश्चिम - हरिश्चंद्र पटेल का मकान, उत्तर - विक्रेता की ज़मीन, दक्षिण - सड़क	28/11/2024 Symbolic
श्री सनत कुमार गुप्ता (उधारकर्ता) श्रीमती पूजा गुप्ता (सह-उधारकर्ता)	1. जारी करने की तिथि - 11-07-2024 2. MP/KTN/SHDL/A000000095 3. कुल देय राशि - रु.8,11,226 (आठ लाख ग्यारह हजार दो सौ छब्बीस रुपये मात्र)	वार्ड क्रमांक 02, ग्राम बंचाछार, तहसील जयसिंहनगर, पी.एच. क्रमांक 37, खसरा क्रमांक 332/1/1, जिला शहडोल (म.प्र.) 484771 कुल माप क्षेत्र- 1722 वर्ग फीट। चार सीमाएं: - पूर्वः- सड़क, पश्चिम:- मालिक की जमीन, उत्तर:- दयाशंकर का मकान, दक्षिण:- मूरत सिंह का मकान	29/11/2024 Symbolic
श्री अभिषेक चौरसिया (उधारकर्ता) श्रीमती सुलेखा चौरसिया (सह-उधारकर्ता) श्री अजय कुमार चौरसिया (सह-उधारकर्ता)	1. जारी करने की तिथि - 06-08-2024 2. MP/JBR/GDWR/A000000112 3. कुल देय राशि - रु. 24,44,698/- (रुपये चौबीस लाख चौवालीस हजार छह सौ अट्ठानवे मात्र)	सर्वे नं. 63 मकान नं. पुराना 100 (ए) नया 63, मौजा पातलून, पीएच नं. 17/41, एनबी नं. 36, बजरंग वार्ड, ब्लॉक नरसिंहपुर, तहसील नरसिंहपुर, जिला नरसिंहपुर (म.प्र.)। कुल क्षेत्रफल - 1215 वर्ग फीट या 112.91 वर्ग मीटर। चार सीमाएं: - पूर्वः- टोडल भारिया का घर, पश्चिम:- रोड, उत्तर:- 6 फीट कुलिया और अमर सिंह विश्वकर्मा का घर, दक्षिण:- लक्ष्मण मेहतर का घर	28/11/2024 Symbolic

वैधानिक नोटिस उधारकर्ताओं / जमानतदार

उधारकर्ताओं / जमानतदारों को स्टेटमेंट नोटिस द्वारा सावधानी पूर्वक कहा जाता है कि संपत्ति को किसी भी समय सार्वजनिक नीलामी / निविदाओं के माध्यम से बेंचा जा सकता है और इस तरह इसे सुरक्षा (बयाज) प्रवर्तन नियम 2002 नियम 6, 8 और 9 के तहत एक नोटिस के रूप में भी माना जा सकता है। प्राधिकारी अधिकारी मोबाईल नं.- Vaibhav Shrivastav - 7987969803, Rajesh Chakotiya - 84355 71111, Ashish Singh - 9981998190, Pankaj Joshi - 9806133578, Shivendra Mishra - 8839287191, Sameer Singh - 9584290575

स्थान – इंदौर, दिनांक – 30/11/2024 प्राधिकृत अधिकारी, हिन्दूजा हाऊसिंग, फायनेंस लिमिटेड

[अर्थ जगत

क्रिसिल रेटिंग्स ने थपथपाई अडानी की पीठ

नई दिल्ली। संकटग्रस्त अडानी समूह का समर्थन करते हुए साख निर्धारण करने वाली क्रिसिल रेटिंग्स ने शुक्रवार को कहा कि समूह के पास ऋण दायित्वों तथा प्रतिबद्ध पूंजीगत व्यय को पूरा करने के लिए पर्याप्त नगदी और परिचालन नकदी प्रवाह है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि समूह के संस्थापक चेयरमैन गौतम अडानी पर अमेरिका में अभियोग चलाए जाने के बाद ऋणदाताओं और निवेशकों की ओर से अभी तक कोई नकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है। क्रिसिल ने अपने बुलेटिन में कहा कि अडानी समूह के पास वित्तीय बाजारों में विकास तथा भविष्य की पूंजी उपलब्धता के आधार पर विवेकाधीन पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) को कम करने की गुंजाइश है। उसके पास बेहतर कर पूर्व आय (एबिटा) और नकदी संतुलन है।

क्रेडिट कार्ड से लेकर एलपीजी सिलेंडर तक दिसंबर से बदल जाएंगे कई नियम

नई दिल्ली। *नवंबर का महीना खत्म होने वाला है और दिसंबर 2024 की शुरुआत के साथ कई बड़े बदलाव होने वाले हैं। इन वित्तीय बदलावों का सीधा असर हर घर और हर जेब पर पड़ने की संभावना है। दिसंबर की पहली तारीख से लागू होने वाले इन बदलावों में एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में संशोधन और एसबीआई के क्रेडिट कार्ड से जुड़े नए नियम शामिल हैं।*

एसबीआई क्रेडिट कार्ड के नियम– 1 दिसंबर 2024 से तीसरा बड़ा बदलाव क्रेडिट कार्ड यूजर्स से जुड़ा हुआ है। दरअसल, अगर आप खासतौर पर डिजिटल गेमिंग प्लेटफॉर्म/मर्चेंट से जुड़े लेन-देन के लिए एसबीआई क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं, तो फिर दिसंबर महीने की पहली तारीख से नए नियम लागू हो रहे हैं। एसबीआई कार्डस की वेबसाइट के मुताबिक, 48 क्रेडिट कार्ड्स डिजिटल गेमिंग प्लेटफॉर्म/मर्चेंट से जुड़े ट्रांजैक्शन पर रिवॉर्ड पॉइंट्स अब नहीं देंगे।

एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम में बदलाव– सरकार की ओर से 1 दिसंबर से एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बदलाव होने की संभावना है, जिससे उपभोक्ताओं को सिलेंडर के दाम में वृद्धि या कमी का असर देखने को मिल सकता है। यह बदलाव घरेलू गैस सिलेंडर के लिए हो सकता है,

जिसका सीधा प्रभाव रसोई खर्चों पर पड़ेगा।

एटीएफ की कीमतों में बदलाव– एलपीजी सिलेंडर की कीमतों के साथ ही महीने की पहली तारीख को तेल वितरण कंपनियों द्वारा एयर टर्बाइन फ्यूल के दाम में भी संशोधन किया जाता है। इस बाद पहली दिसंबर को भी हवाई ईंधन की कीमतों में चेंज देखने को मिल सकता है। इसमें होने वाले बदलाव का सीधा असर हवाई यात्रियों पर देखने को मिल सकता है।

ओटीपी के लिए करना होगा इंतजार– ट्राई की ओर से कमर्शियल मैसेज और ओटीपी से संबंधित ट्रेसेबिलिटी नियम लागू करने का जो फैसला लिया गया है, पहले टेलीकॉम कंपनियों को इसे 31 अक्टूबर तक लागू करना था लेकिन तमाम कंपनियों की मांग के बाद इसकी डेडलाइन बढ़ाकर 31 नवंबर कर दी गई थी। ट्राई के इस नियम को टेलीकॉम कंपनियां 1 दिसंबर से लागू कर सकती है। इस रूल चेंज का उद्देश्य ये है कि टेलीकॉम कंपनियों द्वारा भेजे गए सभी मैसेज ट्रेसेबल होंगे, जिससे फिशिंग और स्पैम के मामलों पर रोक लगाई जा सके। नए नियमों के चलते, ग्राहकों को ओटीपी डिलीवरी में देरी का सामना करना पड़ सकता है।

बैंक हॉलिडे– अगर आपको दिसंबर महीने में बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम है, तो बता दें कि साल के आखिरी दिसंबर महीने में आधे से ज्यादा दिन बैंक हालिडे घोषित हैं। आरबीआई की बैंक हॉलिडे लिस्ट पर गौर करें तो विभिन्न राज्यों में अलग-अलग पर्व और आयोजनों के आधार पर ये बैंक हॉलिडे तय किए गए हैं और इनमें दूसरे व चौथे शनिवार के साथ ही रविवार के साप्ताहिक अवकाश शामिल हैं। आप रिजर्व बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर ये बैंक हॉलिडे लिस्ट देख सकते हैं।

इंडिगो ने ब्लैक फ्राइडे सेल की घोषणा की

नई दिल्ली। अगर आपको आगे फ्लाइट से सफर करना है तो अभी आपके लिए सुनहरा मौका है। घरेलू एयरलाइन इंडिगो ने शुक्रवार को एक शानदार ब्लैक फ्राइडे सेल की घोषणा की है जिसमें आप सिर्फ 1199 रुपये शुरुआती किराये (सभी शुल्क सहित) के साथ हवाई सफर कर सकते हैं। यह किराया डोमेस्टिक फ्लाइट के लिए है। इंडिगो ने इंटरनेशनल फ्लाइट की बुकिंग पर भी फायदा ले सकते हैं। आप महज 5199 रुपये शुरुआती किराये के साथ विदेश की यात्रा कर सकते हैं। किराया विभिन्न शहरों के लिए अलग होगा।ऑफर के तहत फ्लाइट्स की बुकिंग 29 नवंबर 2024 से लेकर 2 दिसंबर 2024 तक की जा सकती है। फ्लाइट की ऑनलाइन बुकिंग एयरलाइन की ऑफिशियल वेबसाइट पर की जा सकती है। इसके अलावा, आप इंडिगो मोबाइल ऐप या इंडिगो व्हाट्सएप के जरिये भी बुकिंग कर सकते हैं।

बाजार में शानदार तेजी, सेंसेक्स 759 अंक चढ़कर 79,802 पर बंद

मुंबई। *हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन आज यानी 29 नवंबर को शेयर बाजार में तेजी रही। सेंसेक्स 759 अंकों की तेजी के साथ 79,802 के स्तर पर और निफ्टी 216 अंक चढ़कर 24,131 के स्तर पर बंद हुआ।*

कारोबार के दौरान सेंसेक्स 700 अंक से ज्यादा की तेजी के साथ 79,790 के स्तर पर जबकि निफ्टी में 200 अंक की तेजी रही, ये 24,120 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 में तेजी और 10 में गिरावट है। निफ्टी के 50 शेयरों में से 38 में तेजी और 12 में तेजी है। एनएसई के सेक्टोरल इंडेक्स में रियल्टी सेक्टर को छोड़कर सभी में तेजी देखने को मिल रही है।

इससे पहले कल यानी 28 नवंबर को सेंसेक्स 1190 अंक की गिरावट के साथ 79,043 के स्तर पर बंद हुआ था। निफ्टी में भी 360 अंक की गिरावट रही, ये 23,914 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं, बीएसई स्मॉलकैप 221 अंक चढ़कर 54,782 पर बंद हुआ था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 29 में गिरावट और केवल 1 में तेजी थी। निफ्टी के 50 शेयरों में से 46 में गिरावट और 4 में तेजी थी। एनएसई का आईटी सेक्टर सबसे ज्यादा 2.39 प्रतिशत गिरावट के साथ बंद हुआ था।

वोक्सवैगन इंडिया को 1.4 बिलियन डॉलर का टैक्स चोरी का नोटिस

नई दिल्ली। भारत सरकार ने वोक्सवैगन को जवाब देने के लिए 30 दिन का समय दिया है। यदि कंपनी को दोषी पाया जाता है, तो उस पर 1.4 बिलियन डॉलर की टैक्स चोरी के अलावा 100 प्रतिशत जुर्माना और ब्याज भी लगाया जा सकता है, जिससे कुल राशि लगभग 2.8 बिलियन डॉलर हो सकती है। भारत में सीकेडी के तहत आयात की जाने वाली कारों पर 30-35 प्रतिशत आयात शुल्क लगता है लेकिन वोक्सवैगन ने इन आयातों को व्यक्तिगत भागों के रूप में गलत तरीके से घोषित किया, जिससे कंपनी ने केवल 5-15 प्रतिशत शुल्क चुकाया। इसके तहत स्कोडा सुपर्ब, स्कोडा कोडियाक, आडी एवाई और क्यूजेड तथा वोक्सवैगन टिगुन एसयूवी जैसे मॉडल शामिल हैं। जांच में यह पाया गया कि वोक्सवैगन के भारत यूनिट ने इन सामानों को अलग-अलग शिपमेंट्स में भेजा ताकि उच्च आयात शुल्क से बचा जा सके। 30 सितंबर 2023 को जारी किए गए नोटिस में भारत के कस्टम विभाग ने कहा कि वोक्सवैगन इंडिया यूनिट ने 2012 से 2022 तक लगभग 2.35 बिलियन डॉलर के आयात टैक्स और अन्य शुल्कों का भुगतान नहीं किया।

सिंगापुर और हांगकांग में भारतीय मसालों पर प्रतिबंध नही

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने सदन में एक लिखित उत्तर में बताया कि हालांकि, भारत से निर्यात किए गए मसालों के बैचों को पहले हांगकांग और सिंगापुर में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की ओर से स्वीकार्य सीमा से अधिक एथिलीन ऑक्साइड (ईटीओ) की मौजूदगी के कारण वापस मंगा लिया गया था।

केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने शुक्रवार को लोकसभा में बताया कि वाणिज्य मंत्रालय की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग जैसे देशों ने भारतीय मसालों पर प्रतिबंध नहीं लगाया है। जाधव ने सदन में एक लिखित उत्तर में बताया कि हालांकि, भारत से निर्यात किए गए मसालों के बैचों को पहले हांगकांग और सिंगापुर में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की ओर से स्वीकार्य सीमा से अधिक एथिलीन ऑक्साइड (ईटीओ) की मौजूदगी के कारण वापस मंगा लिया गया था।

वाणिज्य मंत्रालय के मसाला बोर्ड ने इस मामले में कदम उठाए हैं। इनमें निर्यात किए जाने वाले मसालों की अनिवार्य शिपमेंट-पूर्व जांच और सभी स्तरों पर संभावित मिलावट को रोकने के लिए निर्यातकों की ओर से पालन किए जाने वाले व्यापक दिशानिर्देश जारी करना शामिल है।

आयातक देश की अलग-अलग ईटीओ सीमाओं को पूरा करने के लिए कच्चे माल की खरीद, प्रसंस्करण, पैकिंग, भंडारण, परिवहन आदि से जुड़े विभिन्न कदम भी उठाए गए हैं। इसके अलावा, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (स्नस्स्ह्) देश भर में उपभोक्ताओं को सुरक्षित खाद्य पदार्थों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। जाधव के अनुसार, एफएसएसएआई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों व अपने क्षेत्रीय कार्यालयों के जरिए मसालों सहित विभिन्न खाद्य उत्पादों की नियमित निगरानी, निरीक्षण और सैंपल कलेक्शन करता है, ताकि खाद्य सुरक्षा और मानक (एफएसएस) अधिनियम, 2006 और उसके तहत बनाए गए विनियमों के तहत निर्धारित गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके।

मुद्रा बाजार

रुपया के मुकाबले अन्य मुद्राएं

मुद्रा	रुपया
एक अमेरिकी डॉलर	84.48
एक यूरो	88.92
एक ब्रिटिश पाउंड	106.93
एक आस्ट्रेलियन डॉलर	54.91
एक जापानी येन	0.54

परफेक्ट हैचरीज एंड पोल्ट्री प्रोडेक्ट इंडिया प्रा. लि.

864 मारुति शोरूम के सामने
फोन- 2412223,9329428085

जिंदा बायलर्स बड़ा- फार्म रेट 112 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स मीडियम- फार्म रेट 120 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स छोटा- फार्म रेट-130 नेट प्रति किलो
जिंदा मुर्गी लेयर कल्स -76 नेट प्रति किलो
जिंदा काकरेल-मुर्गा- 180 रु. प्रति किलो
(जिंदा थोक फार्म रेट)

सराफा बाजार

दुल्हन श्री आभूषण
कमानिया गेट, सराफा बाजार-
मो. 9425860998,9826307100
सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव- 79150 चांदी -93000

सोहन लाल एण्ड संस
रसल चौक फोन- 9425156095
सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव- 79150 चांदी -93000

दाल- चावल भाव

महावर ट्रेडिंग कंपनी, गांधीगंज
फोन- 4067270, 9826035338

प्रति क्विंटल- राहर दाल एवरेज 12000-13000, मीडियम बोल्ड 14000-15000, फाइन 150000-16000, एकस्ट्रा बोल्ड 17000-17500, चना दाल एवरेज 8800-9000 चना दाल मार्का 9000-9200, मसूर दाल एवरेज 7600-7700, मसूर दाल फाइन 8000-8200, उड़द छिलका 9000-9500, फाइन 10000-10500, उड़द धुली 11000-11200, फाइन 12000-12500, मूंग दाल छिलका 9000-9500, मूंग दाल फाइन 9500-9800, मूंगदाल धुली 10400- 10500, फाइन 10800-11000। चावल - पुराना चावल सरना चालू 3500-3600, बेस्ट 3700-3800, बीपीटी चालू 4200-4500, फाइन 4800-5000,एचएमटी-5200-5300 फाइन-5800-6000 दुबराज भाटापारा 5200-5300, जेजेएल चालू 5800-6000, फाइन 6200-6500, बासमती कनकी चालू 3200-3500, बासमती कनकी मीडियम 3800-4000, बेस्ट 4500-5000, मोगरा- 5200-5400, दुबार- 5500-5600, तिबार- 6500-7500, बासमती 7000-8500, बेस्ट 10000-11000 पोहा- 4350-4450, फाइन 4500-4800, मुरमुरा- 5500-6000, फाइन- 7500-8000, लाई- 65-68 रु.।

लोहा भाव

अग्रवाल आयरन ट्रेडर्स
शास्त्री-ब्रिज 4004070, 2402070
भाव प्रति क्विं.- 6 एम एम 6500, 8 एम एम 6180, 10 एम एम 6060,12 एम एम, 6000 एवं 16 एम 6000 रु.। तार- 75 रु. किलो।

भारत में टेस्ला, स्टारलिंक के निवेश पर फिलहाल कोई चर्चा नहीं: गोयल

नई दिल्ली। *वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क की टेस्ला और स्टारलिंक द्वारा भारत में निवेश के संबंध में फिलहाल कोई चर्चा नहीं हुई है।*

राष्ट्रीय राजधानी में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि चूंकि दोनों मुद्दे अलग-अलग मंत्रालयों द्वारा देखे जा रहे हैं, इसलिए उन्हें व्यक्तिगत रूप से इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि क्या हो रहा है। टेस्ला और स्टारलिंक द्वारा संभावित निवेश के संबंध में पूछे गए प्रश्न का उत्तर देते हुए मंत्री ने कहा, जहां तक मेरी जानकारी है, हमने कोई चर्चा नहीं की है ।

गोयल ने कहा, लेकिन ये दोनों विषय अलग-अलग मंत्रालयों द्वारा संभाले जाते हैं। भारी उद्योग मंत्रालय वाहन को देखता है और स्टारलिंक को अंतरिक्ष विभाग द्वारा संभाला जाएगा। इसलिए, मुझे व्यक्तिगत रूप से नहीं पता कि क्या हो रहा है। इससे पहले अप्रैल में, मस्क ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ बैठक सहित भारत की अपनी बहुप्रचारित यात्रा से अंतिम समय में 'टेस्ला के बहुत भारी दायित्वों का हवाला देते हुए टाल दिया था। अनुमान लगाया जा रहा था कि वह टेस्ला द्वारा भारत में अपनी विनिर्माण इकाई स्थापित करने और अरबों डॉलर के निवेश की योजना की घोषणा करेंगे, तथा भारत में जल्द से जल्द टेस्ला इलेक्ट्रिक कारों (ईवी) की बिक्री के भविष्य के बारे में भी बताएंगे। सिर्फ इलेक्ट्रिक कारें ही नहीं, बल्कि वह अपने उपग्रह (सैटेलाइट) इंटरनेट कारोबार इकाई स्टारलिंक के लिए भी भारतीय बाजार पर नजर रख रहे थे।

बीएमडब्ल्यू की बाइक 1 जनवरी से हो जाएंगी महंगी

नई दिल्ली। ऑटोमोबाइल कंपनियों ने एक के बाद एक नया साल शुरू होते ही गाड़ियों या वाहनों की कीमत में इजाफा करने का ऐलान करना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में शामिल होते हुए अब जर्मन ऑटोमोबाइल मैनुफैक्चरर कंपनी बीएमडब्ल्यू की टू व्हीलर यूनिट बीएमडब्ल्यू मोटररेड ने शुक्रवार को कहा कि वह 1 जनवरी, 2025 से अपने सभी मॉडल रेंज की कीमतों में 2. 5 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करेगी। खबर के मुताबिक, कंपनी ने एक बयान में कहा कि कीमतों में यह बदलाव समग्र इनपुट लागत में वृद्धि और मुद्रास्फीति के दबाव के चलते किया गया है।

खबर के मुताबिक, कंपनी ने कहा कि यह फैसला क्वालिटी, प्रदर्शन और ब्रांड अनुभव के मामले में बीएमडब्ल्यू मोटररेड उत्कृष्टता

के उच्च मानकों और लाभप्रदता को सुनिश्चित करने में सहायता करेगा। कंपनी ने आधिकारिक तौर पर अप्रैल 2017 में बीएमडब्ल्यू समूह की भारतीय सहायक कंपनी के रूप में अपना ऑपरेशन शुरू किया। यह ब्रांड देश में प्रीमियम मोटरसाइकिल और स्कूटर की एक सीरीज बेचता है। बीएमडब्ल्यू मोटररेड भारत में बीएमडब्ल्यू जी 310 क्र. और बीएमडब्ल्यू जी310 जीएस सहित अन्य दोपहिया वाहनों की बिक्री करती है।

बीएमडब्ल्यू-मर्सिडीज कर चुकी है ऐलान– बीएमडब्ल्यू इंडिया ने पहले ही अगले साल जनवरी से अपनी संपूर्ण कार रेंज की कीमतों में 3 प्रतिशत तक की वृद्धि करने की घोषणा की है। इस महीने की शुरुआत में, मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने अगले महीने से भारत में अपने वाहनों की कीमतों में 3 प्रतिशत तक की वृद्धि करने की घोषणा की थी। साल के आखिर में ज्यादातर कंपनियां नए साल में गाड़ियों की कीमत में बढ़ोतरी की घोषणा करती हैं। इन कंपनियों के अलावा, आने वाले दिनों और भी कई ऑटोमोबाइल कंपनियों की तरफ से दाम में बढ़ोतरी करने की घोषणाएं सामने आएंगी। साथ ही अधिकांश कंपनियां इसके पीछे का तर्क इनपुट कॉस्ट में बढ़ोतरी के तौर पर देती हैं।

घरों की कीमतों में आएगी और तेजी

नाईट फ्रैंक-नारडेको के सर्वे में हुआ खुलासा

नई दिल्ली। *घरों की कीमतों में आने वाले दिनों में और भी उछाल आने की संभावना है, हालांकि कीमतों में उछाल के बावजूद सेल्स में तेजी बनी रहेगी और सेल्स पर कोई असर नहीं पड़ेगा. साल 2024 की तीसरी तिमाही जुलाई-सितंबर के लिए नाईट फ्रैंक इंडिया-नारेडको रियल एस्टेट सेंटीमेंट इंडेक्स जारी किया गया है जिसमें कहा गया है कि अगले छह महीने तक रियल एस्टेट सेक्टर के ग्रोथ में तेजी बनी रहेगी।*

फ्यूचर सेंटीमेट स्कोर में सुधार– नाईट फ्रैंक इंडिया-नारेडको रियल एस्टेट सेंटीमेंट इंडेक्स जो 2024 की तीसरी तिमाही जुलाई से सितंबर के लिए जारी किया गया है उसमें रियल एस्टेट सेक्टर में तेजी बने रहने की उम्मीद जाहिर की गई है. हालांकि तीसरी तिमाही के लिए सेंटीमेंट स्कोर घटकर 64 पर आ गया है जो दूसरी तिमाही में 65 था. लेकिन फ्यूचर सेंटीमेट स्कोर बढ़कर 67 हो गया है जो रियल एस्टेट सेक्टर में जोरदार

तेजी के संकेत दे रहा है।

रेसिडेंशियल प्राइसेज में आएगी तेजी– नाईट फ्रैंक इंडिया-नारेडको रियल एस्टेट सेंटीमेंट इंडेक्स में सप्लाई-साइज स्टेकहोल्डर्स और फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन से रियल एस्टेट सेक्टर को लेकर बात करने के दौरान 62 फीसदी लोगों ने बताया कि रेसिडेंशियल प्राइसेज में उछाल देखने को मिल सकता है. खासतौर से 1 करोड़ से ज्यादा कीमत वाले घरों की ज्यादा डिमांड के चलते कीमतों में इजाफा आ सकता है. सर्वे में भाग लेने वाले 40 फीसदी का मानना है कि सेल्स में बढ़ोतरी आएगी जबकि 38 फीसदी मानते हैं रियल एस्टेट मार्केट स्टेबल बना रहेगा. सर्वे में भाग लेने वालों में 42 फीसदी ने कहा कि रेसिडेंशियल लॉन्चिंग में सुधार देखने को मिलेगा जबकि 36 फीसदी का मानना है कि स्टेबल रहेगा।

ग्लोबल अनिश्चितताओं के बाद भी सेक्टर मजबूत– नाईट फ्रैंक इंडिया के एमडी शिशिर बैजल ने कहा, 2024 की तीसरी तिमाही के लिए रियल एस्टेट सेंटीमेंट इंडेक्स भारत के रियल एस्टेट सेक्टर की मजबूती को उजागर कर रहा है. उन्होंने कहा, हाई-एंड रेसिडेंशियल सेल्स में मजबूती और कमर्शियल स्पेस में स्टेबल लीजिंग सेक्टर के बेहतर प्रदर्शन की ओर इशारा कर रहा है. नारेडको के प्रेसीडेंट हरी बाबू ने कहा, ग्लोबल अनिश्चितताओं के बावजूद भारत का रियल एस्टेट सेक्टर मजबूत बना हुआ है।

चीन ने खोजा दुनिया का सबसे बड़ा सोना भंडार

नई दिल्ली। सोने के भंडार के मामले में चीन दुनिया में सबसे आगे निकला। खबर है कि यहां दुनिया का सबसे बड़ा सोना भंडार है जो 1,000 मीट्रिक टन का है। चीन की सरकारी मीडिया के मुताबिक, हुनान प्रांत के भूवैज्ञानिक ब्यूरो ने प्रांत के

उत्तरपूर्वी क्षेत्र में स्थित पिंगजियांग काउंटी में इस खोज की पुष्टि की है। खबर के मुताबिक, 600 अरब युआन के अनुमानित मूल्य के साथ, जो लगभग 6,91,473 करोड़ रुपये है, यह संभवत: दुनिया का सबसे बड़ा स्वर्ण भंडार हो सकता है। यह दक्षिण अफ्रीका के साउथ डीप माइन में पाए गए 930 मीट्रिक टन से भी अधिक है।

एक मील की गहराई में 40 स्वर्ण शिराओं का पता लगा– इंडिपेंडेंट की खबर के मुताबिक, ब्यूरो ने हुनान प्रांत के पिंगजियांग काउंटी में करीब एक मील की गहराई में 40 स्वर्ण शिराओं का पता लगाने की घोषणा की है, जो धातु से भरी चट्टानों में लंबे और संकीर्ण छिद्र हैं। भूवैज्ञानिकों ने कहा कि अकेले इन चट्टानों में 300 टन सोना हो सकता है और गहरी परतों में और भी भंडार हो सकते हैं। एडलांस 3ष्ठ मॉडलिंग से पता चलता है कि अधिक गहराई पर अतिरिक्त भंडार मौजूद हैं, जो करीब 3 किलोमीटर तक पहुंच सकते हैं। यह खोज चीन की खनन और आर्थिक क्षमताओं को बढ़ावा दे सकता है।

देशबन्धु
ग्राहक सेवा

रेमण्ड से ट्रेनिंग प्राप्त फ्यूजिंग सूट, ट्राउजर शर्ट स्पेशलिस्ट
टेलर्स वारिस
शॉप नं. 3 आनंद टॉकीज शॉपिंग काम्प्लेक्स, जबलपुर फोन: 2405596
मो.- 9424392281, 9425152707
देग्रासे सी 30/7/2022

100 प्रतिशत गारन्टेड इलाज
क्या आपको गुप्त रोग है। अंडकोष, बवासीर, सेक्स से संबंधित रोगों के स्थायी इलाज के लिए मिलें
बिना ऑपरेशन
डॉ. विश्वास
राइट टाउन, प्रेम मंदिर, होटल पंकज पेलेश के पीछे
मो: 9827042596

फ्लैट बेचना है
गोलबाजार, जबलपुर में 742 वर्गफुट का 2 BHK बालकनी सहित फ्लैट दूसरी मंजिल पर बिक्री हेतु उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:-
एडवोकेट रविशंकर पटेल
फोन नंबर-
9827087838

प्लाट उपलब्ध है
न्यू भेड़ाघाट के निकट प्रस्तावित रिंग रोड के पास फार्म हाउस हेतु लगभग 6 हजार, 12 हजार, 18 हजार वर्गफुट के प्लाट 350 रूपये प्रति वर्गफुट उपलब्ध है
संपर्क करें:- अनिल यादव, (ग्राम सकरी) 6264760614, देवेन्द्र- 9993737969

नोट- पाठकों को सूचना दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्यवाही जैसे पैसा भेजना, कोई खर्च करना या प्रकाशित विज्ञापन के विश्वास पर किसी प्रकार संबंध बनाना आदि करने से पूर्व आवश्यक/संपूर्ण जानकारी कर लेवें। देशबन्धु यह भी घोषित करता है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले किसी भी राजनैतिक, सामाजिक अथवा अन्य प्रकार के विज्ञापनों से देशबन्धु का कोई सरोकार नहीं है। अतः विज्ञापनदाता द्वारा जारी किये गये किसी भी प्रकार के दावे/ प्रस्तुतिकरण के लिये जिम्मेदार नहीं हैं।

प्रकाशक-गिरिराज चाचा, मुद्रक-मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु काम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक-अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय-4006577 व्यवस्था - 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक-एसएसपी जबलपुर /04/2020-2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

हाथियों की कत्लगाह बन रहा प्रदेश!

ब्यौहारी में ग्रामीणों द्वारा खदेड़ गए हाथी की करंट से मौत, डिंडौरी में आतंक, उमरिया में नहीं मिल रहा छोटा भीम

उमरिया/ब्यौहारी/डिंडौरी, देशबन्धु। मध्य प्रदेश हाथियों के लिए कत्लगाह बनता जा रहा हैं। वन्य प्राणी प्रेमियों ने ये आरोप लगाते हुए कहा कि हाथी ही नहीं अन्य वन्य जीवों के लिए अब प्रदेश सुरक्षित नहीं प्रतीत हो रहा हैं। बांधवगढ़ नेशनल पार्क में संदेहास्पद परिस्थितियों में 10 हाथियों की मौतों के बाद एक हाथी के शावक की मौतों की गुत्थी सुलझ भी नहीं पाई थी कि ब्यौहारी में एक हाथी को पहले पटाखे जला कर खदेडने् और बाद में करंट लगने से संदेहास्पद परिस्थितियों की मौत की खबर सामने आई हैं।

इस घटना लोमहर्षक रही जहां करंट से तड़प-तड़प कर एक हाथी की मौत हुई। इस तरह की घटनाओं से हाथियों के साथ ही अन्य वन्यजीवों में न सिर्फ भय व्याप्त हैं बल्कि वे जंगलों से इतर शहरी क्षेत्रों में भी दस्तक दे रहे हैं। उमरिया में छोटा भीम नामक बाघ जंगल से नदारद हो गया हैं जो काफी तलाश के बाद भी नहीं मिल रहा हैं। बांधवगढ़ की घटना के बाद समीपवर्ती ब्यौहारी और आस-पास हाथियों के साथ अन्य वन्य जीवों के शहरी सीमाओं में दखल की खबरें आ रही हैं। इसी तरह डिंडौरी में भी छत्तीसगढ़ से आए हाथियों के आतंक मचाए जाने की खबरें सामने आ रही हैं। वन्य प्राणी विशेषज्ञों का कहना हैं कि बांधवगढ़ की घटना ने पूरे प्रदेश के वन्यजीवों में हलचल मचा दी हैं। प्रदेश में हाथियों की मौत का सिलसिला थमने का नाम न लेने से अब प्रदेश के वन्य प्राणियों की सुरक्षा को लेकर समूचे देश में बहस छिड़ गई हैं।

मैहर में करंट ने ली हाथी की जान

मैहर में एक और हाथी की जान चली गई। इसके लिए बिजली कंपनी पर लापरवाही के आरोप लग रहे हैं। बताया जा रहा हैं कि मैहर जिले में शुक्रवार को एक नर हाथी की करंट लगने से मौत हो गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है। खेतों के बीच से गुजर रहा हाथी जैसे ही बिजली के तारों के संपर्क में आया उसे करंट लगा और विशालकाय जानवर जमीन पर आ गिरा। सूचना मिलते ही मैहर कलेक्टर, एसडीएम और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। हाथी के शव का पोस्टमार्टम किया जा रहा है। सूचना मिलते ही वन विभाग और मुकुंदपुर टाइगर रिजर्व प्रशासन में हड़कंप मच गया। आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और हाथी के शव को कब्जे में लिया गया। अब हाथी के पोस्टमार्टम की तैयारी में प्रशासन जुट गया है। वहीं आसपास के ग्रामीणों की भीड़ भी हाथी को देखने के लिए मौके पर जुट गई है।

बताते हैं कि मैहर जिले के रामनगर थाना अंतर्गत शहडोल जिले के सीमाई गांव मझटोलवा कुआं में खेत के ऊपर से गई 11 केवी विद्युत लाइन ने एक हाथी की जान ले ली। हाथी अर्ध वयस्क था। उसका शव संतोष द्विवेदी नामक ग्रामीण के खेत में तार के नीचे पड़ा पाया गया।

हाथियों को पटाखे जला कर खदेडने् का आरोप!

रेंजर दिग्विजय सिंह ने बताया कि रामनगर ब्लॉक का मझटोलवा गांव शहडोल जिले के रमपुरवा, सुखाड़, कुमिया गांवों से जुड़ा हुआ है। शहडोल जिले में हाथियों का मूवमेंट है। गुरुवार रात क्षेत्र के लोगों ने पटाखे चला कर हाथियों को खदेड़ा था, जिसके कारण वे रामनगर के मझटोलवा कुआं गांव की तरफ आ गए थे। अन्य हाथी निकल गए लेकिन एक हाथी उनसे अलग हो गया और करंट लगने से उसकी मौत हो गई। रेंजर के मुताबिक हाथी का पोस्टमार्टम करा कर अन्य वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। हाथी की मौत के मामले से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया है, घटना की जांच की जाएगी। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि रात के समय हाथी ने खेत मे पड़ा पैरा खाने के प्रयास में सूंड उठाई होगी जो काफी नीचे लटक रही 11 केवी तार में टकराने से मौत हुई है।

हाथियों के तांडव के बाद डिंडौरी में अब बाघ की दहशत

डिंडोरी जिले के कुछ गांवों में हाथियों ने उत्पात का सिलसिला जारी हैं। हाथियों के उत्पात की यहां-वहां से आ रही खबरों के बीच इसके साथ ही बाघ के आबादी वाले क्षेत्र में दस्तक की खबर हैं। बताते हैं समनापुर क्षेत्र में बाघ ने बछड़े और सुअर का शिकार किया है। उस पर भी टीम नजर बनाए हुए है। अटकलें हैं कि कान्हा पार्क से बाघ आया है। पार्क प्रबंधन को भी जानकारी दे दी गई है। बाघ की दस्तक से गांवों में दहशत है। बाघ ने बछड़े और सुअर का शिकार किया है। ग्रामीणों की सूचना पर वन अमला की टीम वहां तैनात है। वहीं, ग्रामीण काफी सहमे हुए हैं। आदिवासी जिला डिंडोरी स्थित करंजिया वन परिक्षेत्र जो छत्तीसगढ़ बॉर्डर से लगा है, वहां 14 नवंबर से हाथियों के दल ने जमकर उत्पात मचा रहा है। हाथियों का दल कभी छत्तीसगढ़ तो कभी डिंडोरी के करंजिया क्षेत्र में भ्रमण कर रहा है इसके साथ ही फसलों सहित घरों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। यही कारण है कि ग्रामीण किसान डरे सहमे हैं। इस बीच इलाके में बाघ ने दस्तक दे दी है। बाघ के दस्तक से ग्रामीणों में दहशत है। जबलपुर के मुख्य वन रक्षक कमल अरोरा डिंडोरी दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने बताया कि हाथियों के दल ने छत्तीसगढ़ मार्ग से डिंडोरी की तरफ मूवमेंट किया है, जिनकी संख्या 4 है। 4 से 5 गावों में हाथी भ्रमण कर रहे हैं, जिसके चलते फॉरेस्ट कर्मियों की तैनाती कर दी गई है। हमने गांव-गांव ने हाथी मित्र दल बना दिए हैं। दिन और रात की टीमें तैनात कर दी गई है। फिलहाल हाथी पश्चिम करंजिया रेंज में है।

उमरिया में नहीं चला छोटा भीम नामक बाघ का पता

उमरिया बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में छोटा भीम नाम का बाघ अब भी लापता हैं। बीटीआर प्रबंधन की टीम चार हाथियों और 80 कर्मचारियों के साथ उसे जंगल में खोज रही है। इस बाघ के गले में एक तार का फंदा फंसा है। अंदेशा है कि शिकार के लिए किसी ने ऐसा किया होगा। हाथियों की मौत के बाद इस बार मामला हाथियों की मौत से नहीं, बल्कि एक फंदे वाले बाघ की तलाश से जुड़ा हुआ है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में छोटा भीम नामक बाघ के गले में तार का फंदा फंसा हुआ है। पर्यटकों से यह जानकारी मिलने के बाद छोटा भीम की तलाश के लिए बीटीआर प्रबंधन ने पूरी ताकत झोंक दी है। चार हाथी और करीब 80 कर्मचारी दिन-रात जंगलों में इस बाघ को जंगल में खोज रहे हैं। बताया जा रहा हैं कि बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में पर्यटकों ने सोमवार को बाघ का वीडियो और फोटो खींचा था, जिसमें बाघ के गले में तार का फंदा नजर आ रहा था। इस सूचना के बाद से ही प्रबंधन ने बाघ को रेस्क्यू करने की कोशिश शुरू कर दी थी। मंगलवार को यह बाघ कई बार दिखाई दिया लेकिन बुधवार को वह फिर से पकड़ से बाहर हो गया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर पीके वर्मा ने बताया कि मंगलवार को बाघ पूरी तरह से स्वस्थ दिख रहा था और वह दौड़ते हुए भी नजर आया। इसका वीडियो भी जारी किया गया था, जिसमें बाघ दौड़ता हुआ नजर आ रहा है। बीटीआर प्रबंधन की 80 सदस्यीय टीम बाघ की तलाश में लगी हुई है, जिसमें चार हाथी, 10 वाहन और चार रेंज का पूरा स्टाफ शामिल है। इसके अलावा, एसडीओ और डिप्टी डायरेक्टर भी इस अभियान में सक्रिय रूप से शामिल हैं। छोटा भीम की उम्र 5 से 6 साल बताई जा रही है और वह अक्सर पर्यटकों को दिखाई देता रहा है। बाघ छोटा भीम को खेतौली जोन में सबसे ज्यादा देखा गया है। इसे बजरंग का भाई भी कहा जाता है। यह बाघ पर्यटकों के बीच काफी मशहूर है और इसके वीडियो सोशल मीडिया पर भी अक्सर अपलोड किए जाते हैं। बीटीआर प्रबंधन इस बाघ को सुरक्षित तरीके से पकड़े जाने का प्रयास कर रहा है, ताकि उसकी जान बचाई जा सके।

आयुध निर्माणी खमरिया में फिर धमाका

डेटोनेटर प्रेशिंग के दौरान हादसा

जबलपुर, देशबन्धु। आयुध निर्माणी खमरिया में शुक्रवार को डेटोनेटर प्रेशिंग के दौरान फिर हादसा घटित हुआ। जिसमें एक कर्मचारी घायल हो गया। डेटोनेटर प्रेशिंग के दौरान एक सप्ताह में यह दूसरा हादसा है। इसके पूर्व विगत शनिवार को भी डेटोनेटर प्रेशिंग के दौरान हुए हादसे में एक कर्मचारी घायल हो गया था।

फैक्ट्री प्रबंधन से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार की दोपहर लगभग 3.30 बजे सेक्शन एफ-9 की बिल्डिंग नंबर 829 में डेटोनेटर प्रेसिंग कार्य के दौरान डेटोनेटर से चिंगारी निकलने कर्मचारी तेजस पटेल के हाथ की उंगली में चोट आ गयी। जिसे तत्काल उपचार के लिए आयुध निर्माणी खमरिया अस्पताल ले जाया गया। मेडिकल जांच में कर्मचारी पूरी तरह से स्वस्थ पाया गया।

गौरतलब है कि विगत शनिवार को सेक्षन एफ-1 की बिल्डिंग 78 में डेटोनेटर प्रेशिंग के दौरान चिंगारी निकलने से कुणाल कुमार डीबीडब्ल्यू कर्मचारी के हाथ जख्मी हो गया था। एक सप्ताह में दूसरी घटना होने के कारण कर्मचारियों में दहशत व असुरक्षा की भावना बढ़ गयी है।

इसके पूर्व आयुध निर्माणी खमरिया में विगत 22 अक्टूबर को हुई शक्तिशाली ब्लास्ट में दो व्यक्तियों की मौत हो गयी थी तथा लगभग डेढ दर्जन कर्मचारी घायल हो गये थे। ब्लास्ट इतना खतरनाक था कि एक कर्मचारी के शरीर कई टुकड़ों में मिला था। कर्मचारी की शिनाख्त उसके सिर से हुई थी। कर्मचारी संगठन को कहना है कि नॉन टेक्निकल व्यक्तियों के टेक्निकल कार्य कराया जाना हासदों का कारण है। जिस पर रोक लगाना आवश्यक है।

किराये का शिक्षक पकड़ा, पांच निलंबित

दमोह, देशबन्धु। जिले के सरकारी स्कूलों में पदस्थ शिक्षकों की लापरवाही कलेक्टर के निरीक्षण में भी सामने आई। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर द्वारा जिले के विभिन्न स्कूलों का निरंतर निरीक्षण किया जा रहा है। इस दौरान जो कमियां मिलीं, उनके आधार पर गुरुवार को पांच शिक्षकों के निलंबन आदेश जारी किए गए।जिला शिक्षा अधिकारी एसके नेमा ने बताया कि शासकीय माध्यमिक स्कूल परासई में पदस्थ माध्यमिक शिक्षक सविता जैन सार्थक एप पर उपस्थिति दर्ज नहीं कर रही थीं। उनके स्थान पर अन्य व्यक्ति से उपस्थिति लगवाए जाने पर उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। वहीं, बटियागढ़ विकासखंड के प्राथमिक स्कूल चैनपुरा के सहायक शिक्षक बंदूलाल अहिरवार को भी निलंबित किया गया है। जांच प्रतिवेदन के अनुसार, वह स्कूल में अनुपस्थित पाए गए और यहां पर बाहरी व्यक्ति उनके स्थान पर अध्यापन कार्य करता पाया गया। इसी तरह, शासकीय प्राथमिक स्कूल पिपरिया मिसर के प्राथमिक शिक्षक माधुरी शरण गुप्ता स्कूल से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहते हुए सार्थक एप पर अपनी फोटो की सेल्फी किसी अन्य से खिंचवाकर नवंबर माह में उपस्थिति दर्ज कराए जाने और अन्य व्यक्ति से कार्य कराने का भी आरोप है।

फर्जी तरीके से पंजीयन कराने वालों पर कसेगी लगाम: लिल्हारे

सेंट्रल जीएसटी मुख्यालय में सुविधा केंद्र शुरू

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश में सेंट्रल जीएसटी के रजिस्ट्रेशन में फर्जी बाड़ा रोकने के लिये जबलपुर के कें द्रीय जीएसटी मुख्यालय ने कवायद शुरू कर दी है। इसके चलते सरकार की आंख में धूल झोंककर गड़बड़झाला कर राजस्व की चोरी करने वालों पर नकेल कसी जा सकेगी।

केंद्रीय जीएसटी जबलपुर मुख्यालय के आयुक्त लोकेश कुमार लिल्हारे ने बताया कि सुविधा कें द्र में जीएसटी पंजीयन के लिये बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण सत्यापन किया जायेगा। इससे फर्जी तरीके से सेंट्रल जीएसटी के पंजीयन को रोकने में मदद मिलेगी। ऑन लाइन पोर्टल से स्लॉट आवेदक बुक करा सकें गे। इस प्रक्रिया को आसान और सुविधाजनक बनाया गया है, बिना किसी असुविधा के आवेदक डिजिटल तरीके से पंजीयन करा सकेंगे। स्लॉट बुक होने के बाद आवेदक को तय समय और तिथि पर केंद्रीय जीएसटी में बने सुविधा केंद्र पहुंचते ही पंजीयन संबंधी प्रक्रिया का लाभ मिलने लगेगा।

इसके पहले आयुक्त श्री लिल्हारे के करकमलों से सुविधा केंद्र का शुभारंभ किया गया। सुविधा केंद्र में दो बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण अधिकारियों की तैनाती की गई है।

गौरतलब है कि पूर्व में कई ऐसे मामले सामने आये थे, जिसमें गलत पते और नाम पर आधारित सेंट्रल जीएसटी के पंजीयन करा लिये जाते थे। इसके बाद फर्जी तरह से व्यापार दर्शा कर क ई तरह से केंद्र सरकार के राजस्व की चोरी की जा रही थी। इसी बात को ध्यान में रखते हुये केंद्रीय जीएसटी के आला अधिकारियों ने केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों पर आधारित इस तरह की शुरूआत कर दी है। नई पहल से होने लाभ पर एक नजर- इस प्रक्रिया के अमल में आने पर जहां एक तरफ आयक र, बैङ्क्षकंग, कारोबार इत्यादि सेक्टर को लाभ मिलेगा। क्योंकि अभी तक ऐसे लोगों के नाम पर फर्जी तरीके से पंजीयन कराने वाले सक्रिय थे जिनसे ईमानदार कारोबारियों को बेवजह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। दूसरी तरफ आयक र बचाने के लिये भी इसका बेजा इस्तेमाल किया जा रहा था। वहीं दूसरी तरफ फर्जी टर्न ओव्हर दिखाकर बैंकों से अनाप-शनाप कर्ज लिया जा रहा था। इससे भी सेंट्रल जीएसटी की पहल से काफी हद तक रोक लगेगी।

कृषि उपज मंडी में 1 दिसंबर से मटर बिक्री प्रतिबंधित

कलेक्टर ने जारी किये आदेश

जबलपुर, देशबन्धु। मनमोहन नगर स्थित कृषि उपज मंडी में 1 दिसम्बर से मटर के क्रय-विक्रय पर प्रतिबंध लगाया दिया गया है। इस संबंध में जिला कलेक्टर ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी किये है।

जिला कलेक्टर दीपक सक्सेना ने बताया कि गत वर्ष मटर के विक्रय मूल्य से आक्रोशित किसानों से चक्का जाम कर दिया था। जिसके कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पडा था। इस संबंध में विजय नगर थाना प्रभारी द्वारा प्रतिवेदन पेश किया गया था। इसके अलावा माढ़ोताल थाना प्रभारी द्वारा भी प्रतिवेदन भेजा गया था कि जाम के कारण बस व एम्बुलेंस नहीं निकल पा रही थी। बसों व एम्बुलेंस को लम्बे रास्ता लेकर निकला पडा था।

कृषि उपज मंडी के सचिव ने भी प्रतिवेदन भेजा था कि मटन के क्रय-विक्रय के कारण विगत वर्ष कानून व्यवस्था तथा जाम की स्थिति निर्मित हो गयी थी। जिसके कारण तीन दिनों तक मंडी प्रांगण को बंद रखना पड़ा था। मध्यप्रदेश राजपत्र भोपाल में जबलपुर के मंडी क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम औरिया तथा करमेता के अतिरिक्त प्रांगण को घोषित किया जाये।

जिला कलेक्टर ने बताया कि यातायात व्यवस्था को मद्देजनर रखते हुए इस संबंध में स्थानीय जनप्रतिनिधियों तथा किसानों के साथ बैठक आयोजित की गयी थी। बैठक के बाद उन्होने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत 1 दिसम्बर से कृषि उपज के प्रांगण से मटर क्रय-विक्रय पर रोक लगा दी है। औरिया तथा करमेता मंडी प्रांगण से आगामी दो दिसम्बर से मटर क्रय-विक्रय का कार्य किया जायेगा। इसके अलावा वाहनों से मंडी में मटर लाने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है।

किसान रैली में जाने के पूर्व गिरफ्तारी पर मुआवजे की मांग

हाईकोर्ट ने अनावेदकों को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

जबलपुर, देशबन्धु। किसान रैली में दिल्ली जा रहे बरगी विस्थापित संघ के अध्यक्ष व कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। उक्त गिरफ्तारी के अवैध बताते हुए दो लाख रुपये के मुआवजे की मांग की गई है। जस्टिस एमएस भट्टी की एकलपीठ ने मामले में राज्य सरकार व अन्य को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब पेश करने के निर्देश दिये है।

यह मामला बरगी विस्थापित संघ के राजकुमार सिन्हा, रामरतन यादव, अमरदीप सिंह, अमित पाण्डेय और संजय सेन की ओर से दायर किया गया है। जिसमें कहा गया है कि जबलपुर शहर के विभिन्न क्षेत्रों से उनके साथी विगत 13 फरवरी को नई दिल्ली में आयोजित किसान रैली में शामिल होने जा रहे थे। जिस पर विभिन्न थाना पुलिसों ने उन्हें इस आरोप में गिरफ्तार किया कि शामिल होने के लिए वे लोगों को सार्वजनिक रूप से भडक़ाकर शांति भंग कर रहे थे। आरोप है कि जानबूझकर उन्हें दो दिन तक हिरासत में रखा गया। इस गिरफ्तारी को अवैध बताकर उसकी जांच कराने और दो लाख रुपए का मुआवजा दिलाए जाने की मांग याचिका में की गई है। मामले में गृह सचिव, डीजीपी, जबलपुर एसपी, गोरखपुर, रांझी एसडीओं व तिलवारा, गोराबाजार, गढ़ा और गोरखपुर थाना प्रभारी को पक्षकार बनाया गया है। सुनवाई पश्चात् न्यायालय ने अनावेदकों को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने के निर्देश दिये है। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने पक्ष रखा

रेत का अवैध उत्खनन करते पाए जाने पर वाहन जब्त

अनूपपुर, देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में ऑपरेशन प्रहार के तहत 28 नवम्बर को अवैध गतिविधियों विशेषकर खनिज चोरी पर रोकथाम हेतु खनिज विभाग के साथ संयुक्त बैठक में उक्त संबंध में कार्यवाही हेतु सख्त निर्देश दिए गए थे, जिसके तारतम्य में 28 नवम्बर की रात्रि गस्त के दौरान मुखबिर सूचना पर मिनी डंफर वाहन का चालक पौराधार से रामनगर की ओर रेता लोड कर जा रहा है। जिसे पुलिस ने उक्त वाहन को न्यू डोला पेट्रोल पंप के पास वाहन क्रमांक एमपी 65 जीए 1711 को रोककर जांच की गई।

J.B.F.A.

जबलपुर बॉयलर फार्मस् एसोसियेशन

मुर्गा छोटा	- रु. 130
मुर्गा मीडियम	- रु. 120
मुर्गा बड़ा	- रु. 110
मुर्गा जम्बो	- रु. 110

मो.-9039925000, 9425800409

सोनू पोल्ट्री

बड़ा ब्रॉयलर	- रु. 106
मीडियम ब्रॉयलर	- रु. 116
छोटा ब्रॉयलर	- रु. 124

मोबाइल नं. 9300692405

तेंदूखेड़ा स्वास्थ्य केन्द्र से एक्सपायरी दवाईयां जब्त

एसडीएम के निरीक्षण में मिलीं कई खामियां, कार्रवाई के निर्देश

दमोह, देशबन्धु। दमोह के तेंदूखेड़ा स्वास्थ्य केंद्र निरीक्षण में एसडीएम सौरव गंधर्व को गंदगी, अव्यवस्था और एक्सपायरी दवाएं मिलीं। उन्होंने दवाएं जब्त कर दोषियों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। सफाई सुधार और गर्भवती महिलाओं के भोजन में सुधार के आदेश भी दिए।

दमोह जिले के तेंदूखेड़ा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में शुक्रवार दोपहर एसडीएम सौरव गंधर्व ने अचानक निरीक्षण किया, जिसमें कई खामियां सामने आईं। उन्होंने अस्पताल में जगह-जगह फैली गंदगी, ब्लड बैंक की अव्यवस्था और सरकारी मेडिकल स्टोर में बड़ी मात्रा में एक्सपायरी दवाएं मिलने पर नाराजगी जताई।

एसडीएम ने निर्देश दिया कि एक्सपायरी दवाओं को तुरंत जब्त किया जाए और दोषियों पर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि मरीजों की सुरक्षा के लिए ऐसी लापरवाहियां बर्दाश्त नहीं होंगी। सफाई व्यवस्था और गर्भवती महिलाओं के भोजन की गुणवत्ता में सुधार के निर्देश भी दिए गए। एसडीएम ने बीएमओ को इस मामले में जवाबदेह व्यक्तियों पर कार्रवाई करने के आदेश दिए और अस्पताल में समय-समय पर निरीक्षण जारी रखने का आश्वासन दिया। एसडीएम ने कहा कि एक्सपायरी दवाओं का उपयोग मरीजों के लिए घातक हो सकता है। उन्होंने नागरिकों से भी साफ-सफाई बनाए रखने की अपील की। यह उनका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा का पहला निरीक्षण था, जहां उन्होंने पूरे अस्पताल की स्थिति की समीक्षा की।